राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 110 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,27 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

भारत-ब्रिटेन नौसेना अयास कोंकण शति का अंतिम दिन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत-ब्रिटेन की तीनों सेनाओं के बीच पहले संयुत सैन्य अयास कोंकण शति 2021 के तहत अरब सागर में कोंकण तट पर अयास पिछले दो दिनों से पूरी शति से चल रहा है। बंदरगाह चरण का अयास पूरा होने के बाद दोनों देशों की सेनाएं रविवार से समुद्री चरण के अयास में जुटी हैं जो बुधवार तक चलेगा। अयास में हिस्सा ले रही सभी यूनिटों को समूहों में बांटा गया है। एक समूह का नेतृत्व नौसेना के पश्चिमी बेड़े के लैग आफिसर कमांडिंग कर रहे हैं और इनके पास आईएनएस चेन्नई, कुछ अन्य युद्धपोत तथा ब्रिटिश नौसेना का 23 श्रेणी का रिचमंड फ्रिगेट हैं। दूसरे समूह का नेतृत्व ब्रिटेन की नौसेना का विमानवाहक पोत एलिजाबेथ कर रहा है जो लड़ाकू विमानों से लैस है। इसके अलावा समूह में ब्रिटिश नौसेना व नीदरलैंड और भारतीय नौसेना के पोत भी हैं।

ओम नमः शिवाय के गुरुदेव का समान समारोह 28 अटूबर को

प्रयागराज। राष्ट्रीय सनातन सेना के मुय संरक्षक व वरिष्ठ समाजसेवी अभय नारायण पांडे माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला, बाढ़ और कोविड-19 के दौरान प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ व अयोध्या में सबसे विशाल अन्नक्षेत्र 40 वर्ष से चलाने वाले ओम नमः शिवाय संस्था के पूज्य गुरुदेव को 28 अटूबर गुरुवार को पूर्वाहन 11.00 बजे बलुआ घाट स्थित आश्रम में समानित करेंगे । श्री पांडे ने बताया कि तीर्थराज प्रयाग में सबसे बड़ा दान अन्नदान है। देश-विदेश से आने वाले लाखों- करोड़ों लोगों को ओम नमः शिवाय संस्था की ओर से माघ मेला,अर्ध कुंभ मेला और कुंभ मेले में दिन-रात श्रद्धा के साथ संस्था के श्रद्धालु और शिष्य भोजन कराते हैं। ओम नमः शिवाय संस्था की ओर की ओर से मेला क्षेत्र में लगने वाले शिविरों में भी खाद्यान्न सहित अन्य सुविधाएं उपलध कराई जाती है।

पेगासस पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट पेगासस स्पायीवेयर सॉटवेयर के जरिए कई विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, आला अफसरों, वकीलों समेत प्रमुख लोगों के मोबाइल फोन 'हैक' कर उनकी जासूसी करने के मामले में बुधवार को फैसला सुनाएगा। यह केस सीजेआई एनवी रमना एव जस्टिसद्वय सूर्यकांत व हिमा कोहली की तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष बुधवार को फैसले के लिए सूचीबद्ध किया है।

सुप्रीमकोर्ट ने स्पायीवेयर के इस्तेमाल के केस में स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिका पर अंतिम आदेश का फैसला 13 सितंबर को सुरक्षित रख किया था। मुय न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन जजों की इस पीठ ने पूरे केस की जांच के लिए एक स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञ कमेटी के गठन का संकेत दिया था।

जमीनी स्तर तक नहीं पहुंच रहा कांग्रेस का संदेश, विचारधाराओं को बरकरार रख लड़ें कांग्रेस :सोनिया गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को पार्टी के भीतर अनुशासन और एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया और कहा कि पार्टी में राज्य स्तर के नेताओं के बीच नीतिगत मुद्दों पर स्पष्टता एवं समन्वय का अभाव दिखता है.पार्टी महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा और पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि अगर लड़ाई जीतनी है तो जनता के समक्ष भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'दुष्प्रचार' एवं 'झूठ' को बेनकाब करना होगा.

उन्होंने कहा, ''हमें भाजपा / आरएसएस के द्वेषपूर्ण दुष्प्रचार के खिलाफ लड़ना है. अगर यह लड़ाई जीतनी है तो हमें पूरे संकल्प के साथ यह करना होगा और जनता के समक्ष उनके झूठ को बेनकाब करना होगा.''सोनिया गांधी ने जोर देकर कहा, ''अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी रोजाना विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण और विस्तृत बयान जारी करती है. परंतु यह अनुभव किया गया है कि ब्लॉक और जिला स्तर के हमारे कार्यकर्ताओं तक यह नहीं पहुंचता. नीतिगत मुद्दे हैं जिन पर पर

मुझे स्पष्टता एवं समन्वय के अभाव का पता चलता है तथा यह हमारे राज्य स्तर के नेताओं के बीच भी है.''

'असमानता के खिलाफ संगठन को सफल होना है'- पार्टी नेताओं से कहा, ''आपको हमारे कार्यकर्ताओं को इस तरह प्रशिक्षित करना होगा कि वह भाजपा / आरएसएस की ओर से चलाए जा रहे दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार का मुकाबला कर सकें. आपको हमारे कार्यकर्ताओं को ऐसे भी प्रशिक्षित करना है कि वह कांग्रेस की विचारधारा को बरकरार रखते हुए, और आगे बढ़ाते हुए, लड़ाई लड़ें.''सोनिया गांधी ने कहा, ''हमारा अपना इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि अगर अन्याय और असमानता के खिलाफ संगठन को सफल होना है, अगर कमजोरों के अधिकारों के लिए प्रभावी पैरोकार बनना है तो इसे जमीनी स्तर पर व्यापक आंदोलन का रूप लेना होगा.'' उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी सरकार ने हमारी संस्थाओं को नष्ट करने का प्रयास किया है ताकि वह जवाबदेही से बच सके. उसने संविधान के आधारभूत मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास किया है ताकि वह खुद के लिए निचले स्तर के लिए मानक रख सके. उसने हमारे लोकतंत्र की बुनियादी बातों को सवालों को घेरे में खड़ा किया है.''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हमें सरकार के दमन के शिकार पीड़ितों के लिए अपनी लड़ाई को दोगुनी ताकत देनी चाहिए, चाहे वह हमारे किसान और खेतिहर मजदूर हों, रोजगार के लिए लड़ते युवा हों, छोटे एवं मझोले कारोबारी हों या फिर हमारे वंचित भाई-बहन हों.''उन्होंने यह भी कहा कि इस वादे को सही मायने में सार्थक बनाने के लिए संगठन में समाज के सभी हिस्सों को ज्यादा प्रतिनिधित्व देना होगा.

बैठक में ये नेता भी हुए शामिल- सोनिया ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा, ''आने वाले महीनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. इन राज्यों में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता और नेता कमर कस रहे हैं. हमारा चुनाव अभियान समाज के सभी तबकों के साथ चर्चा के बाद सामने आई ठोस नीतियों और कार्यक्रमों के आधार पर होना चाहिए.''उन्होंने कहा, ''मैं फिर इस बात पर जोर देना चाहूंगी कि अनुशासन और एकजुटता की जरूरत है. आप और हम सबके लिए यह मायने रखता है कि संगठन मजबूत हो. यह व्यक्तिगत आकांक्षाओं से ऊपर होना चाहिए. इसी में सामूहिक और व्यक्तिगत दोनों सफलताएं निहित हैं.''

पार्टी मुख्यालय में हुई इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा अन्य महासचिव, प्रभारी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष शामिल हुए.यह बैठक कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में सदस्यता अभियान, महंगाई के मुद्दे पर जन-जागरण अभियान तथा संगठनात्मक चुनाव के तय किये गए कार्यक्रमों की पृष्ठभूमि में हुई है.

सूचना लीक मामले में सीबीआई ने नौसेना अधिकारी को किया गिरफ्तार, नेवी ने दिए हाई लेवल जांच के आदेश

नई दिल्ली,एजेंसी। सीबीआई ने सूचना लीक मामले में नेवी अधिकारी को गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक सर्विंग नेवी ऑफिसर, के साथ-साथ 2 रिटायर्ड अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है. मामला किलो-क्लास की पनडुब्बी के आधुनिकीकरण को लेकर गोपनीय जानकारी के लीक से जुड़ा हुआ है. शीर्ष सरकारी सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि पिछले महीने घटनाक्रम के बाद, भारतीय नौसेना ने भी जानकारी लीक की जांच के लिए वाइस एडमिरल और रियर एडमिरल के तहत एक उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया और भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को रोकने के तरीकों की तलाश की.

सूत्रों के मुताबिक, संबंधित एजेंसियों से इनपुट प्राप्त करने के बाद, सीबीआई ने कमांडर रैंक के एक सेवारत नौसेना अधिकारी को गिरफ्तार किया, जो वर्तमान में सेवानिवृत्त अधिकारियों को किलो-क्लास पनडुब्बी आधुनिकीकरण परियोजना से संबंधित अनधिकृत जानकारी देने के लिए मुंबई में तैनात है.

उन्होंने कहा कि सीबीआई कई अन्य सेवारत अधिकारियों से पूछताछ कर रही है जो गिरफ्तार अधिकारियों के संपर्क में थे. रक्षा सूत्रों ने कहा कि भारतीय नौसेना

केंद्रीय एजेंसी द्वारा चल रही जांच में सहायता प्रदान कर रही है और जांच अधिकारियों द्वारा पूछताछ के लिए अपने जवानों को उपलब्ध करा रही है. राष्ट्रीय सुरक्षा की देखभाल करने वाली एजेंसियों सहित सरकार के शीर्ष अधिकारियों को भी जांच की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई है.

सूत्रों ने कहा कि जैसे ही यह मामला नौसेना के शीर्ष अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया, उन्होंने वाइस एडमिरल की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय टीम का गठन किया और मामले की जांच के लिए समानांतर जांच शुरू की और किसी भी संभावित सूचना लीक को बंद किया.सूत्रों ने कहा कि जांच एजेंसियां तीनों सेवाओं के बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं, जिसके बाद मामले में गिरफ्तारी हुई है. उन्होंने कहा कि और गिरफ्तारियां संभव हैं क्योंकि उन्हें कुछ और इनपुट मिले हैं.

राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे मनसुख मंडाविया, वैक्सीनेशन अभियान तेज करने समेत इन मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया देश में कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान की गति को तेज करने को लेकर बुधवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों से चर्चा करेंगे. स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ यह बैठक तब होने वाली है, जब एक सप्ताह पहले भारत ने 100 करोड़ कोविड वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार किया था. समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, मंडाविया इस बैठक में कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज लगाने में हो रही देरी पर भी चर्चा करेंगे. 21 अक्टूबर को देश में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 1 अरब पार होने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि अब दूसरी डोज का इंतजार कर रहे लोगों के लिए वैक्सीन सुनिश्चित की जाएगी. केंद्र सरकार ने एक बयान में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से ऐसे लाभार्थियों पर ध्यान देने को कहा है. सूत्रों ने एएनआई से बताया कि देश में कोविशील्ड और कोवैक्सीन की अभी भी 11 करोड़ से अधिक डोज बची हुई है, लेकिन 10 करोड़ योग्य लोग दूसरी डोज का इंतजार कर रहे हैं.

भारत में 76 फीसदी व्यस्क आबादी को कोविड वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है. स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब तक 1,02,94,01,119 वैक्सीन डोज लगाई गई है. इनमें 71.91 करोड़ लोगों को पहली डोज और 31.02 करोड़ लोगों को दोनों डोज लगाई जा चुकी है. दोनों डोज लेने वाली आबादी 32 फीसदी है.

मांडविया बुधवार को 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन' पर भी स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ चर्चा कर सकते हैं. मंडाविया ने मंगलवार को कहा कि इसके तहत सभी स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं से युक्त दो कंटेनर स्थापित किया जाएंगे, जिन्हें आपात स्थिति में किसी भी स्थान पर ले जाया जा सकेगा. उन्होंने बताया कि हर कंटेनर में 200 बिस्तरों की क्षमता होगी और इन्हें दिल्ली एवं चेन्नई में स्थापित किया जाएगा. इन कंटेनर को आपात स्थिति में हवाई मार्ग से या ट्रेन के जरिए ले जाया जा सकता है. भारत सरकार ने इस साल के अंत तक सभी योग्य आबादी को वैक्सीनेट करने का लक्ष्य रखा है. इसलिए राज्यों से टीकाकरण अभियान तेज करने पर जोर दिया जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शनिवार को कोविड-19 वैक्सीन बनाने वाली भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी और उनके प्रयासों की तारीफ की थी.

गृहमंत्री अमित शाह ने पुलवामा के शहीदों को किया नमन

श्रीनगर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने जम्मू कश्मीर दौरे के आखिरी दिन पुलवामा के सीआरपीएफ कैंप में रात बिताने के बाद आज सुबह पुलवामा हमले में शहीद सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि दी। गृह मंत्री के साथ ही जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने भी पुलवामा के शहीदों को नमन किया। इससे पहले गृह मंत्री शाह और लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा कल रात में लेथपोरा स्थित सीआरपीएफ के उस कैंप में पहुंचे जहां के जवानों के काफिले पर 14 फरवरी 2019 को हमला हुआ था। इस हमले में 40 जवान शहीद हुए थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने सीआरपीएफ कैंप पहुंचकर जवानों से मुलाकात की और उन्हें संबोधित भी किया। जवानों को संबोधित करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने उनके

साथ डिनर भी किया। जिन टेबल्स पर बैठकर जवान भोजन करते हैं, अमित शाह भी उसी टेबल पर जवानों के बीच बैठे। डिनर के दौरान उन्होंने जवानों से बातचीत भी की। पूरी रात उन्होंने इसी कैंप में गुजारी।

अमित शाह ने सीआरपीएफ शिविर में सुरक्षा कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं एक रात आप लोगों के साथ गुजारना चाहता हूं और आपकी समस्याओं को समझना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के उनके दौरे के दौरान यह सबसे अहम पड़ाव है। शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत हद तक सुधरी है। उन्होंने कहा कि ''उन्हें उम्मीद है कि वह अपने जीवनकाल में शांतिपूर्ण जम्मू कश्मीर देख सकेंगे जिसका सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देखा है।'' शाह ने कहा, ''पथराव की घटनाएं तभी दिखाई देती हैं जब हम उन्हें देखना चाहते हैं। ऐसा भी समय था जब कश्मीर में पथराव आम बात थी। ऐसी घटनाएं बहुत हद तक कम हो गई हैं। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि हम अभी संतुष्ट नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा.''आतंकवाद के प्रति नरेंद्र मोदी सरकार की बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। यह मानवता के विरुद्ध है। मानवता के प्रति जघन्य अपराध से जुड़े लोगों से कश्मीर के लोगों को बचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।'' गृह मंत्री ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त होने के बाद खूनखराबा नहीं होने देने के लिए सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधानसभा चुनाव प्रचार का आगाज करेगी कांग्रेस, 30 अक्टूबर को गोवा के दौरे पर जाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राहुल गांधी अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले 30 अक्टूबर को एक दिन के दौरे पर गोवा जाएंगे. कांग्रेस की गोवा इकाई के प्रमुख गिरीश चोडनकर ने यह जानकारी दी. उन्होंने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि राहुल गांधी इस यात्रा के दौरान वो पणजी के बम्बोलिम में एसपीएम स्टेडियम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे और पार्टी के अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे.

पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, राहुल गांधी 30 अक्टूबर को सुबह 11 बजे यहां पहुंचेंगे और उसके बाद वह डोना पाउला में अंतरराष्ट्रीय केंद्र में पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे. राहुल की यात्रा महत्व रखती है क्योंकि कांग्रेस अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियों में जुटी है. इसे विधानसभा चुनाव प्रचार का आगाज माना जा रहा है.

साल 2017 के गोवा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 40 सदस्यीय सदन में सबसे अधिक 17 सीटें जीती थीं, जबकि मुख्य प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी को 13 सीटों पर ही कामयाबी मिल सकी थी. लेकिन बीजेपी क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर सरकार बनाने में सफल रही थी. बाद में कांग्रेस के विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया. पिछले 5 सालों में कांग्रेस के 13 विधायक बीजेपी में जा चुके हैं.

कांग्रेस के कई नेता छोड़ चुके हैं पार्टी- राहुल गांधी का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब कांग्रेस के कई नेता पार्टी छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में जा चुके हैं. टीएमसी विधानसभा चुनाव में पूरी तैयारी में जुटी है. गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व कांग्रेस विधायक लुइजिन्हो फलेयरो ने भी पिछले महीने कोलकाता में टीएमसी की सदस्यता ली थी. कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को संबोधित अपने इस्तीफे में फलेयरो ने आरोप लगाया था कि पार्टी की गोवा इकाई का नेतृत्व ऐसे नेताओं की 'मंडली' कर रही है, जिनकी प्राथमिकता अपने निजी हित हैं.

हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने दावा किया था कि आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस गोवा विधानसभा चुनाव में 'बस नाम के खिलाड़ी' रहेंगे और कांग्रेस ही बीजेपी को हराने और अगली सरकार बनाने के लिए अच्छी स्थिति में है. गोवा विधानसभा चुनाव के लिए चिदंबरम कांग्रेस के वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक हैं.

उन्होंने राज्य में चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा के संबंध में पूछे गए एक सवाल पर कहा कि पार्टी को मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा करनी चाहिए या नहीं इसके बारे में निर्णय उम्मीदवारों की पूरी सूची जारी करने के बाद ही ली जाएगी. उन्होंने कहा, ''हम इस बारे में उचित समय पर निर्णय लेंगे.''लुइजिन्हो फालेरियो के कांग्रेस छोड़ने और तृणमूल कांग्रेस का दामन थामने के बारे में पूछे गए सवाल पर चिदंबरम ने कहा कि गोवा की राजनीति में दलबदल अभिशाप है और गोवा के लोग दलबदल करनेवालों से सबसे ज्यादा नाराज हैं.

पाकिस्तान की जीत का मनाया जश्न, जम्मू और कश्मीर के मेडिकल छात्रों पर यूएपीए के तहत 2 केस दर्ज

जम्मू ,एजेंसी। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ट्वेन्टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की जीत का कथित रूप से जश्न मनाने के सिलसिले में दो मेडिकल कॉलेजों के छात्रों के खिलाफ अवैध गतिविधियां (रोकथाम) कानून (यूएपीए) के तहत दो मामले दर्ज किए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यहां कर्ण नगर स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज और शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान श्रीनगर (एसकेआईएमएस) सौरा के छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कर्ण नगर और सौरा पुलिस थानों में यूएपीए के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान की जीत का घाटी में कई स्थानों पर जश्न मनाए जाने संबंधी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। यह मैच रविवार को दुबई में हुआ था। पाकिस्तान की जीत के बाद कई स्थानों पर पटाखे छोड़े गए थे। इस बीच, जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से यूएपीए के तहत लगाए गए आरोपों को मानवीय आधार पर रद्द किए जाने का अनुरोध किया था।

संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता नासिर खुएहामी ने एक बयान में कहा कि छात्रों के खिलाफ यूएपीए के तहत लगाए गए आरोप कड़ी सजा हैं, जिससे उनका भविष्य बर्बाद हो जाएगा और %%उन्हें और भी अलगाव में डालेगा। उन्होंने कहा, %%हम उनके कृत्य को उचित नहीं ठहरा रहे हैं, लेकिन इससे उनका करियर समाप्त हो जाएगा। इन आरोपों का छात्रों के शैक्षणिक जीवन एवं भावी करियर पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर कश्मीरी युवाओं के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि एक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत पर पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के लिए यहां कुछ छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाने जैसे कदम उन युवाओं को और दूर कर देंगे। ।

राजकीय मेडिकल कॉलेज व एसकेआईएमएस सौरा के छात्रावासों में रहने वाले मेडिकल छात्रों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र को इसके बजाय यह पता लगाने की कोशिश करनी चाहिए थी कि शिक्षित युवा पाकिस्तान के साथ अपनी पहचान क्यों जोड़ते हैं?

इग केस बंबई उच्च न्यायालय जमानत याचिका पर बुधवार को भी सुनवाई जारी रखेगा

आर्यन को अभी जमानत नहीं, याचिका पर सुनवाई जारी

एजेंसी ■ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान और दो अन्य व्यक्तियों की जमानत याचिका पर बुधवार को भी सुनवाई जारी रखेगा, जिन्हें इस महीने की शुरुआत में मुंबई के तट के पास एक क्रूज जहाज से मादक पदार्थों की कथित जब्ती के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, आर्यन (23) ने एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ जबरन वसूली के प्रयास के आरोप से खुद को अलग कर लिया, जिन्होंने

वकील मुकुल रोहतगी ने कहा, लेकिन आज, एनसीबी इसे आर्यन खान पर डाल रहा है और कह रहा है कि वह गवाहों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे मेरे मुवक्किल का मामला प्रभावित हो रहा है। एनडीपीएस अधिनियम की मंशा यह थी कि छोटी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ पकड़े जाने वालों को सुधारा जा सके।

गत दो अक्टूबर को जहाज पर छापे की निगरानी की थी। आर्यन के वकीलों मुकुल रोहतगी और सतीश मानशिंदे ने न्यायमूर्ति एन डब्ल्यू सांबरे के सामने दलील दी कि मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के पास उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वरिष्ठ वकील रोहतगी ने कहा, आर्यन को एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े सहित एनसीबी के किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है। आर्यन का इन बेतुके विवादों से कोई सरोकार नहीं है। वह इससे किसी भी तरह के संबंध से पूरी तरह इनकार करते हैं। वकील ने कहा कि एनसीबी और वानखेड़े ने सोमवार को कहा था कि आरोप एक नेता द्वारा प्रतिशोध का हिस्सा थे, जिसके दामाद को एनसीबी ने पहले गिरफ्तार किया था।

वकील ने कहा आर्यन का कोई पिछला मामला नहीं

रोहतगी ने कहा किआर्यन खान एक युवक है जिसका ऐसा कोई पिछला मामला नहीं है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 64 ए उन व्यक्तियों को प्रतिरक्षा प्रदान करती है जिन पर कम मात्रा में मादक पदार्थ रखने का आरोप लगाया गया है। अगर ये व्यक्ति पुनर्वसन के लिए भेजे जाने के लिए सहमत हैं तो इसकी अनुमति दी जानी चाहिए।

आरएसएस के कार्यकारी मंडल की 28 अक्टूबर से कर्नाटक में बैठक

नई दिल्ली। आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक 28 अक्टूबर से कर्नाटक के धारवाड़ जिले में होगी जिसमें समसामयिक विषयों पर चर्चा के अलावा संगठन एवं शाखाओं के विस्तार तथा प्रशिक्षण कार्यों का लेखाजोखा होगा और आगे के कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। 28 से 30 अक्टूबर तक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी परिषद की बैठक धारवाड़ जिले के राष्ट्रोत्थान विद्या केंद्र में होगी। इस बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित वरिष्ठ प्रचारक, देश भर से करीब 350 प्रचारक एवं पदाधिकारी तथा कुछ चुनिंदा अनुषंगी संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

केंद्र युवाओं के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई कर रहा है: मेहबूबा

एजेंसी ■ श्रीनगर

पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर कश्मीरी युवाओं के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि एक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत पर पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के लिए यहां कुछ छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाने जैसे कदम उन युवाओं को और दूर कर देंगे।।राजकीय मेडिकल कॉलेज व एसकेआईएमएस सौरा के छात्रावासों में रहने वाले मेडिकल छात्रों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र को इसके बजाय यह पता लगाने की कोशिश करनी चाहिए थी कि शिक्षित युवा पाकिस्तान के साथ अपनी पहचान क्यों जोड़ते हैं? जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर कहा, कश्मीरी युवाओं के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मन की बात पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के लिए मेडिकल छात्रों के खिलाफ यूएपीए लगाए जाने से शुरू हुई।

सार समाचार

अफगानिस्तान में भुखमरी का भीषण संकट, श्रम के बदले गेहूं देने का किया ऐलान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद देश में भुखमरी और बेरोजगारी की समस्या एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी है। दिन पर दिन आर्थिक और मानवीय त्रासदी गहराती जा रही है। वहीं संयुक्त राष्ट्र ने संकेत दिए हैं कि देश में नवंबर महीने में खाद्य संकट और ज्यादा विकट हो सकता है। हालांकि बढ़ती बेरोजगारी के बीच तालिबान ने देश के लोगों को काम के बदले गेंहू देने का ऑफर दिया है। तालिबान ने भले ही लोगों को राहत देने के लिए ये स्कीम शुरू की है। लेकिन देश इतने बुरे हालातों में फंसा हुआ है कि इस प्रयास को बेहद कम माना जा रहा है। तालिबानी हुकूमत की इस योजना के तहत काबुल में दो महीने में करीब 11,600 टन गेहूं का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा हेरात, जलालाबाद, कंधार, मजार-ए-शरीफ और पोल-ए-खोमरी सहित देश के बाकी शहरों में 55,000 टन गेहूं वितरित किए जाने की योजना है। इस योजना के तहत सूखे से निपटने के इंतजाम किए जाएंगे। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान की अंतरिम सरकार ने लोगों को श्रम के बदले गेहूं देने की घोषणा की है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक प्रेस कॉनफ्रेंस में कहा कि सरकार ने एक कार्यक्रम लॉन्च किया है। जिसके तहत लोगों को काम के बदले अनाज दिया जाएगा। मुजाहिद के मुताबिक ये कार्यक्रम देश के तकरीबन सभी बड़े शहरों में चलाया जाएगा। अकेले काबुल शहर में इसके तहत चालीस हजार लोगों को रोजगार मुहैया कराने की तैयारी है।

टीके की दोनों खुराक लेने वाले विदेशी यात्रियों के लिए सभी पाबंदियां हटाएगा अमेरिका

वाशिंगटन।अमेरिका, पूरी तरह से कोविड-19 रोधी टीका लगवाने वाले भारतीय नागरिकों समेत सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए आठ नवंबर से सारी पाबंदियां हटा लेगा, लेकिन यात्रियों को विमान में सवार होने से पहले कोरोना वायरस से संक्रमित न पाए जाने का सबूत दिखाना होगा। व्हाइट हाउस ने यह घोषणा की है। सोमवार को जारी ताजा यात्रा दिशा निर्देशों में जांच के बारे में नए प्रोटोकॉल भी शामिल हैं। सुरक्षा मजबूत करने के लिए टीका न लगवाने वाले यात्री चाहे अमेरिकी नागरिक, कानूनी स्थायी निवासी (एलपीआर) हों या बिना टीका लगवाने वाले विदेशी नागरिकों की छोटी-सी संख्या वाले लोग हों, उन्हें प्रस्थान करने के एक दिन के भीतर जांच करानी होगी। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों को बताया, ''इस नयी अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा व्यवस्था के तहत विदेशी नागरिकों को अमेरिका आने के लिए पूरी तरह टीका लगवाने की आवश्यकता है। नयी व्यवस्था में जांच की आवश्यकता होना, संपर्क में आए लोगों का पता लगाने की प्रणाली मजबूत होने के साथ ही मास्क लगाना भी शामिल है। देश में अमेरिकियों और अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए विज्ञान और जन स्वास्थ्य पर आधारित सख्त सुरक्षा नियम हैं।'' अधिकारी ने बताया कि आठ नवंबर से गैर-नागरिक, गैर-आव्रजक हवाई यात्रियों को अमेरिका आने के लिए टीके की पूरी तरह खुराक लेनी होगी और अमेरिका आने वाले विमान में सवार होने से पहले कोविड-19 टीकाकरण का सबूत देना होगा।

चीन के 11 शहरों में तेजी से फैला कोरोना संक्रमण, सरकार ने की लॉकडाउन की घोषणा

नई दिल्ली। जिस देश से कोरोना वायरस संक्रमण की उत्पति हुई थी वहीं अब एक बार फिर से कोरोना का कहर बढ़ रहा है। हम बात कर रहे है चीन की जहां, कोरोना महामारी ने दुनिया के कई देशों में भी हाहाकार मचा कर रख दिया था। भारत में भी कोरोना महामारी से कई लोगों ने अपनों को खोया। हालांकि, इस समय कई देशों में कोरोना के मामले कम है लेकिन चीन में एक बार फिर से कोरोना के मामले तेजी आने के बाद तहलका मच गया है। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच चीन ने कई शहरों में लॉकडाउन लगाने की घोषणा कर दी हैं। बता दें कि, चीन की राजधानी बीजिंग में अब तक कोरोना के 12 मामले सामने आ गए है। वहीं, चीन के अन्य शहरों मे कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब चीन सरकार लोगों को घरों से निकलने में पांबदी लगा चुकी है। सरकार के मुताबिक, चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए नियमों में ढिलाई बर्दाशत नहीं किया जा सकता है। वहीं, चीन के इनर मंगोली में 150 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। अब तक कोरोना संक्रमण चीन के 11 शहरों में फैल चुका है।

कोरोना की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाए बिना घर से निकलने में रोक

सरकार ने कोरोना के नियमों को सख्त करते हुए चीन की राजधानी बीजिंग में लोगों को घर से बाहर निकलने और काम पर जाने के लिए नेगेटिव रिपोर्ट दिखाने के निर्देश दिए है। वहीं, अगर किसी की तबीयत खराब है तो उन्हें घर से निकलने की मनाही होगी। सरकार ने निर्देश लागू करते हुए कहा कि, अगर किसी ने भी इन नियमों को अनदेखा किया तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति रो तेइ-वू का 88 वर्ष के उम्र में निधन

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति रो तेइ-वू का निधन हो गया है। वह 88 वर्ष के थे। सियोल के एक अस्पताल ने यह जानकारी दी है। सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ने बताया कि रो का एक बीमारी के इलाज के दौरान मंगलवार को निधन हो गया। उसने और कोई जानकारी नहीं दी। रो ने 1979 के सैन्य तख्तापलट के समर्थन में सियोल में एक सैन्य संभाग का नेतृत्व किया था जिससे सेना में उनके मित्र चुन डू-ह्वान राष्ट्रपति बने। तख्तापलट और उसके बाद 1980 में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर सेना की कार्रवाई दक्षिण कोरिया के आधुनिक इतिहास के दो काले अध्याय हैं। इसके बाद 1987 में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन तेज होने पर रोह और चुन को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मंजूरी देनी पड़ी।

अफगानिस्तान में किस तरह जातीय और धार्मिक विभाजन अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अक्टूबर 2021 में मस्जिदों पर हुए हमलों में करीब सौ अफगान शिया मुसलमान मारे गए। ऐसा ही एक हमला 15 अक्टूबर को हुआ था, जब आत्मघाती हमलावरों के एक समूह ने कंधार में एक मस्जिद में विस्फोट किया था।इससे ठीक एक हफ्ते पहले, उत्तरी अफगानिस्तान में एक और आत्मघाती हमले में कम से कम 46 लोग मारे गए थे। इस्लामिक स्टेट समूह ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली। जातीयता और धर्म आज के अफगानिस्तान की राजनीति और संघर्षों को समझने की कुंजी हैं। अफगान मामलों पर मेरा शोध बता सकता है कि कैसे उन्होंने 1978 के बाद से अफगानिस्तान की राजनीति को प्रभावित करने वाली त्रुटियां पैदा कर दी हैं। अफगानिस्तान में सबसे बड़ा जातीय समूह सुन्नी मुस्लिम पश्तूनों का है जिसकी आबादी लगभग 45 प्रतिशत है और यह ज्यादातर देश के दक्षिण और पूर्व में केंद्रित हैं। पश्तून आबादी पाकिस्तान और अफगानिस्तान, डूरंड रेखा के बीच की सीमा से आधे में विभाजित है, और दोनों देशों में राज्य के अधिकार तथा आधिकारिक सीमाओं की वैधता को चुनौती देने का एक लंबा इतिहास है।

कुछ समय पहले तक, जब पाकिस्तान ने सीमा पर बाड़ लगाई तो पश्तून आदिवासियों और लड़ाकों ने इस तरह सीमा पार की जैसे कि उसका कोई अस्तित्व ही न हो। पश्तूनों को अक्सर उनकी भूमि, सम्मान, परंपराओं और विश्वास के लिए बेहद स्वतंत्र और सुरक्षात्मक होने के रूप में वर्णित किया जाता है। पश्तून सेनानियों ने पहली बार एक हमलावर महाशक्ति को तब हराया था, जब उन्होंने 1838 से 1942 तक चले प्रथम एंग्लो-अफगान युद्ध के रूप में जाने जाने वाली लड़ाई में अफगानिस्तान को उपनिवेश बनाने के लिए भेजी गई एक ब्रिटिश सेना को परास्त कर दिया था। पश्तून कबीलों और कुलों के युद्ध कौशल ने उन्हें अफगानिस्तान की राजनीति में बहुत प्रभावशाली बना दिया है। दो अल्पकालिक अपवादों को छोड़कर, 1929 में और 1992 और 1994 के बीच, केवल पश्तून नेताओं ने ही 1750 से अफगानिस्तान पर शासन किया है। अफगानिस्तान में दूसरा सबसे बड़ा जातीय समूह ताजिक हैं। यह एक ऐसा शब्द है जो जातीय ताजिकों के साथ-साथ अन्य सुन्नी मुस्लिम फारसी भाषियों को भी संदर्भित करता है। ताजिक, जो अफगान आबादी का लगभग 30 प्रतिशत हैं और ज्यादातर उत्तर पूर्व तथा पश्चिम में केंद्रित हैं, उन्हें आमतौर पर पश्तूनों ने अफगानिस्तान में जीवन के ताने-बाने के हिस्से के रूप में स्वीकार किया है, शायद सुन्नी इस्लाम के उनके सामान्य पालन के कारण।

तीसरा सबसे बड़ा सुन्नी मुस्लिम समूह उज़्बेक हैं और ये देश के उत्तर में निकट से संबंधित तुर्कमेन हैं, जिनकी लगभग 10 प्रतिशत आबादी है। हजारा - अफगान आबादी का लगभग 15 प्रतिशत हैं जो पारंपरिक रूप से अफगानिस्तान के केंद्र में ऊबड़-खाबड़ पर्वतीय इलाके में रहते हैं, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक रूप से पश्तून कबाइलियों से आश्रय मांगा था, जिन्होंने उनके इस्लाम के शिया संप्रदाय के पालन को अस्वीकार कर दिया था। हज़ारा ऐतिहासिक रूप से अफ़ग़ानिस्तान के सबसे गरीब और हाशिए पर रहे लोगों में शामिल रहे हैं। जब अप्रैल 1978 में अफगानिस्तान की कम्युनिस्ट पार्टी के एक गुट ने सत्ता संभाली, तो अधिकांश अफगानों ने शायद ही कोई प्रतिक्रिया दी, क्योंकि अफगान सरकार ने पारंपरिक रूप से बड़े शहरों के बाहर बहुत सीमित भूमिका निभाई थी। हालाँकि, जब कम्युनिस्टों ने अपने कार्यकर्ताओं को अफगान बच्चों को मार्क्सवादी हठधर्मिता सिखाने के लिए रूढ़िवादी गाँवों में भेजा, तो उन्होंने अचानक विद्रोह कर दिया। जब 1979 में सोवियत संघ ने आक्रमण किया, तो प्रतिरोध अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्सों में फैल गया। अपनी भूमि की रक्षा करने वाले, सभी जातीय समूहों के मुस्लिम योद्धा मुजाहिदीन लोगों ने सोवियत सेना का विरोध करने में भूमिका निभाई। बाद में, अब्दुल रशीद दोस्तम नामक एक कठोर उज़्बेक कम्युनिस्ट मिलिशिया नेता ने अधिकांश उज़्बेक मुजाहिदीन का सफाया कर दिया, और अधिकांश हज़ारा मुजाहिदीन दलों

ने शत्रुता को कम करने के लिए सोवियत संघ के साथ एक गुप्त समझौता किया।

हालाँकि, अधिकांश पश्तूनों और ताजिकों ने सोवियत संघ की वापसी और काबुल में सोवियत समर्थित शासन के पतन तक विरोध करना जारी रखा। सोवियत संघ ने अपने नियंत्रण वाले अफगानिस्तान के क्षेत्रों में अल्पसंख्यक हितों और लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया, जिसका नतीजा बड़े शहरों के सांस्कृतिक रूप से विकसित होने के रूप में निकला। इससे शहर का जीवन अनेक ग्रामीण अफगानों के लिए अपरिचित रूप से विदेशी बन गया। फरवरी 1989 में सोवियत लाल सेना की वापसी के बाद मुजाहिदीन पार्टियों को अमेरिकी सहायता बंद हो गई, जिसने मुजाहिदीन के फील्ड कमांडरों को बदल दिया, जिनकी पार्टी के नेताओं के प्रति वफादारी सैन्य रूप से स्वतंत्र स्थानीय नेताओं में वित्तीय और सैन्य संसाधनों को वितरित करने की उनकी क्षमता पर आधारित थी। इसी तरह, अप्रैल 1992 में इसके पतन के बाद शासन की मिलिशिया और इकाइयाँ भी स्वतंत्र हो गईं। अफगानिस्तान, विशेष रूप से पश्तून क्षेत्र, खंडित हो गए, सैकड़ों स्थानीय नेताओं और सरदारों ने क्षेत्र, नशीली दवाओं के उत्पादन, तस्करी के मार्गों और आबादी कर लगाने के लिए लड़ाई लड़ी। जबकि कई स्थानीय नेताओं ने अपने परिजनों और रिश्तेदारों के कल्याण की परवाह की, कुछ ऐसे सरदार थे जिन्होंने साथी अफगानों के साथ दुर्व्यवहार किया।

ईरान में हुआ साइबर हमला, पूरे देश का पेट्रोल पंप हुआ ठप

दुबई। (एजेंसी)।

पूरे ईरान के ईंधन बिक्री केंद्र (पेट्रोल पंप) पर मंगलवार को उस समय काम ठप हो गया, जब ईंधन सब्सिडी की प्रणाली को नियंत्रित करने वाले सॉफ्टवेयर में खराबी आ गई और बिक्री रोकनी पड़ी। ईरान की अर्द्धसरकारी समाचार एजेंसी ने इसे साइबर हमला करार दिया है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें तेहरान के ईंधन बिक्री केंद्रों पर कारों को अपनी बारी के लिए कतार में खड़े हुए देखा जा सकता है। सरकारी टीवी ने हालांकि, इसकी वजह नहीं बताई है लेकिन कहा कि तेल मंत्रालय के अधिकारी '' तकनीकी समस्या का समाधान निकालने के लिए आपात बैठक कर रहे हैं।'' अर्द्ध सरकारी समाचार एजेंसी ने घटना को साइबर हमला करार देते हुए कहा कि उसने देखा कि जो लोग सरकार द्वारा जारी कार्ड से ईंधन खरीदने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें 'साइबर हमला 64411' का संदेश मिल रहा है।

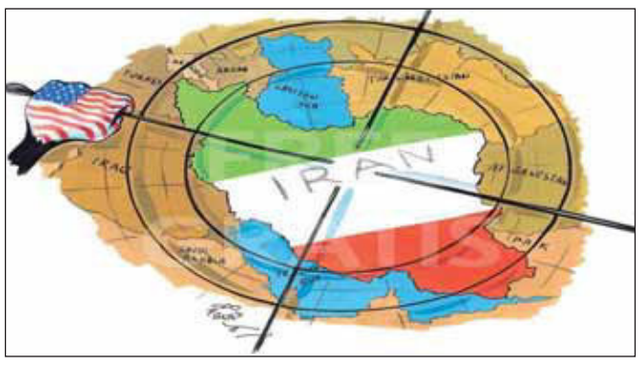

उल्लेखनीय है कि ईरान की अधिकतर जनता अपने वाहनों में ईंधन भरवाने के लिए सब्सिडी पर आश्रित है, खासतौर पर देश की खराब होती अर्थव्यवस्था की वजह से। आईएसएनए ने यह नहीं बताया कि संदेश में दिख रहा नंबर किससे जुड़ा है।हालांकि, यह नंबर ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामनेई के कार्यालय के हॉटलाइन से संबंधित है, जिसके जरिये वह इस्लामिक कानूनों के सवालों का जवाब देते हैं। बाद में आईएसएनए ने इस खबर को हटा दिया। इस घटना की अबतक किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, ''64411''संख्या जुलाई में ईरान की रेल रोड प्रणाली पर हुए हमले को प्रतिबिंबित करती है। उस समय भी यह संख्या दिखाई दी थी।बाद में इजराइली साइबर सुरक्षा कंपनी चेक प्वाइंट ने बताया था कि ईरान की रेल प्रणाली पर हैकरों के एक समूह ने हमला किया था, जो स्वयं को हिंदू देवता के नाम पर 'इंद्र' कहते हैं। इससे पहले 'इंद्र' नाम के इस समूह ने सीरिया की कंपनियों को भी निशाना बनाया था, जहां ईरान के हस्तक्षेप से राष्ट्रपति पद पर बशर असद बने हुए हैं।

इस्लाम से सनातन की ओर इंडोनेशिया, पूर्व राष्ट्रपति की बेटी अपनाने जा रही हैं हिंदू धर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला मुल्क इंडोनेशिया है। इंडोनेशिया में हिन्दू आबादी दो फीसदी से भी कम है। फिर भी वहां की हर चीज पर हिन्दू संस्कृति की छाप दिखती है। इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति सुकर्णो का नाम भी महाभारत से प्रेरित है। लेकिन अब इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति की बेटी आज इस्लाम धर्म छोड़ने वाली हैं। बाली में सुकर्णो हेरीटेज एरिया में हिन्दू धर्म अपनाएंगी। सुकमावती हिन्दू धर्म की सभी परंपराओं से पूरी तरफ वाकिफ हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दादी से प्रभावित होकर सुकमावती हिन्दू धर्म अपनाएंगी। सुकमावती ने खुद कहा कि उन्हें हिन्दू धर्म की काफी जानकारी है।

ईशनिंदा के आरोप लगे थे

2018 में कट्टरपंथी इस्लामिक समूहों ने उनके खिलाफ ईशनिंदा की शिकायत दर्ज कराई थी। सुकमावती के खिलाफ एक कविता शेयर किए जाने के बाद ये शिकायत दर्ज कराई गई थी। कट्टरपंथियों ने इस्लाम का अपमान किए जाने का आरोप लगाया। इसके बाद सुकमावती को माफी भी मांगनी पड़ी लेकिन विवाद ने फिर भी उनका पीछा नहीं छोड़ा। कट्टरपंथी अकसर उन्हें निशाना बनाते रहे।

कौन हैं सुकमावती

सुकमावती अभी 70 साल की हैं और सुकर्णो की तीसरी बेटी हैं। उनसे छोटी पूर्व राष?ट्रपति मेगावती सुकर्णोपुत्री हैं। वह इंडोनेशिया नैशनल पार्टी की संस?थापक भी हैं। उन?होंने कांजेंग गुस?ती पानगेरान अदिपति आर्या से शादी की थी लेकिन वर्ष 1984 में उनका तलाक हो गया था।

परमाणु बम बनाने की ओर बढ़ रहा ईरान?
इजरायल एयरफोर्स ने अटैक की शुरू की तैयारी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

साल की शुरुआत में ही इजरायल डिफेंस फोर्स के चीफ ने तैयारियों के लिए अरबों डॉलर का फंड अलॉट किया। साल 2015 के अमेरिका से ईरान के परमाणु समझौते में वापसी के संकेतों के बाद से ही इजरायल अलर्ट हो गया था। बाइडेन एडमिनिट्रेशन एक बार फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते में जुड़ना चाहता है। इजरायल एयरफोर्स जल्द ही ईरान के न्यूक्लियर सेंटर पर अटैक की तैयारी शुरू करेगा। इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने ईरान के एटम बम के हमले के मद्देनजर ये तैयारियां शुरू की हैं।

इजरायल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार साल 2015 में अमेरिका और अन्य देशों के साथ जेसीपीओए पर हस्ताक्षर के बाद इज़रायल ने ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर सैन्य हमले के मुद्दे को बैक बर्नर पर रखा। लेकिन 2018 में अमेरिका की ट्रंप सरकार द्वारा इस डील से हाथ पीछे खींच लिए गए। लेकिन ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन और रूस इस समझौते को बचाने में लगे रहे।

ईरान ने क्रास की रेड लाइन

पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण में इज़रायली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने ईरान के परमाणु हथियार प्रोग्राम को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों को तोड़कर इसने 'रेड लाइन' का उल्लंघन किया है। लेकिन इजरायल तेहरान को परमाणु बम हासिल करने की मंजूरी नहीं देगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए अपने पहले भाषण में बेनेट ने दावा किया कि इस्लामिक रिपब्लिक ने हाल के सालों में अपनी परमाणु क्षमता और हथियार-ग्रेड यूरेनियम को समृद्ध करने की क्षमता में एक बड़ी छलांग लगाई है।

इमरान खान, शी चिनफिंग ने अफगानिस्तान में मानवीय, आर्थिक सहायता भेजने की अपील की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को पहली बार संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि तालिबान शासित अफगानिस्तान को तुरंत मानवीय एवं आर्थिक सहयोग मुहैया कराएं, जहां सर्दियों से पहले आवश्यक सामान की काफी किल्लत है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री खान की राष्ट्रपति शी के साथ टेलीफोन पर हुई वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की।

इसने कहा, ''दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि अफगानिस्तान के लोगों को तुरंत मानवीय एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएं ताकि उनकी दिक्कतें दूर हो सकें, अस्थायित्व रूके और देश के पुनर्निर्माण में मदद मिले।'' कतर में एक उच्चस्तरीय बैठक में तालिबान के प्रतिनिधियों के

साथ चीन के विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात के एक दिन बाद दोनों नेताओं ने फोन पर बात की। चीन ने सितंबर में 3.1 करोड़ डॉलर की मदद दी थी, जिसमें युद्धग्रस्त राष्ट्र को खाद्य पदार्थों एवं स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति शामिल है। इसी तरह पाकिस्तान ने पड़ोसी देश को खाद्य तेल और दवाएं भेजी थीं।

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने की शी चिनफिंग से फोन पर बात, जानिए क्या हुई बात

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग मंगलवार को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती देने पर सहमत हुए, जिनमें आर्थिक बाधा को दूर करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते के दूसरे चरण द्वारा पेश की गई संभावनाओं को मूर्त रूप देना भी शामिल है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा यहां जारी बयान में बताया गया कि प्रधानमंत्री खान और राष्ट्रपति चिनफिंग के बीच फोन पर हुई बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग की समीक्षा की। बयान के मुताबिक, इस दौरान खान ने चीन के कोविड-19 पर सफलतापूर्वक काबू पाने के अलावा पाकिस्तान के साथ टीका सहयोग समेत विकासशील देशों को राहत पहुंचाने के लिये उसकी प्रशंसा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, '' कोविड-19 की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़े नकारात्मक असर को देखते हुए दोनों नेता द्विपक्षीय आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने पर सहमत हुए, जिनमें चीन-पाकिस्तान मुक्त व्यापार समझौते के दूसरे चरण द्वारा पेश की गई संभावना को पूर्ण रूप से मूर्त रूप देना शामिल है, ताकि आर्थिक बाधाओं से निकला जा सके।''

बयान के मुताबिक, बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने समय से और उच्च गुणवत्तापूर्ण तरीके से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना (सीपीईसी) को लागू करने की प्रशंसा की और सीईपीसी विशेष आर्थिक क्षेत्र में चीनी निवेश का स्वागत किया। उन्होंने जोर दिया कि यथाशीघ्र एमएल-1 रेल परियोजना को लागू करने से पाकिस्तान के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विकास का भू आर्थिक दृष्टिकोण मजबूत होगा। गौरतलब है कि महत्वकांक्षी सीईपीसी परियोजना की शुरुआत वर्ष 2015 में चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग की पाकिस्तान यात्रा के दौरान शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य पश्चिमी चीन को दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान स्थित समुद्री बंदरगाह को सड़क और रेल मार्ग से जोड़ना और अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास करना है। इमरान खान ने वार्ता के दौरान जलवायु परिवर्तन रोकने में चीन के नेतृत्व की भूमिका को स्वीकार किया और चिनफिंग को इस संबंध में पाकिस्तान द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। बयान के मुताबिक, फोन पर हुई दोनों नेताओं के बीच बातचीत के दौरान अफगानिस्तान पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने विश्व समुदाय से अफगानिस्तान को तत्काल मानवीय और आर्थिक सहायता देने का आह्वान करते हुए युद्धग्रस्त देश के पुनर्निमाण कार्य से जुड़े रहने पर जोर दिया।

संक्षिप्त खबर

त्योहारों पर भीड़ नियंत्रण को लेकर हाईकोर्ट सख्त, दिल्ली सरकार से कहा- जुर्माना लगाने की बजाए सुनिश्चित करें नियमों का पालन

नई दिल्ली,(एजेंसी)।दिवाली व अन्य त्योहारों के मद्देनजर उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली सरकार और पुलिस को बजारों में हो रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बनाए गए नियमों को सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने कहा है कि कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन होने पर जुर्माना लगाने के बजाए सरकार और पुलिस को नियमों की अनदेखी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल व न्यायमूर्ति ज्योति सिहं की पीठ ने कहा कि नियमों की अनदेखी से कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर में तेजी आएगी, ऐसे में किसी भी कीमत पर नियमों की उल्लंघन की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने कहा कि यदि कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन जारी रहा है तो हम एक फिर से बड़ी मुसीबत में पड़ जाएंगे। साथ ही कहा कि हमने दूसरी लहर में लापरवाही की भारी कीमत चुकाई है, अब आगे सतर्क रहने की जरूरत है।

पीठ ने कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर स्वत- संज्ञान लेकर शुरू किए गए मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। पीठ ने कहा कि उम्मीद करते हैं कि केंद्र व दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस कोरोना संक्रमण से बचाय के लिए तैयार दिशा-निर्देशों, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), कोरोना उचित व्यवहार और बाजारों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए त्योहारी सीजन में नियमों का सख्ती से ईमानदारी से पालन करेंगे। पीठ ने सभी पक्षकारों का नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने के लिए कहा है। मामले की अगली सुनवाई 30 नवंबर को होगी। उच्च न्यायालय ने इसके साथ ही इस मामले का निपटारा करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि मामले में सुनवाई जारी रख रहे है ताकि यह देखा जा सके कि अधिकारी स्थिति को कैसे नियंत्रित कर रहे हैं। दिल्ली सरकार की ओर से अधिवक्ता ने पीठ को बताया कि उन्होंने कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघ किए जाने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। सरकार ने कहा कि उन बाजारों को भी बंद कर दिया है जहां नियमों की अनदेखी हो रही थी।

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी की लिफ्ट में करीब एक घंटे तक फंसे रहे 2 बच्चे, घबराए माता-पिता की अटकीं सांसें

ग्रेटर नोएडा,(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर से सटे ग्रेटर नोएडा के साया जिओन सोसायटी में बीते रविवार देर रात एक लिफ्ट बीच में अटक गई. इस दौरान लिफ्ट में दो बच्चे फंस गए. पुलिस के मुताबिक बच्चे लगभग 40 मिनट तक लिफ्ट में ही फंसे हुए थे. घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिवार वाले और सोसाइटी के लोग वहां पहुंच गए. बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी काफी ज्यादा सहमे हुए थे. वहीं, इस मामले की शिकायत पुलिस से भी की गई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है. दरअसल, खबरों के अनुसार ग्रेटर नोएडा वेस्ट की साया जिओन सोसायटी में पवन कालरा अपने परिवार के साथ 10वें फ्लोर पर रहते हैं. उन्होंने बताया कि रविवार को उनका (13) बेटा और (9) बेटी क्लब हाउस में खेलने के लिए गए थे. इस दौरान बारिश आने के बाद बच्चों को घर आने के लिए कहा था. क्लब हाउस से लिफ्ट के जरिये बच्चों को घर आने तक 2 मिनट लगते है.

इसी बीच लाइट भी चली गई. काफी देर तक बच्चों के न आने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी. उन्होंने बताया कि लाइट जाने पर लिफ्ट में बच्चों के फंसे होने का अंदेशा हुआ था. जिसके चलते बच्चों की लिफ्ट के पास एक-एक फ्लोर पर तलाश शुरू कर दी गई. उन्होंने बताया कि लिफ्ट में मोबाइल नेटवर्क की भी समस्या रहती है. वहीं, मोबाइल फोन पर बार-बार कॉल करने पर बच्चों का फोन भी नहीं मिल रहा था. बता दें कि सोसाइटी और परिजनों ने कहा कि हमारा परिवार दसवें फ्लोर पर रहता है. जब बच्चें ऊपर नहीं आए तो हम सभी नीचे तक लिफ्ट देखते हुए गए. लेकिन, बच्चे बीचे में कही भी दिखाई नहीं दिए. परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि घटना के समय लाइट जाने के बाद भी डीजी सेट नहीं चालू हुआ था. साथ ही लिफ्ट खोलने के लिए प्रबंधन की तरफ से कोई भी आगे नहीं आया और गार्ड व प्रबंधन से चाबी लेने के लिए मदद मांगी तो उनके पास लिफ्ट की चाबी भी नहीं थी. फिलहाल सोसाइटी को लोगों की मदद से लिफ्ट के अंदर डंडे डालकर थोड़ा गैप बनाया गया ताकि बच्चों को बाहर की हवा मिल सके. पुलिस अधिकारी के मुताबिक सूचना मिलने पर बिसरख कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. बिजली आने के बाद लिफ्ट शुरू हुई तब जाकर बच्चों को निकाला गया. उधर, इस दौरान परिजनों की सांसें अटकी रही. ये सिलसिला 40 मिनट तक चला. वहीं, इस घटना के बाद से दोनों बच्चे डरे हुए हैं.

रंजीत नगर दुष्कर्म : 72 घंटे से लगातार दर्द से चीख रही है 6 साल की मासूम, डॉक्टरों ने कहा- सदमे से उबरने में लग सकता है समय

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रंजीत नगर दुष्कर्म पीड़िता दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती है. पीड़िता की सेहत में धीरे-धीरे सुधार आ रहा है, लेकिन पिछले 72 घंटे बाद भी वो मानसिक परेशानी से उबर नहीं सकी है. डॉक्टरों का कहना है कि अभी यह बता पाना मुश्किल है कि पीड़िता कब सामान्य हो सकेगी. मासूम के दिमाग पर वारदात का बहुत गहरा असर पड़ा है. इसमें लंबा समय लग सकता है. जानकारी के अनुसार शुक्रवार को रंजीत नगर इलाके में 6 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया था. अभी पीड़िता राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती है. दुष्कर्म की शिकार बच्ची की सेहत में धीर-धीरे सुधार हो रहा है लेकिन वो मानसिक रूप से उबर नहीं पा रही है. पीड़िता अभी सदमे में है. जानकारी के अनुसार पीड़िता लगार चीख रही है. मासूम अपने दर्द को शब्दों में बयां नहीं कर पा रही है. वार्ड में भर्ती मरीज, डॉक्टर, नर्स पैरामेडिकल स्टाफ सभी बच्ची के लिए इंसाफ की मांग कर रहे हैं.

बच्ची के दिल-दिमाग पर हावी है वारदात- पीड़िता के ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने कहा कि बच्ची के दिल-दिमाग पर घटना हावी है. उसे ठीक होने में लंबा समय लग सकता है. उन्होंने बताया कि जब भी मैं ऐसे मामले देखता हूं तो गुस्सा और दुख दोनों ही रहता है. उस बच्ची का जीवन अभी शुरू भी नहीं हुआ है और उसे ऐसे दर्द का सामना करना पड़ रहा है, जिसका अंत कब हो पाएगा, इसका जवाब हमारे पास नहीं है. हम चाहकर भी उसे सामान्य जिंदगी नहीं दे सकते. जब तक वो या उसका परिवार संभल नहीं जाता.

सरेआम दी जाए फांसी- पास ही के वार्ड में अपने पति का इलाज करा रही महिला ने बताया कि शनिवार और रविवार दो दिन से वो लगातार बच्ची की चीखें सुन रहीं हैं. पहले उन्हें पता नहीं था लेकिन नर्स से पता चला तो चीख सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए. महिला ने आगे कहा कि मुझे नहीं पता की ये किसने किया. लेकिन जिसने भी किया है उसे सरेआम फांसी होनी चाहिए.

पुरानी सीमापुरी में तीन मंजिला इमारत में लगी आग, चार की मौत

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

दिल्ली के ओल्ड सीमापुरी इलाके में मंगलवार सुबह एक मकान में आग लगने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और बेटी-बेटा शामिल हैं। एक साथ चार मौतों से हंसता-खेलता पूरा परिवार एक पल में उजड़ गया। हालांकि, हादसे में परिवार का एक बेटा सकुशल बच गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना तब हुई जब ये लोग सो रहे थे।

मृतकों की पहचान होरीलाल (59), उसकी पत्नी रीना (55), बेटा आशु (24) और बेटी रोहिणी (18) के रूप में हुई है। परिवार के सदस्य मकान की तीसरी मंजिल पर सो रहे थे, जबकि उनका 22 वर्षीय बेटा अक्षय बाल-बाल बच गया क्योंकि वह दूसरी मंजिल पर सो रहा था। पुलिस ने सभी चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

डीसीपी (शाहदरा) आर. सत्यसुंदरम ने बताया कि हमारी पुलिस टीम और दमकल कर्मी तुरंत घटनास्थल पहुंचे और आग पर काबू पाया। हादसे में चार लोगों की मौत की खबर मिलते ही क्राइम टीम, फॉरेंसिक साइंस लैब के अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने बताया कि आग मकान की तीसरी मंजिल में लगी और फिर फैल गई होगी। उम्मीद है कि परिवार के इन सदस्यों की मौत फेफड़ों में धुआं भर जाने के कारण हुई होगी, लेकिन केवल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ही मौत की असली वजह का पता चल पाएगा।

होरीलाल की मार्च 2022 में थी रिटायरमेंट- पुलिस ने बताया कि परिवार में बचा एकमात्र सदस्य अक्षय सफियाबाद में मजदूरी करता है। वह काम के बाद देर रात करीब दो बजे घर आया था। वह खाना लेने तीसरी मंजिल पर गया और बाद में दूसरी मंजिल पर आकर सो गया। वह बच गया क्योंकि आग तीसरी मंजिल से आगे नहीं फैली। उन्होंने बताया कि होरीलाल शास्त्री भवन, दिल्ली में सहायक के तौर पर काम करता है और उसे मार्च 2022 में रिटायर होना था। उसकी पत्नी नगर निगम में सफाईकर्मी के तौर पर काम करती थी। उसकी बेटी एक सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ती थी, जबकि बेटा बेरोजगार था।

25 वर्ग गज के क्षेत्र में बना है मकान

दिल्ली फायर सर्विस के डायरेक्टर अतुल गर्ग ने बताया कि आग लगने के बारे में मंगलवार सुबह करीब चार बजे सूचना मिली और दमकल की चार गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि मकान की तीसरी मंजिल पर बने एक कमरे में रखे सामान में आग लग गई थी, जिसके बाद चार लोगों की मौत हो गई। ये लोग घटनास्थल पर ही मृत पाए गए। करीब 25 वर्ग गज के क्षेत्र में बने इस मकान में ग्राउंड फ्लोर समेत तीन मंजिल हैं।

डीसीपी ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल भेजा गया है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 436 (मकान को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ का इस्तेमाल करना) और 304 ए (लापरवाही से मौत) के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली में बारिश ने तोड़ा 121 सालों का रिकार्ड! 1901 के बाद इस साल हुई सबसे ज्यादा बारिश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में इस साल अभी तक 1,502.8 मिमी बारिश हो चुकी है. जोकि एक साल में दिल्ली में होने वाली बारिश का एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया है. वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक राजधानी में साल 1933 में 1,420.3 मिमी बारिश रिकार्ड दर्ज हुई थी, जोकि 1901-2021 के दौरान एक साल में हुई सबसे अधिक ज्यादा बारिश थी. वहीं, राजधानी में 1933, 1964 और 1975 के बाद 121 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ है कि जब दिल्ली में 1,200 मिमी से ज्यादा बारिश रिकार्ड दर्ज हुई है.

दरअसल, सफदरजंग मौसम केंद्र के अनुसार जिसे दिल्ली में बीते सोमवार शाम तक 1,502.8 मिमी बारिश रिकार्ड दर्ज की है. वहीं, मौसम विभाग के अधिकारी ने कहा कि साल 1901 के बाद से राजधानी में यह दूसरी सबसे ज्यादा बारिश है जब से IMD ने ऑकड़े जुटाने शुरू किया था.

वहीं, पिछले साल दिल्ली में 773.2 मिमी बारिश रिकार्ड दर्ज की गई थी. ऐसे में स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा कि यह सिर्फ एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ की बात है. इस बात की बहुत ज्यादा संभावना है कि दिल्ली में इस साल सालाना बारिश का एक नया रिकॉर्ड देखने को मिलेगा. आम तौर पर सर्दियों के मौसम में हर महीने 3 से 4 पश्चिमी विक्षोभ दर्ज किए जाते हैं, जिससे पहाड़ी क्षेत्र में बर्फबारी होती है और उत्तरी मैदानी इलाकों में बारिश होती है.

राजधानी में बारिश ने तोड़ा सालों का रिकार्ड- बता दें कि आमतौर पर दिल्ली में मॉनसून के मौसम में 653.6 मिमी बारिश रिकार्ड दर्ज की जाती है. जहां पिछले साल राजधानी में 576.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी. वहीं, दिल्ली में साल 1975 में 1,155.6 मिमी, 1964 में 1,190.9 मिमी बारिश दर्ज हुई थी, जबकि 1933 में अब तक की रिकॉर्ड 1,420.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी. जहां बीते 2 दशकों में ऐसा तीसरी बार था कि जब दिल्ली में मॉनसून की बारिश ने 1,000 मिमी के निशान को पार किया था. वहीं, साल 2010 के मॉनसून सीजन में दिल्ली में 1,031.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी, जबकि साल 2003 में राजधानी में 1,050 मिमी बारिश हुई थी.

सितंबर में दर्ज हुई 413.3 मिमी बारिश- गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली में सितंबर के महीने में 413.3 मिमी बारिश दर्ज की गई. वही, सितंबर 1944 में दर्ज 417.3 मिमी बारिश के बाद सबसे अधिक और 121 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा बारिश हुई.

इस साल सितंबर की बारिश पिछले साल की तुलना में काफी विपरीत रही है, जबकि शहर में सामान्य तौर पर 129.8 मिमी के मुकाबले महीने में 20.9 मिमी बारिश हुई थी. वहीं, मई के महीने में सामान्य 19.7 मिमी के मुकाबले 144.8 मिमी अच्छी प्री-मॉनसून बारिश हुई. अक्टूबर में भी शहर में अब तक 122.5 मिमी बारिश हुई है. मौसम विभाग के मुताबिक आमतौर पर इस महीने में औसतन केवल 28 मिमी बारिश दर्ज की जाती है.

दिल्ली में छठ व्रतियों के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया टीकाकरण का शुभारंभ

नई दिल्ली । केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कादीपुर वार्ड के इम्ब्राहिमपुर में छठ व्रतियों के लिए कोरोनो रोधी टीकाकरण शिविर का उद्घाटन किया। उनके साथ सांसद मनोज तिवारी भी हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सांसद मनोज तिवारी के आग्रह पर यहां पहुंचे हैं। पिछली बार यहां यहां आया था तो वादा किया था कि विकास के कार्यो को करेंगे। मैं दोबारा आऊंगा।

मनोज तिवारी ने कहा कि यहां पर छठ व्रती को बिना आधार कार्ड के भी टीका लगेगा। मनोज तिवारी ने छठ महापर्व में शामिल होने वाले सभी लोगों से कोरोना का टीका लगवाने की भी अपील की। जिससे छठ पर्व को पूरी सुरक्षा के साथ मनाया जा सके। उन्होंने भाजपा के सभी पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं से आवहान किया कि छठ पूजा को लेकर घाटों की सफाई शुरू कर दें ताकि छठ व्रतियों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जब सब कुछ तैयार कर देंगे तब दिल्ली की क्रेडिट खोर सरकार खुद के नाम का स्टांप लगाने की भी कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता कई स्थानों पर टीकाकरण का भी इंतजाम करेंगे ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस अपील को पूर्ण रूप दिया जा सके कि त्योहार जरूर मनाएं लेकिन कोरोना से सुरक्षा के साथ।

इसी के तहत दिल्ली आइटस फाउंडेशन के चेयरमैन दीपक सौंधी दस हज़ार टीके उपलब्ध करायेंगे। प्रेसवार्ता में प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्वांचल मोर्चा मनीष सिंह, भाजपा नेता नीलकांत बख्शी, निगम पार्षद उर्मिला राणा, कल्पना झा, रेखा सिन्हा, अनिल त्यागी और केएन बलोंदी उपस्थित थे।

दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों को 11 माह हुए पूरे, राकेश टिकैत ने फिर दोहराई अपनी मांग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों को खत्म किए जाने को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के धरना प्रदर्शन को आज 11 माह पूरे हो चुके हैं। इस आंदोलन के दौरान कई किसानों की मौत भी हुई। किसान नेताओं की ओर से इन मृतकों को शहीदों का नाम दिया गया है।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने इस मौके पर कहा कि ऐसे ही शहीद किसानों के दम पर आज किसान सीमाओं पर मजबूती से डटे हुए हैं। वो कई बार किसानों को आंदोलन को तेज करने की अपील भी कर चुके हैं। अपने इंटरनेट मीडिया एकाउंट ट्विटर पर ट्वीट करते हुए लिखा कि आज दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों को 11 माह पूरे हो चुके है। आंदोलन के शहीदों को नमन करता हूं। इन शहीदों के दम पर ही आज किसान सीमाओ पर मजबूती से डटे है।

उसके बाद उन्होंने एक और ट्वीट किया इसमें फिर लिखा कि काले कृषि कानूनों की वापसी और स्स्क पर जब-तक गारंटी कानून नहीं बनाएं जाते तब तक आंदोलन जारी रहेगा।, राकेश टिकैत कृषि कानूनों को खत्म किए जाने तक आंदोलन जारी रखने की बात पहले भी कई बार कह चुके हैं, अब 11 माह पूरे होने पर उन्होंने अपनी इस बात को फिर से दोहराया। इससे पहले भी वो कई बार इस बात को कह चुके हैं कि जब तक केंद्र सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस नहीं ले लेती है तब तक वो घर वापस नहीं जाएंगे। आंदोलन स्थल पर जुटे किसान भी तब तक अपनी घर वापसी नहीं करेंगे।

भारतीय किसान यूनियन की ओर से आज 26 जनवरी के लिए अपने ट्विटर हैंडल से ये भी ऐलान किया गया था कि वो सभी जिला मुख्यालयों पर लखीमपुर खीरी मामले में आरोपित गृहराज्यमंत्री अजय टेनी की गिरफ्तारी को लेकर आंदोलन किया जाएगा। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं से आंदोलन के लिए तैयारी करने को भी कहा गया था। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से किसानों की मांग को देखते हुए उनसे कई दौर की बातचीत की जा चुकी है मगर अब तक उसका सर्वमान्य हल नहीं निकल सका है। किसान नेता अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं।

दिल्ली के कल्याणपुरी में किराए पर कमरा लेने के बहाने बदमाशों ने लूटे गहने, मामला दर्ज

नई दिल्ली । कल्याणपुरी इलाके में किराये पर कमरा लेने के बहाने दो बदमाश एक घर में घुस गए। बदमाशों ने छात्र को घर में अकेला पाकर उसे बंधक बना लिया। जानकारी के अनुसार दीक्षा अपने परिवार के साथ खिचड़ीपुर में रहती हैं। 23 अक्टूबर की शाम को वह घर में अकेली थी। उसी दौरान दो युवक घर पर आए और छात्र से उन्हें किराये पर कमरा चाहिए। छात्र ने उन्हें बताया कि अभी उनके माता-पिता घर पर नहीं है, वाट्सएप काल के जरिये छात्र ने एक युवक की बात अपने पिता से करवाई। उसके बाद आरोपितों ने छात्र से पिता का नंबर एक पर्चे पर लिखकर देने के लिए कहा। छात्र के कमरे मे जाते ही पीछे से दोनों बदमाश कमरे में आ गए, एक बदमाश ने अपने हाथ से छात्र का मुंह दबा दिया। जबकि दूसरा बदमाश घर की तलाशी लेने लगा, बदमाश ने अलमारी का ताला तोड़ा और उसमें से गहने निकाल लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश गहने लेकर फरार हो गए। वहीं एक अन्य मामले में भजनपुरा इलाके में पुलिस ने स्मैक के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें से दो महिलाएं हैं।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान फरदीन और मोहसीन के रूप में हुई है। चारों आरोपित वेलकम के जनता कालोनी के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से 108 पैकेट स्मैक, 48 एविल इंजेक्शन और 61,500 रुपये बरामद किए हैं।

जिला पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन ने बताया कि भजनपुरा के एसीपी ए वेंकटेश वेलकम थाना पुलिस के साथ वेलकम क्षेत्र में गश्त कर रहे थे, तभी टीम ने देखा कुछ लोग घोषित बदमाश जमशेद के घर के पास स्मैक बेच रहे हैं, उसमें महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस को जांच में पता चला कि गिरफ्तार की गई एक महिला पर पहले से दो केस दर्ज हैं।

दिल्ली में ग्रेप लागू, पर सड़कों की मैकेनिकल स्वीपिंग की नहीं हो सकी शुरुआत

नई दिल्ली । बीते कुछ दिनों में प्रदूषण का स्तर एकाएक बढ़ा है, हालांकि बीच में बारिश के बाद लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली पर बीते दो दिनों से सड़कों पर जमी धूल-मिट्टी ने लोगों का सांस लेना भी दुभर कर दिया है। विशेषकर मुख्य सड़कों पर धूल की मोटी परत नजर आती है। इसमें नजफगढ़ रोड, गुरुग्राम-डाबड़ी रोड, पालम, नांगलोई रोड, नजफगढ़ फिरनी रोड, रोशनपुरा, दुर्गाविहार, द्वारका मोड़, पंखा रोड, मायापुरी कुछ ऐसे इलाके हैं, जहां हवा के साथ उड़ती धूल-मिट्टी ने लोगों को अभी से परेशान करना शुरू कर दिया है।

आंखों में जलन व गले में खरास की समस्या लेकर मरीज अस्पतालों का रुख कर रहे हैं। हालात तब ऐसे है, जब दिल्ली व एनसीआर में ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) लागू है। जिसके अनुसार सड़कों की मैकेनिकल स्वीपिंग व पानी का छिड़काव सुनिश्चित होना चाहिए, पर अफसोस की बात है क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर मैकेनिकल स्वीपिंग अभी तक शुरू नहीं हुई है। सड़कों की हालत देखकर ये साफ अनुमान लगाया जा सकता है कि काफी समय से सड़कों की सुध नहीं ली गई है।

नजफगढ़ रोड के किनारे पर धूल की मोटी परत जमी हुई है और वाहनों के गुजरने से वहां से काफी धूल उड़ती है जो राहगीरों को परेशान करती है। न सिर्फ सड़क किनारे जमी मोटी धूल बल्कि सेंट्रल वर्ज पर भी हरियाली का नामोनिशान नहीं है, हालांकि पीडब्ल्यूडी की ओर से यहां टाइल बिछाने का कार्य प्रगति पर है पर द्वारका मोड़ से नवादा के बीच सेंट्रल वर्ज की हालत काफी खस्ता है। यहां जमी धूल भी लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है।

राहगीरों के साथ सड़क किनारे खाने-पीने से जुड़ी कई दुकानें हैं, हवा के साथ उड़ने वाली धूल खाद्य पदार्थों को भी खराब करती है। कुछ यही स्थिति द्वारका मोड़ से द्वारका सेक्टर-तीन की तरफ जाने वाली सड़क पर नजर आती है। द्वारका के प्रवेश द्वार पर ही धूल का अंबार है। वहीं, नांगलोई रोड एयरपोर्ट को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क है, पर सड़क इतनी जर्जर है कि उस पर मेकेनिकल स्वीपिंग संभव ही नहीं है। आलम यह है कि लोग यहां से गुजरते हुए धूल फांकने के साथ-साथ हिचकोले खाने को मजबूर हैं।

नजफगढ़ निवासी संजीव कुमार ने कहा कि एक शेड्यूल होना चाहिए कि कितने दिनों के अंतराल पर सड़क की मैकेनिकल स्वीपिंग होगी। इससे काम में पारदर्शिता आएगी और दूसरा यदि कोई आमजन शिकायत करना भी चाहे तो उसे पता होगा कि आखिरी बार सड़क की मैकेनिकल स्वीपिंग कब हुई थी।

उत्तम नगर निवासी राकेश ने कहा कि जब भी सरकारी एजेंसियों के समक्ष मेकेनिकल स्वीपिंग कराने की बात रखी जाती है, वे ये कहकर बात टाल देते हैं कि हाल ही में स्वीपिंग कराई गई है। जरूरत के अनुरूप मैकेनिकल स्वीपिंग की मशीनों की संख्या को बढ़ाने की दिशा में एजेंसियों का ध्यान नहीं है।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के स्थायी समिति अध्यक्ष कर्नल बीके ओबेराय ने कहा कि निगम के पास कुल 24 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनें हैं और प्रत्येक मशीन हर दिन करीब 25 किलोमीटर की दूरी की सफाई सुनिश्चित करती है। हर सप्ताह मैकेनिकल स्वीपिंग का शेड्यूल तय होता है और स्थानीय जनप्रतिनिधि मैकेनिकल स्वीपिंग के कार्य का मुआयना करते है।

द्वारका में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़! 1 शातिर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में द्वारका इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है. इस एनकाउंटर में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने एनकाउंटर के बाद सुहेल खान नाम के बदमाश को पकड़ा है. ये एनकाउंटर डाबड़ी इलाके में हुआ है. पुलिस के मुताबिक आरोपी सुहेल को हत्या के मामले में पुलिस तलाश कर रही थी. उस पर करीब आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज है. पुलिस ने सुहेल को पकड़ने के लिए जाल बिछाया था. इस पर उसने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी. वहीं, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सुहेल के पैर में गोली लगी है. जिसके बाद वह जख्मी हो गया और धरा गया.

दरअसल, जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की टीम ने द्वारका के डाबरी इलाके में मुठभेड़ के बाद एक अपराधी सुहैल खान को गिरफ्तार किया गया है. उसके खिलाफ पिछले करीब छह मामले दर्ज हैं. पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर नवीन कुमार की टीम पर जब आरोपी बदमाश ने फायरिंग की. जिसके बाद पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी. इसके बाद वह जख्मी होकर वहीं गिर गया. पुलिस ने आरोपी सुहेल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है.

22 साल की युवती को चाकू से वारकर किया घायल- बता दें कि बीते दिनों पहले बिंदापुर इलाके में एक वारदात हुई थी, जहां एक 22 साल की लड़की डॉली की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. आधी रात को यह लड़की अपने माता-पिता को यह कहकर घर से निकली कि वह बर्थडे का केक काटने के लिए अपने दोस्तों से मिलने जा रही है. लेकिन आधी रात बाद करीब 12 बजे उसे चाकू मार दिया गया है और वह सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ी है.

उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसकी मृत घोषित कर दिया था. इस दौरान पुलिस ने बताया था कि लड़की को कई चोटें आई थीं और ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई थी. पुलिस के मुताबिक, हत्या में 3 लोग शामिल थे जिनमें हिमांशु गाबा, मनीष और हिमांशु हैं. पुलिस अधिकारी ने कहा कि अंकित की डॉली से दोस्ती थी लेकिन पिछले कुछ महीनों से वह उसे अनदेखा कर रही थी जिसके कारण वह परेशान था और उसे दोस्ती रखने के लिए मजबूर कर रहा था. हालांकि पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय पहले द्वारका में पुलिस टीम ने एनकाउंटर के बाद कुलदीप नाम के एक शार्प शूटर को गिरफ्तार किया था. वहीं, गिरफ्त में आए बदमाश का नाम राहुल उर्फ कुलदीप कसाना था. पुलिस के मुताबिक कुलदीप कसाना जितेंद्र गोगी गैंग के लिए काम करता था.

कुलदीप के खिलाफ कत्ल, अपहरण और लूट के कई मामले दर्ज थे. पुलिस को पक्की जानकारी मिली थी कि कुलदीप कसाना एक सफेद रंग की स्कूटी से बमरोली रोड की तरफ से होता हुआ द्वारका जाएगा. मुखबिर के जरिए पुलिस को यह भी पता लगा कि कुलदीप कसाना हर वक्त अपने पास अवैध पिस्तौल रखता है. इसलिए पुलिस ने पूरी तैयारी के साथ बमरोली रोड के आसपास ट्रैप लगा दिया. एनकाउंटर के बाद कुलदीप को अरेस्ट कर लिया गया.

15 साल की लड़की को अश्लील मैसेज भेज रहा था कालकाजी मंदिर का सेवादार, आरती के दौरान करता था गंदे इशारे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के कालकाजी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां कालकाजी मंदिर के 40 साल के एक सेवादार पर 15 साल की लड़की को अश्लील मैसेज भेजने का और मंदिर में आरती के दौरान गंदे इशारे करने का आरोप लगा है. पुलिस ने इस शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने बताया कि अमर कॉलोनी पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और 12 पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

पुलिस के मुताबिक 15 वर्षीय किशोरी ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह अपने पिता के साथ रोजाना कालकाजी मंदिर जाती थी और मंदिर में एक सेवादार अमित (40) उससे पूजा के दौरान मिला था. इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी और उसने बहाने से लड़की का नंबर ले लिया. इसके बाद आरोपी का व्यवहार बदल गया और वह अक्सर उसे घूरने लगा. लड़की ने कई बार उसकी इन हरकतों को नजरअंदाज कर दिया. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि इससे आरोपी का मनोबल और बढ़ता गया और उसने मंदिर में आरती के दौरान भी किशोरी को अश्लील इशारे किए और गंदे वॉट्सऐप मैसेज भी भेजने शुरू कर दिए.

परिवार को बताया तो माफ़ी मांगी लेकिन नहीं माना- पीड़िता ने जब उसके माता-पिता से पूरी बात बताई तो उन लोगों ने इसका विरोध किया. बात बढ़ती देख आरोपी ने माफी मांग ली, लेकिन कुछ दिन बाद वह फिर से उसे परेशान करने लगा और धमकी देने लगा. पुलिस ने बताया कि आरोपी ने लड़की की एक फोटो क्रॉप कर ली और उसे अपने वॉट्सऐप स्टेटस पर लगा दिया, जिसे सभी लोग देख सकते थे. पुलिस ने बताया कि वह सराय जुलेना का रहने वाला है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं.

रंजीत नगर रेप केस सुलझाया गया- उधर दिल्ली के रंजीत नगर इलाके में एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की पहचान रघुबीर नगर निवासी सूरज के रूप में हुई है, जो वह एक बर्तन विक्रेता है. उसे हरियाणा के रोहतक जिले के कलानौर से गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने कहा कि उसे पहले ख्याला थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को कथित रूप से परेशान करने के आरोप में पॉक्सो अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था.

डीसीपी (सेंट्रल) श्वेता चौहान ने कहा कि यह एक ब्लाइंड केस जैसा था, आरोपी न तो इलाके का रहने वाला था और ना ही वहां काम करता था. हमने आरोपी तक पहुंचने के लिए 7-8 टीमों का गठन किया और इलाके में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों से फुटेज की जांच की और उसकी एक तस्वीर हासिल की, लेकिन सिर्फ एक फोटो के आधार पर उसे ढूंढना मुश्किल था. इसके अलावा ऐसा कोई फोन नंबर, कोई वाहन आदि नहीं था जो हमारी मदद कर सके.

आरोपी किसी भी तरह से पीड़ित से संबंधित नहीं है. आरोपी की पहचान कर उसे पकड़ने के लिए मध्य जिले की कई पुलिस टीमों ने 36 घंटे तक अथक प्रयास किया. डीसीपी ने कहा कि जब आरोपी को यह पता चला कि पुलिस उसकी तलाश कर रही है, तो वह दिल्ली से भाग गया, लेकिन हमारी टीमों ने उसका पीछा किया और कलानौर से उसे गिरफ्तार कर लिया.

संपादकीय

गिरती साख पर बार-बार बट्टा

एक दलित को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाने के मास्टर स्ट्रोक के कुछ दिनों बाद ही कांग्रेस फिर समस्याओं व चुनौतियों से जूझती नजर आ रही है। इसका सबसे बड़ा कारण राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की राजनीतिक अनुभवहीनता और कुछ हटकर दिखाने की लालसा है। तिकड़म, जोड़-तोड़, राजनीतिक पैंतरेबाजी और चाणक्य नीति के अभाव से कांग्रेस कुछ दयनीय स्थिति में दिख रही है। राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष का पद ग्रहण किए बिना पार्टी में आमूल-चूल बदलाव लाकर 'नई कांग्रेस' बनाना चाह रहे हैं। 1969 या 1977 के विपरीत 2014 से अब तक की विषम परिस्थितियों में कांग्रेस में विद्रोह या विभाजन नहीं हुआ, न ही कांग्रेस के लोकसभा चुनाव की अपमानजनक हार का ठीकरा फोड़ा गया। फलस्वरूप अधिकांश कांग्रेस जन आत्मविश्वास खो चुके हैं और व्यक्तिगत संवाद में नरेंद्र मोदी से ज्यादा अपनी पार्टी के नेताओं को कांग्रेस की गिरती साख का जिम्मेदार मानते हैं। अंग्रेजी की कहावत 'हैप्पी टु बी अनहैप्पी' अधिकांश कांग्रेस जन की मनोदशा बयां करती है। यदि राहुल व प्रियंका गांधी 1979 में संजय गांधी द्वारा इंदिरा गांधी और कांग्रेस की वापसी के लिए किए गए प्रयासों का अध्ययन करें, तो उन्हें ज्ञात होगा कि केवल विपक्ष या दूसरी विचारधारा के लोगों को अपनी पार्टी में भर लेने से कोई समाधान हाथ नहीं लगता। संजय गांधी ने 1979 में राजनारायण और चरण सिंह को मोरारजी देसाई के विरुद्ध इस्तेमाल किया और जनता पार्टी को दो फाड़ करने में सफल हुए। इसी प्रकार, गुजरात नवनिर्माण आंदोलन के कुछ बड़े नेता संजय से मिले और कांग्रेस में शामिल होने का आग्रह किया। संजय ने बड़ी चतुराई से गुजरात नवनिर्माण आंदोलन के नेताओं से कांग्रेस से बाहर रहकर देसाई की जनता पार्टी का विरोध करने को कहा, जिससे उनकी राजनीतिक साख को बट्टा न लगे। कांग्रेस ने क्षत्रिय, हरिजन आदिवासी और मुस्लिमों का सामाजिक गठजोड़ बनाकर सत्ता में जोरदार वापसी की।

आज बाहर से आने वालों के प्रति राहुल गांधी का प्रेम और आकर्षण जगजाहिर है। विभिन्न राज्यों में पार्टी पदाधिकारियों की सूची पर सरसरी नजर डालें, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, अनुमुला रेवंत रेड्डी- तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, नवजोत सिद्धू- पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष, हार्दिक पटेल- गुजरात कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष, उदित राज- चेयरमैन, दलित प्रकोष्ठ ऑल इंडिया कांग्रेस पार्टी, जिग्नेश मेवानी, कन्हैया कुमार जैसे अनेक उदाहरण हैं, जब राहुल ने कांग्रेस के वफादार व निष्ठावान नेताओं को दरकिनार करते हुए बाहरी व्यक्तियों को सम्मान और पद से नवाजा है।

वर्तमान स्थिति में राहुल और प्रियंका के लिए पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ एक अग्नि परीक्षा के समान हैं, जिसमें उन्हें खरा उतरना है। सिद्धू यदि सही में कांग्रेस के लिए राजनीतिक पूंजी हैं, तो उनको विश्वास में लेकर चलना होगा। पंजाब मंत्रिमंडल के गठन में मुख्यमंत्री चन्नी को उन्हें विश्वास में लेना चाहिए था। यदि पार्टी पंजाब चुनाव में वास्तव में अमरिंदर सिंह से दूरी बनाना चाहती है, तो उनके सहयोगियों को राजनीतिक महत्व क्यों? अमरिंदर ने जिस तरह से अपनी ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को पाकिस्तान का एजेंट व राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा बताया था, तभी उनको 'कारण बताओ' नोटिस जारी करना चाहिए था। अनुशासन और मर्यादा का दायरा सब पर एक सामान लागू होना चाहिए। राजनीतिक मनमुटाव एक चीज है और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को बिना प्रमाण कोई तमगा देना बिल्कुल अलग बात है। दरअसल, अमरिंदर को लेकर अंतर्विरोध व ऊहापोह सोनिया गांधी व राहुल-प्रियंका की कार्यशैली के अंतर को दर्शाता है। कांग्रेस के लिए सोनिया का व्यक्तित्व राजनीति से अलग होना बड़ी जरूरत बन गई है, जिसकी चर्चा पार्टी के अंदर या बाहर न के बराबर है।

सोनिया गांधी की राजनीतिक शैली सबको साथ लेकर चलने और तालमेल बैठाने की है। ये प्रयास यूपीए दौर में बड़े मुफीद साबित हुए थे, लेकिन ये कांग्रेस की राह और राहुल-प्रियंका की आक्रामक शैली में यह पैबंद समान दिखता है। जी-23 असंतुष्टों का समूह भी इसी अंतर्द्वंद्व का लाभ उठा अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहा है। स्मरण रहे, इंदिरा गांधी जवाहरलाल नेहरू की बेटी होने के बावजूद राजनीतिक सोच और फैसलों में पिता से बिल्कुल भिन्न थीं। संजय और राजीव भी इंदिरा गांधी के बेटे होने के बावजूद अलग किस्म की राजनीति करते नजर आए। राजीव, संजय भाई होने के बावजूद बिल्कुल अलग व्यक्तित्व के राजनेता थे। इसी प्रकार, सोनिया गांधी के कामकाज का स्टाइल अपने पति से भिन्न रहा। यदि राहुल और प्रियंका गांधी की राजनीतिक सोच सोनिया से मेल नहीं खाती, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। राहुल गांधी को चाहिए था कि पंजाब के मामले में सिद्धू को निर्देश व सलाह देते कि राज्य में जो स्थिति उन्होंने बनाई है, उसका हल भी खुद ही निकालें। हर मुद्दे पर स्पष्टता से बोलने वाले सिद्धू को बताना होगा कि उन्होंने किन कारणों से पार्टी प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ा? अगर ऐसा नहीं होता है, तो यह स्पष्ट है कि वह पूर्ण रूप से महत्वाकांक्षा के साथ-साथ पूर्वाग्रहों, आत्ममुग्धता के शिकार हैं। पंजाब का भविष्य बनाने का जो दावा सिद्धू करना चाहते हैं, उसके लिए उन्हें भी सरदार भगत सिंह जैसे हौसले और हिम्मत से खुद को पारदर्शी बनाना चाहिए, वरना भाग्य विधाता बनने के ख्वाब से वह पंजाब को अराजकता के दौर में धकेल देंगे। इसी तरह, राजस्थान के राजनीतिक संकट का तुरंत समाधान होना चाहिए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लगातार शह-मात का खेल कांग्रेस को राज्य में कमजोर कर रहा है। यदि राहुल और प्रियंका गांधी ने सचिन पायलट को ठोस आश्वासन दिए थे, तो उन्हें तुरंत पूरा करना चाहिए और ऐसे प्रयास करने चाहिए कि कांग्रेस राज्य में 2023 में वापसी करे। कोई भी व्यक्ति संगठन से बड़ा नहीं है और यह संदेश साफ शब्दों में जाना चाहिए। पार्टी में संवादहीनता चरम पर है। अब जब कोविड-19 का प्रकोप कम होता लग रहा है, तब सोनिया गांधी को तुरंत ऑल इंडिया कांग्रेस समिति का अधिवेशन बुलाकर विचारधारा व नेतृत्व के मामले को पार्टी के समक्ष रखना चाहिए। इस कदम से कांग्रेस व नेहरू-गांधी परिवार और मजबूत, दृढ़ निश्चयी के साथ-साथ राजनीतिक लक्ष्यों के प्रति सजग व प्रेरित नजर अ

प्रवीण कुमार सिंह

नागरिक-सरकार जनभागीदारी की भावना से जुटें तो कुछ असंभव नहीं

यदि हम 130 करोड़ भारतीयों की भागीदारी से देश चलाएंगे तो देश हर पल 130 करोड़ कदम आगे बढ़ेगा। टीकाकरण ने एक बार फिर इस टीम इंडिया की ताकत दिखाई है। भारत की सफलता ने दुनिया को यह भी दिखाया कि लोकतंत्र हर उपलब्धि हासिल कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में मिली सफलता हमारे युवाओं, शोधकर्ताओं और सरकार के सभी स्तरों को सार्वजनिक सेवा वितरण के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी, जो न केवल हमारे देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक माडल होगा।

भारत ने टीकाकरण की शुरुआत के मात्र नौ महीनों बाद ही 21 अक्टूबर, 2021 को टीके की 100 करोड़ खुराक का लक्ष्य हासिल कर लिया। कोविड -19 से मुकाबले में यह यात्रा अद्भुत रही, विशेषकर जब हम याद करते हैं कि 2020 की शुरुआत में परिस्थितियां कैसी थीं। मानवता 100 साल बाद ऐसी वैश्विक महामारी का सामना कर रही थी। हम एक अज्ञात और अदृश्य दुश्मन का मुकाबला कर रहे थे, जो तेजी से अपना रूप भी बदल रहा था। चिंता से आश्वासन तक की यात्र पूरी हो चुकी है और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के फलस्वरूप हमारा देश और भी मजबूत होकर उभरा है। इसे वास्तव में एक भगीरथ प्रयास मानना चाहिए, जिसमें समाज के कई वर्ग शामिल हुए हैं। मान लें कि प्रत्येक टीकाकरण में केवल दो मिनट का समय लगता है। इस दर से इस उपलब्धि को हासिल करने में लगभग 41 लाख मानव दिवस या लगभग 11 हजार वर्ष लगे।

इस अभियान की सफलता के कारणों में से वैक्सीन तथा बाद की प्रक्रिया के प्रति लोगों का भरोसा था, जो अविश्वास और भय पैदा करने के विभिन्न प्रयासों के बावजूद कायम रहा। हम लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो दैनिक जरूरतों के लिए भी विदेशी ब्रांडों पर अधिक भरोसा करते हैं, लेकिन जब कोविड-19 वैक्सीन जैसी महत्वपूर्ण बात आई तो देशवासियों ने सर्वसम्मति से मेड इन इंडिया वैक्सीन पर पूरा भरोसा किया। यह एक महत्वपूर्ण मौलिक बदलाव है।

भारत का टीकाकरण अभियान इसका एक उदाहरण है कि अगर यहां के नागरिक और सरकार जनभागीदारी की भावना से लैस होकर साझा लक्ष्य के लिए मिलकर साथ आएं, तो देश क्या कुछ हासिल कर सकता है। जब भारत ने टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया तो

130 करोड़ भारतीयों की क्षमताओं पर संदेह करने वाले कई लोग थे। कुछ ने कहा कि भारत को इसमें तीन-चार साल लगेंगे। कुछ ने कहा कि लोग टीकाकरण के लिए आगे ही नहीं आएंगे। वहीं कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने कहा कि टीकाकरण प्रक्रिया घोर कुप्रबंधन और अराजकता की शिकार होगी। कुछ ने तो यहां तक कहा कि भारत सप्लाई चेन व्यवस्थित नहीं कर पाएगा, लेकिन जनता कर्फ्यू और लाकडाउन की तरह लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर उन्हें भरोसेमंद साथी बनाया जाए तो परिणाम कितने शानदार हो सकते हैं।

जब हर कोई जिम्मेदारी उठा ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। हमारे स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को टीका लगाने के लिए कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में पहाड़ियों और नदियों को पार किया। हमारे युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों, सामाजिक एवं धार्मिक नेताओं को इसका श्रेय जाता है कि टीका लेने के मामले में भारत को विकसित देशों की तुलना में बेहद कम हिचकिचाहट का सामना करना पड़ा। अलग-अलग हितों से संबद्ध विभिन्न समूहों की ओर से टीकाकरण की प्रक्रिया में उन्हें प्राथमिकता देने का काफी दबाव था, लेकिन सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि अन्य योजनाओं की तरह टीकाकरण में भी कोई वीआइपी संस्कृति नहीं होगी। 2020 की शुरुआत में जब दुनिया भर में कोविड-19 तेजी से फैल रहा था तो हमारे सामने यह स्पष्ट था कि इस महामारी से अंततः टीकों की मदद से ही लड़ना होगा। हमने विशेषज्ञ समूहों का गठन कर अप्रैल 2020 से ही एक रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया और उस पर आगे बढ़े।

आज तक केवल कुछ चुनिंदा देशों ने ही अपने स्वयं के टीके विकसित किए हैं। 180 से भी अधिक देश टीकों के लिए जिन उत्पादकों पर निर्भर हैं, वे सीमित संख्या में हैं। जहां एक ओर भारत ने सौ करोड़ खुराक का जादुई आंकड़ा सफलतापूर्वक पार कर लिया है, वहीं दर्जनों देश अब भी अपने यहां टीकों की आपूर्ति की बड़ी बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। कल्पना कीजिए कि यदि भारत के पास अपना टीका नहीं होता तो क्या होता? भारत अपनी इतनी विशाल आबादी के लिए पर्याप्त संख्या में टीके कैसे हासिल करता और इसमें आखिरकार कितने साल लग जाते? इसका श्रेय भारतीय विज्ञानियों और उद्यमियों को दिया जाना चाहिए। उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत की बदौलत ही भारत टीकों के मोर्चे पर वास्तव में आत्मनिर्भर बन गया है।एक ऐसे राष्ट्र में जहां सरकारों को देश की प्रगति में बाधक माना जाता था, हमारी सरकार तेजी से देश की प्रगति सुनिश्चित करने में सदैव मददगार रही। 'संपूर्ण सरकार' के हमारे दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप सभी मंत्रालय वैक्सीन निर्माताओं की किसी भी तरह की अड़चन को दूर करने के लिए एकजुट हो गए।

भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में सिर्फ उत्पादन करना ही काफी नहीं है। इसके लिए निर्बाध लाजिस्टिक्स पर भी फोकस होना चाहिए। पुणो या हैदराबाद स्थित संयंत्र से निकली शीशी को राज्य के हब में भेजा जाता है, जहां से इसे जिला हब तक पहुंचाया जाता है। वहां से इसे टीकाकरण केंद्र पहुंचाया जाता है। इसमें विमानों और रेलों के जरिये कई यात्रएं भी करनी होती हैं। टीकों को सुरक्षित रखने के लिए इस दौरान तापमान को एक खास रेंज में बनाए रखना होता है। इसके लिए एक लाख से भी अधिक कोल्ड-चेन उपकरणों का उपयोग किया गया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह एक अभूतपूर्व प्रयास रहा। इन प्रयासों को कोविन के मजबूत तकनीकी मंच से जबरदस्त मदद मिली। इसने यह सुनिश्चित किया कि टीकाकरण अभियान न्यायसंगत, मापनीय, ट्रैक करने योग्य और पारदर्शी बना रहे। इसने यह भी सुनिश्चित किया कि एक गरीब मजदूर अपने गांव में पहली खुराक ले सकता है और दूसरी खुराक तय समय पर उस शहर में ले सकता है, जहां वह काम करता है। पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए रियल-टाइम डैशबोर्ड के अलावा, क्यूआर-कोड वाले प्रमाणपत्रों ने सत्यापन को सुनिश्चित किया। ऐसे प्रयासों का न केवल भारत में, बल्कि दुनिया में भी शायद ही कोई उदाहरण मिले।

वर्ष 2015 में स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में मैंने कहा था कि हमारा देश 'टीम इंडिया' की वजह से आगे बढ़ रहा है और यह टीम इंडिया हमारे 130 करोड़ लोगों की एक बड़ी टीम है। जनभागीदारी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। यदि हम 130 करोड़ भारतीयों की भागीदारी से देश चलाएंगे तो देश हर पल 130 करोड़ कदम आगे बढ़ेगा। टीकाकरण ने एक बार फिर इस टीम इंडिया की ताकत दिखाई है। भारत की सफलता ने दुनिया को यह भी दिखाया कि लोकतंत्र हर उपलब्धि हासिल कर सकता है।

मुझे उम्मीद है कि दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में मिली सफलता हमारे युवाओं, शोधकर्ताओं और सरकार के सभी स्तरों को सार्वजनिक सेवा वितरण के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी, जो न केवल हमारे देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक माडल होगा।

कोयला संकट ने भविष्य को लेकर किया सचेत, आने वाले वर्षों में तेजी से बढ़ेगी मांग; खोजना होगा विकल्प

पिछले दिनों से देश में कोयले की कमी के चलते कई राज्यों में बिजली उत्पादन और उसकी आपूर्ति प्रभावित हुई। अब हालात सामान्य हो रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि अगर कोयले के भंडार खत्म हो जाएं तब हमारा यह आधुनिक जीवन कैसे चलेगा? करोड़ों वर्षों की भूगर्भीय प्रक्रिया से आज के कोयले के भंडार निर्मित हुए हैं। अब तक का आकलन बताता है कि भारत के पास केवल 106 वर्षों के लिए ही संरक्षित कोयला शेष बचा है। यानी यह तय है कि एक समय बाद कोयला खत्म होने जा रहा है। अमेरिकी एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में चीन के बाद दुनिया की सर्वाधिक कोयला खपत होती है, जो कि एक अरब टन है। जबकि उत्पादन के मामले में हम अमेरिका, रूस, आस्ट्रेलिया और चीन के बाद आते हैं। सवाल यह है कि क्या कोयले पर बिजली की निर्भरता के विकल्प पर दुनिया में कोई नया तंत्र विकसित हो रहा है या नहीं? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को लेकर वैश्विक पहल की है। 2015 में भारत ने सौ देशों का एक सौर गठबंधन बनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य एक ओर सौर ऊर्जा के हिसाब से धनी (जिन देशों में अधिक धूप रहती है) 102 देशों को एक मंच पर लाना और अंतरराष्ट्रीय सौर बाजार को आगे बढ़ाना तो दूसरी तरफ भारत में भी सौर ऊर्जा के उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करना है। इस गठबंधन के तहत भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 450 गीगावाट बिजली उत्पादन करना है। इसमें से 100 गीगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य हासिल हो चुका है।

आज भारत की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता में करीब 36 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा (सौर, पवन, जल) की हिस्सेदारी है। बीते सात वर्षों में यह ढाई गुना बढ़ी है। इसमें सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी तो 13 गुना तक बढ़ी है। सरकार का दावा है कि 2030 तक भारत में अक्षय ऊर्जा की भागीदारी 40 प्रतिशत और 2035 तक 60 फीसद होगी। भारत में औसतन 300 दिन सूरज प्रखरता के साथ प्रकाशमान रहता है। एक मेगावाट सौर बिजली उत्पादन के लिए तीन हेक्टेयर समतल भूमि चाहिए। ऐसे में भारत के पास इस क्षेत्र में विपुल संभावनाएं हैं। मोदी सरकार ने इस शाश्वत ऊर्जा भंडार को देश की ऊर्जा जरूरतों से जोड़कर, जो लक्ष्य तय किए हैं वे सुनियोजित रणनीति और इच्छाशक्ति से हासिल किए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री इसे श्योर, प्योर और सिक्योर कहते हैं, क्योंकि सूरज से उत्पन्न ऊर्जा पूरी तरह स्वच्छ होने के साथ ही सुरक्षित भी है। इस त्रिसूत्रीय फामरूले पर काफी काम हुआ भी है। 2016 में प्रति यूनिट पवन ऊर्जा की लागत 4.18 रुपये थी, जो 2019 में 2.43 रुपये हो गई। वहीं प्रति यूनिट सौर ऊर्जा की लागत 4.43 रुपये से 2.24 रुपये पर आ गई। इसी तरह 2013 में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन 34,000 मेगावाट था, जो आज 89,636 मेगावाट हो गया है। पूरी दुनिया में अक्षय ऊर्जा उत्पादक देशों में भारत अब तीसरे स्थान पर है। हालांकि पिछले दो वर्षो से इसके विकास की गति कम हो रही है। 2018 में सौर ऊर्जा के उत्पादन में 9,400 मेगावाट की वृद्धि हुई थी। 2019 में यह घटकर 6500 मेगावाट और 2020 में 5700 मेगावाट हो गई। हाल में कोरोना संकट ने भी इस लक्ष्य को कठिन बनाया है।

बुनियादी सवाल यह है कि प्रधानमंत्री मोदी जिस वैकल्पिक ऊर्जा पर भारत को खड़ा करना चाहते हैं, वह वाकई उतना आसान है क्या? लक्ष्य के अनुरूप सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए जरूरी निवेश और तकनीकी अभी भी एक कठिन चुनौती है। एक मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन पर अभी 4.5 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसलिए 2030 तक लक्ष्य के अनुरूप 26 हजार मेगावाट उत्पादन का अर्थ है 1.19 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक निवेश। हालांकि, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई नीतिगत कदम भी उठाए हैं, लेकिन उनके वांछित नतीजों का अभी इंतजार ही है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक उपकरण भारत में नहीं बन पा रहे हैं। 2020 में ही 2.5 अरब डालर मूल्य के उपकरण हमने आयात किए हैं। चीन पर उपकरणों की निर्भरता अभी भी हमारे लक्ष्य का डरावना पक्ष है। दूसरी तरफ मेगा सोलर प्रोजेक्ट्स पर ही सरकार का जोर देना उचित नहीं है। सरकार को चाहिए कि रूफ टाप तकनीक से बिजली उत्पादन को भी अपनी समानांतर प्राथमिकता में रखे। एक घर की छत पर दो किलोवाट का सोलर पैनल प्रतिदिन 10 यूनिट बिजली बनाता है। इस मामले में सब्सिडी की 40 हजार रुपये की सीमा को भी और बढ़ाया जाना चाहिए। यह अमल में लाया जाए तो सस्ती और वैकल्पिक बिजली का सपना पूरा हो सकता है।

मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी यानी एमआइटी की एक रपट बताती है कि 2050 तक दुनिया में ऊर्जा की मांग तीन गुना बढ़ जाएगी। भारत जैसे विकासशील देश में यह मांग इतनी तेजी से बढ़ेगी कि इसे मौजूदा तंत्र के माध्यम से पूरा किया जाना असंभव हो जाएगा। अभी हमारी बिजली का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कोयला आधारित तापीय संयंत्रों से आता है। इसमें 29 फीसद की भागीदारी नवीकरणीय ऊर्जा, दो फीसद परमाणु ऊर्जा और एक फीसद गैस आधारित ऊर्जा की हिस्सेदारी है। कोयले से बनने वाली बिजली सौर से 14 फीसद सस्ती होती है, लेकिन उच्च गुणवत्ता का अधिकांश कोयला हमें अभी भी आयात करना होता है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा खासकर सौर ऊर्जा के साथ परमाणु बिजली के लिए भी नीतिगत उपाय करे।

चीन के खिलाफ तैयारी

चीन की ओर से तात्कालिक और दीर्घकालिक चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय सेना अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में संरचनागत निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ा रही है। दरअसल, पिछले साल जून महीने में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच विभिन्न स्तरों पर बातचीत लगातार चल रही है, कुछ बिंदुओं पर सहमति भी बनी, लेकिन इसके बावजूद दोनों पक्षों में तनाव कम नहीं हो पा रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति बहाल करने को लेकर भी दोनों देशों के बीच विवाद अभी बने हुए हैं। इसी वजह से दोनों पक्षों के बीच अविश्वास भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर को हुई सैन्य स्तर की 13वें दौर की बातचीत तो गतिरोध टूटने की कोई संभावना दिखाए बगैर ही समाप्त हुई।

इसी बीच चीन ने उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अरुणाचल यात्रा पर ऐतराज जताकर यह संकेत भी दे दिया कि पूर्वी लद्दाख स्थित सीमाओं के साथ ही वह अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों पर विवाद खड़ाकर किसी भी समय इसे व्यापक रूप दे सकता है और अपनी सुविधा के हिसाब से जब जहां चाहे तनावपूर्ण हालात बना सकता है।

ऐसे में स्वाभाविक ही है कि भारतीय सेना अपने तईं पूरी सावधानी बरतते हुए चल रही है। जहां पूर्वी लद्दाख क्षेत्रों में करीब 50 हजार सैनिकों की तैनाती बरकरार रखी गई है, वहीं अरुणाचल प्रदेश की चीन से लगती सीमा पर निरंतर चौकसी के इंतजाम रखते हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के काम को भी जोर-शोर से आगे बढ़ाया जा रहा है।

ध्यान रहे कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम से लगी करीब 1350 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर नजर बनाए रखना अपने आप में खासा चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल सैन्य तैनाती में खास इजाफा किए बगैर तकनीकी क्षमता बढ़ाते हुए इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा है और इसमें यह स्थिति हासिल कर ली गई है कि दुश्मन किसी भी सूरत में हमें चौंका न पाए। जहां तक इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात है तो इसमें रातोंरात कोई बड़ा बदलाव तो नहीं हो सकता, लेकिन बिना किसी शोर-शराबे के उस मोर्चे पर भी काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति बहाल करने को लेकर भी दोनों देशों के बीच विवाद अभी बने हुए हैं। इसी वजह से दोनों पक्षों के बीच अविश्वास भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर को हुई सैन्य स्तर की 13वें दौर की बातचीत तो गतिरोध टूटने की कोई संभावना दिखाए बगैर ही समाप्त हुई।

हिंदी को लेकर भावुक ना हों क्योंकि बिना अंग्रेजी के आगे बढ़ना अब आसान नहीं है

देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने पिछले दिनों न्याय व्यवस्था में इंग्लिश के इस्तेमाल को लेकर आम आदमी के प्रति फिक्र जताई थी. जस्टिस रमना ने कहा था कि 'ग्रामीण इलाकों से अपने पारिवारिक झगड़ों को लेकर कोर्ट पहुंचे पक्षकारों के लिए अदालत एक अजनबी दुनिया होती है क्योंकि आम तौर पर अंग्रेज़ी में की जाने वाली बहस उनके लिए विदेशी होती है.' उन्होंने हैरानी जताई थी कि 'हमारी अदालतों की कार्य प्रणाली मूल रूप से औपनिवेशिक है, जोकि भारत की ज़रूरतों से मेल नहीं खाती है'. ध्यान देने की बात ये है कि जस्टिस रमना और फली नरीमन की बातें आपस में विरोधाभासी नहीं हैं. जस्टिस रमना आम आदमी के लिए अदालती कार्यवाही को सुलभ बनाने की बात कह रहे हैं.

हमारे देश में नब्बे की उम्र पार कर चुके कुछ लोग कमाल के हैं. इन्हीं में से एक हैं सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट फली सैम नरीमन. इनके नाम में जो सैम जुड़ा हुआ है, उसे आम तौर संक्षेप में 'एस' बोला जाता है (यानी फली एस नरीमन). दरअसल सैम फली के पिता का नाम है. सैम एक ऐतिहासिक किरदार है जो कि प्राचीन फारस का एक नायक था. फिरदौसी के शाहनामा में भी इसका जिक्र है. इस किताब के मुताबिक सैम के पिता का नाम नरीमन था. जबकि रूस्तम इसी सैम का पौत्र था. वही रूस्तम जिसका बेटा था सोहराब. रूस्तम और सोहराब पर ब्रिटिश कवि मैथ्यू ऑरनॉल्ड ने 1850 के दशक में एक खंड काव्य लिखा. इसके करीब 100 साल बाद भारत में रूस्तम-सोहराब नाम से फिल्म भी बनी. खैर, पद्म विभूषण से सम्मानित फली एस नरीमन की वरिष्ठता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि वो 1972 में भारत सरकार के एडीशनल सॉलिसिटर जनरल बन गए थे. इमरजेंसी की घोषणा हुई तो इसके विरोध में उन्होंने 26 जून 1975 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. आज ये सारी बातें इसलिए क्योंकि पिछले दिनों फली ने एक कार्यक्रम में शानदार भाषण दिया. भाषण यूं तो युवा वकीलों के लिए था. लेकिन करीब घंटे भर की स्पीच में ऐसी कई बातें सामने आईं जो किसी भी पेशे या उम्र के लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं. खास तौर पर उन लोगों के लिए जो अंग्रेजी को 'विस्थापित' करके हिंदी को स्थापित करना चाहते हैं.

फली एस नरीमन ने युवा वकीलों से कहा कि 'खुद को स्थापित करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ जरूरी है. ऐसा किसी को अंग्रेज बनाने के

लिए नहीं है. बल्कि पेशे में कामयाबी के लिए है. ये भी याद रखना चाहिए कि अंग्रेजी अब विदेशी भाषा नहीं है. ये भारत की एक आधिकारिक भाषा है. इसलिए हमें अंग्रेजी में पढ़कर अपनी जानकारी और प्रवीणता को दुरुस्त करना चाहिए'. इसके पीछे फली का एक तर्क ये भी है कि भारतीय कानून का उद्गम अंग्रेजी भाषा है. जो लोग वकालत के पेशे में नहीं हैं, वो इस बात को ऐसे समझ सकते हैं कि दुनिया भर का ज्ञान-विज्ञान जिस भाषा में आज इंटरनेट पर सबसे ज्यादा सुलभ है, वो भाषा अंग्रेजी ही है. हाल ही में सिविल सर्विसेज 2020 के फाइनल नतीजे आए. यूपीएससी ने अभी इससे जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट नहीं जारी की है. लेकिन, कोचिंग संस्थानों से जो आंकड़े मिल रहे हैं, उनके आधार पर अंदाजा लगाया जा रहा है कि मेरिट लिस्ट में शामिल डेढ़ प्रतिशत (यानी सिर्फ 11) उम्मीदवारों ने ही हिंदी माध्यम से परीक्षा दी थी. ये एक अलग विषय हो सकता है कि क्या भारतीय भाषाओं के अभ्यर्थियों के साथ भेदभाव हो रहा है?

लेकिन, एक सच तो स्वीकार करना ही पड़ेगा कि सफलता के लिए अंग्रेजी अनिवार्य सी हो गई है. ये तब हो रहा है जबकि इंजीनियरिंग जैसी तकनीकी शिक्षा भी क्षेत्रीय भाषाओं में शुरू हो रही है. इसकी वकालत करने वाले चीन का उदाहरण देते हैं, लेकिन ये भूल जाते हैं कि चीन जैसे देश ने तकनीकी शिक्षा के लिए अनुवाद का काम बड़े पैमाने पर किया है. ध्यान देने की बात ये भी है कि अंग्रेजी हमारे देश के उन बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होने में मदद करती है, जो इंजीनियरिंग, मेडिकल पढ़ते हैं या फिर वैज्ञानिक बनते हैं. इसी साल जून में आंध्र प्रदेश की सरकार ने फैसला लिया कि राज्य के सभी सरकारी और निजी संस्थानों में डिग्री की पढ़ाई अनिवार्य रूप से अंग्रेजी माध्यम में होगी. तर्क ये है कि तेलुगू में पढ़कर छात्र अंग्रेजी मीडियम वालों से मुकाबला नहीं कर पाएंगे.

फली एस नरीमन ने अपनी आत्मकथा ॠद्धद्वशह्द्ध ञ्चद्धद्ग स्द्गद्वशह्4 स्नड्डस्रद्गह्य (इससे पहले कि मैं भूलने लगूं) में दिनशा फरदुनजी मुल्ला का प्रेरक वर्णन किया है. 1868 में जन्में दिनशा मुल्ला अंग्रेजों के राज में भारत के जाने-माने न्यायविद हुए. कहानी कुछ यूं है कि दिनशा मुल्ला ने अंग्रेजी साहित्य में बीए करने के बाद कवि बनने की ठान ली. उस समय ठीक-ठाक घरों के लड़के वकालत की पढ़ाई करते थे. सो पारसी कारोबारी परिवार के दिनशा मुल्ला को भी वकील बनने की सलाह दी गई. लेकिन दिनशा असमंजस में थे. उन्होंने ब्रिटिश कवि अल्फ्रेड टेनिसन को एक चिट्ठी लिख कर सलाह मांगी कि क्या करना चाहिए. दिनशा ने साथ में अपनी कुछ कविताएं भी भेज दी. अल्फ्रेड टेनिसन का उस दौर में बड़ा शोर था. वो ब्रिटेन के राजकवि थे. दिनशा को उम्मीद नहीं थी कि टेनिसन का जवाब आएगा. लेकिन जवाब आया. टेनिसन ने लिखा- 'प्रिय श्री मुल्ला, मैंने आपकी सारी कविताओं को बड़े ध्यान से पढ़ा. मुझे लगता है कि आपके लिए कानून की पढ़ाई बेहतर रहेगी.' फली अपनी किताब में इस घटना का वर्णन करते हुए लिखते हैं कि 'कल्पना कीजिए यदि टेनिसन ने दिनशा मुल्ला को खुश करने के लिए ये लिख दिया होता कि उन्हें कविता लिखनी चाहिए तो भारत एक महान न्यायविद को खो बैठता.' दिनशा मुल्ला ने बाद में Principles of Mahomedan Law और Principles of Hindu Law जैसी महत्वपूर्ण संदर्भ पुस्तकें लिखीं. इसी साल फरवरी में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने दिनशा मुल्ला की किताब को आधार मानते हुए एक केस में फैसला दिया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की को अपनी मर्जी से निकाह की इजाजत देता है.

फली एस नरीमन ये उदाहरण इसलिए दिया है कि वो करियर के चुनाव में प्रैक्टिकल होना जरूरी समझते हैं. फिर बात चाहे पढ़ाई का माध्यम तय करने की हो या फिर कोर्स. खुद फली के पिता भी चाहते थे कि उनका बेटा सिविल सर्विस में जाए. लेकिन उस दौर में ढ्ढष्टस्९ की परीक्षा के लिए इंग्लैंड जाना होता था. फली ने लिखा है 'मैं जानता था कि मेरे पिता लंदन जाने का खर्च वहन नहीं कर पाएंगे. उस समय एक द्वितीय श्रेणी के आर्ट्स पढ़ने वाले विद्यार्थी के लिए ज्यादा विकल्प नहीं थे. खास तौर पर ऐसे छात्र के लिए जो गणित और विज्ञान से परिचित ना हो. ऐसे छात्रों का अंतिम सहारा कानून की पढ़ाई पढ़ना था.'

देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने पिछले दिनों न्याय व्यवस्था में इंग्लिश के इस्तेमाल को लेकर आम आदमी के प्रति फिक्र जताई थी. जस्टिस रमना ने कहा था कि 'ग्रामीण इलाकों से अपने पारिवारिक झगड़ों को लेकर कोर्ट पहुंचे पक्षकारों के लिए अदालत एक अजनबी दुनिया होती है क्योंकि आम तौर पर अंग्रेज़ी में की जाने वाली बहस उनके लिए विदेशी होती है.' उन्होंने हैरानी जताई थी कि 'हमारी अदालतों की कार्य प्रणाली मूल रूप से औपनिवेशिक है, जोकि भारत की ज़रूरतों से मेल नहीं खाती है'. ध्यान देने की बात ये है कि जस्टिस रमना और फली नरीमन की बातें आपस में विरोधाभासी नहीं हैं. जस्टिस रमना आम आदमी के लिए अदालती कार्यवाही को सुलभ बनाने की बात कह रहे हैं. फली नरीमन अंग्रेजी को अपनाकर दक्षता बढ़ाने की बात कह रहे हैं. भारत जैसे देश के लिए दोनों ही बातें जरूरी हैं. ऊपर हमने 19वीं सदी के जिस ब्रिटिश कवि मैथ्यू ऑरनॉल्ड का जिक्र किया. उनकी कविता एब्सेंस की एक पंक्ति है- 'हम इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि ऐसा करना ज़रूरी है, इसलिए नहीं कि एक दिन हम भूल जाएंगे'. फली की आत्मकथा Before The Memory Fades के शुरुआती पन्ने पर यही पंक्ति लिखी हुई है. तो इससे पहले की हम इतिहास के जरूरी सबक भूल जाएं, आइए संशोधन की ओर बढ़ें.

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

बिहार आने के बाद अपने अंदाज में दिखने लगे लालू, महंगाई पर बोले- करुआ तेल के बिना कैसे बने तरकारी

पटना, एजेंसी। लालू प्रसाद यादव लंबे समय के बाद बिहार पहुंचे हैं। उनके आने के साथ राष्ट्रीय जनता दल के हौसले बढ़ गए हैं तो लालू भी अपने पुराने अंदाज में आते दिख रहे हैं। पटना आने के पहले बिहा कांग्रेस प्रभारी को भकचोन्हर (बेवकूफ) बता विवादों में आए लालू ने एक बार फिर बिहार कांग्रेस के नेताओं को छुटभैया बताया है। उन्होंने महंगाई को लेकर फिर बड़ा बयान दिया है। लालू ने अपने ठेठ अंदाज में कहा है कि घी से महंगा डीजल हो गया है तो दो सौ रुपये पार कर चुके करुआ तेल (सरसों तेल) में लोग तरकारी (सब्जी) कैसे बनाएं आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि पेट्रोल-डीजल व खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रहीं हैं। घी से महंगा डीजल है तो करुआ तेल की खुदरा कीमत दो सौ रुपये से अधिक हो गई है। ऐसे में लोग तरकारी कैसे बनाएंगे

महंगाई ने बिगाड़ा है रसोई घर का बजट-लालू प्रसाद यादव ने कहा कि हर सामान की कीमत में आग लग गई है। डीजल व पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि का असर महंगाई पर पड़ा है। डीजल महंगी होने के कारण ट्रक से माल ढुलाई में खर्च अधिक हो रहा है, जो अंततः महंगाई बढ़ा रहा है। इस महंगाई से आम लोग प्रभावित हैं। ईंधन और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण रसोई घर का बजट बिगड़ गया है।

ठेठ अंदाज में राजनीतिक संवाद खूबी- विदित हो कि लालू प्रसाद यादव रविवार की शाम में पटना पहुंचे हैं। इसके पहले वे दिल्ली में बेटी मीसा भारती के पास रहकर इलाज करा रहे थे। लालू अपने ठेठ देसी अंदाज में राजनीतिक संवाद के लिए जाने जाते हैं।

कम होने लगी पूर्व सीएम हरीश रावत और मंत्री हरक सिंह की दूरियां, 24 घंटे में दूसरी बार की बातचीत

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और कैबिनेट मंत्री डा हरक सिंह रावत के बीच अब दूरियां कम होने लगी हैं। 24 घंटे के भीतर ही दोनों के बीच दूसरी बार बातचीत होने से फिर सियासी माहौल गर्मा गया।

पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति अध्यक्ष हरीश रावत सोमवार को पिटकुल कार्मिकों के धरना स्थल पहुंचे। वहां पिटकुल में कार्यरत अवर अभियंताओं ने अपनी पीड़ा उन्हें बताई। उन्होंने कहा कि 102 पदों पर उनकी दावेदारी को रोका गया है। उन्होंने मांग न मानने पर आंदोलन तेज करने और अनशन की चेतावनी भी दी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपने मोबाइल फोन पर ऊर्जा मंत्री डा हरक सिंह रावत से बात की।उन्होंने कहा कि इन कार्मिकों का मसला हल होना चाहिए। इन्हें बातचीत के लिए बुलाया जाए। कैबिनेट इनके बारे में निर्णय लेगी। बातचीत में डा हरक सिंह रावत ने कहा कि वह मांगों के समाधान के लिए प्रयासरत हैं। पिछले साढ़े चार साल से ज्यादा समय से हरीश रावत और हरक सिंह के बीच छत्तीस का आंकड़ा रहा है। दोनों एकदूसरे के निशाने पर लेते रहे हैं। बीते रोज हरीश रावत ने आपदा प्रभावित क्षेत्र से ही कैबिनेट मंत्री हरक सिंह से मोबाइल फोन पर बात की थी।

बागियों को फिर बताया लोकतंत्र का रावण- इससे पहले प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सोमवार को मीडिया से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने हरक सिंह समेत पिछली कांग्रेस सरकार के खिलाफ बगावत करने वालों को लोकतंत्र का रावण करार दिया। कांग्रेस के बागियों के पिछला विधानसभा चुनाव जीतने पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का रावण चुनाव जीतने से पापमुक्त नहीं हो सकता। कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बतौर मंत्री सरकार के पौने पांच साल के कार्यकाल को निराशाजनक बताकर उन्होंने अपने अपराध को जनता के समक्ष कबूल भी किया है। यह साबित हो गया कि पापयुक्त सरकार ने जनता को निराश किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को खनन मुख्यमंत्री करार दिया। साथ ही कहा कि नदियों में खनन की वजह से रानीपोखरी समेत कई स्थानों पर पुल टूटे।

सुंदरढूंगा घाटी से पांच ट्रैकरों के शव रेस्क्यू, चॉपर से कपकोट लेकर पहुंची एसडीआरएफ की टीम

बागेश्वर । बागेश्वर जिले के सुंदरढूंगा घाटी में 18 अक्टूबर को हताहत पांच बंगाली ट्रैकरों के शव देहरादून से आई एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिए हैं। पांचों शवों को कपकोट लाया गया है। वहां उनका पोस्टमार्टम किया जा रहा है। जबकि जैकुनी गांव के गाइड खिलाफ सिंह अब भी लापता है। एसडीआरएफ टीम के मुताबिक मौसम अनुकूल न होने के कारण शवों को रेस्क्यू करने में काफी कठिनाई आई। गाइड को ढूढने के लिए ऑपरेशन चल रहा है। पिछले छह दिनों के बाद जिला प्रशासन को रेस्क्यू अभियान में सफलता मिली है। देहरादून से आए आठ एसडीआरएफ के पवर्तारोही टीम ने सुंदरढूंगा घाटी में जमे हुए हैं। मंगलवार की सुबह उन्हें सफलता हासिल हुई है। पांच शवों को रेस्क्यू कर लिया गया है। नैनी-सैनी से आए चौपर के माध्यम से उन्हें कपकोट लाया गया है। जिला मुख्यालय से कपकोट गई डाक्टरों की टीम उनका पोस्टमार्टम कर रही है। जैकुनी गांव के गाइड खिलाफ सिंह अब भी लापता है।

जिलाधिकारी विनीत कुमार ने बताया कि एक बड़ा चौपर भी मंगाया गया है। लेकिन पांचों शवों को छोटे चौपर में ले आया गया है। उन्होंने बताया कि एक सुंदरढूंगा घाटी में बर्फबारी हो रही है। जिसके कारण रेस्क्यू अभियान में दिक्कत हो रही है। जैकुनी गांव के खिलाफ सिंह का अभी पता नहीं चल सका है। उसे भी खोजा जा रहा है। बरामद ट्रैकरों के शवों की अभी शिनाख्त बाकी है। उसके आधार पर उनके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। देहरादून से आई एसडीएआरएफ की टीम में आठ लोग शामिल हैं। सभी पर्वातारोही हैं, जिसके कारण छठे दिन रेस्क्यू अभियान में सफलता हासिल हुई है। इसके अलावा कपकोट तहसील में तैनात एसडीएआरएफ की टीम भी उनको मदद कर रही है। इसके अलावा कुमाऊं मंडल विकास निगम के गाइड, ट्रैकरों के अलावा टीम में स्थानीय लोग भी शामिल हैं।

चंपावत जिले के गल्लागांव और सुल्ला में होगा भूगर्भीय सर्वेक्षण, रिपोर्ट के आधार पर होगा ग्रामीणों का विस्थापन

चम्पावत । सांसद अजय टम्टा के निर्देश पर प्रशासन चंपावत जिले के बाराकोट विकास खंड के गल्लागांव और सुल्ला गांव में भूगर्भीय सर्वेक्षण कराएगा। वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के बाद यहां आपदा की जद में आए ग्रमीणों का विस्थापन किया जाएगा। बीते सोमवार को सांसद अजय टम्टा और मुख्यमंत्री के विशेष प्रतिनिधि प्रमोद रौतेला ने सुल्ला और गल्लागांव जाकर आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने आपदा प्रभावितों से बातचीत की। दौरे के बाद सांसद टम्टा ने जिलाधिकारी विनीत तोमर को बिना किसी देरी के गांवों का भूगर्भीय सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी विनीत तोमर ने बताया कि जल्दी ही गल्लागांव के साथ सुल्ला गांव का भी भूर्गीय सर्वेक्षण कराया जाएगा। इसकी संस्तुति दे दी गई है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों हुई अतिवृष्टि के कारण दोनों गांवों में भूस्खलन से नुकसान हुआ है। आपदा की दृष्टि से दोनों गांव संवेदनशील हैं। लिहाजा भूगर्भीय सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुरूप ग्रामीणों के विस्थापन की कार्यवाही शुरू की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर यहां के लगभग 60 परिवारों का विस्थापन किया जाएगा। इधर गल्लागांव पहुंचे सांसद अजय अम्टा और मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि अजय रौतेला को ग्रामीणों ने गांव में आपदा से हुए नुकसान की जानकारी दी। कहा कि प्रतिवर्ष मानसून के दौरान गांव की जमीन धंस रही है। इससे आवासीय मकानों में दरारें आ रही हैं। मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि रौतेला ने सरकार की ओर से आपदा प्रभावितों को दी जा रही मदद की जानकारी दी। कहा कि ग्रामीणों को घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार उनके जान माल की सुरक्षा करेगी।

तस्करी कर बिहार ले जाया जा रहा 50 पेटी देशी शराब बरामद, चार गिरफ्तार; कार व स्कार्पियो जब्त

चतरा । चतरा जिला पुलिस को अवैध शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 50 पेटी अवैध देशी शराब बरामद किया है। साथ ही साथ तस्करी में संलिप्त चार युवकों को गिरफ्तार किया है। मौके पर से दो चार पहिया वाहन जब्त की गई है। यह सफलता वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के जोलडीहा पुलिस पिकेट के समीप सोमवार की रात मिली है। बताया गया कि पुलिस पिकेट के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी बीच राजपुर की ओर से स्कॉर्पियो और एक कार पिकेट के पास पहुंची। पुलिस के जवानों ने दोनों वाहनों की तलाशी ली। तलाशी के क्रम में दोनों वाहनों में अवैध शराब की पेटियां लदी मिलीं।

मुयमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किये रामलला के दर्शन, कहा; दिल्ली सीएम तीर्थयात्रा योजना में अब अयोध्या भी शामिल

अयोध्या । रामलला के दर्शन दर्शन करने के बाद अरविंद केजरीवाल मीडिया से मुखातिब हुए और कहा कि दिल्ली के अंदर हमारी एक योजना है, मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना, इसमें हम दिल्ली वासियों को फ्री तीर्थयात्रा करवाते हैं। इसमें वैष्णोदेवी, शिरडी महाराज, विष्णु जी, हरिद्वार व ऋषिकेश समेत कई तीर्थ स्थल शामिल हैं। कल दिल्ली में हमने एक मीटिंग रखी है उसमें हम कल अयोध्या को भी उस लिस्ट में एड करेंगे। अब दिल्ली के लोग राम जन्म भूमि अयोध्या के भी दर्शन कर सकेंग। इस योजना में लोगों का आना जाना, एसी ट्रेन से, होटल में रुकना, खाना पीना सब कुछ सरकार देती है जनता कुछ नहीं देती है। यूपी में हमारी सरकार बनती है तो उत्तर प्रदेश वासियों को भी अयोध्या में राम जी के दर्शन कराने के लिए फ्री में अरेंजमेंट करेंगे। हमने लखीमपुर पीड़ितों को अंशदान दिया, लेकिन दान ऐसा होना चाहिए कि दायां हाथ दे तो बांये हाथ को पता न चले। मीडिया के सवाल विपक्ष द्वारा एक्सीडेंटल हिंदू कहे जाने को उन्होंने हंसकर टाल दिया। कहा, उनको कहने दीजिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। भगवान के दरवार सबके लिए है। मैंने प्रभु से देश के लोगों के लिए सुख शांति मांगी है और प्रभु मुझे ताकत दे कि ज्यादा से ज्याद देशवासियों को यहां लाकर दर्शन करवा सकूं। वहीं यूपी में पार्टी के चहरे के सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मीडिया से बातचीत करने के बाद मुख्यमंत्री अयोध्या से रामलला के दर्शन के बाद लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल मंगलवार सुबह नौ बजे करीब हनुमानगढ़ी पहुंचे। जहां उन्होंने बजरंगबली का दर्शन और पूजन किया। कड़ी सुरक्षा के बीच अरविंद केजरीवालल हनुमानगढ़ी पहुंचे। इसके बाद वे रामलला के दर्शन के लिए रवाना हुए। जहां उन्होंने दर्शन पूजन के बाद अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानदास से मुलाकात की। बता दें कि अरविंद केजरीवाल दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। वे रविवार को लखनऊ से सुलतानपुर आए थे। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहे मुसाफिरखाना व गौरीगंज के मुकदमे में स्वेच्छा से जमानत कराने की अर्जी विशेष जज पीके जयंत को दी थी। सुप्रीम कोर्ट की विशेष अदालत ने सीएम अरविंद केजरीवाल की व्यक्तिगत उपस्थिति पर स्टे दे दिया था। अब इन्होंने स्वेच्छा से उपस्थित होकर जमानत की अर्जी दी थी जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद अरविंद केजरीवाल एमपी एमएलए कोर्ट गए जहां उनकी पेशी चली। अमेठी व गौरीगंज में 2014 में चुनावी दौरे के दौरान मुकदमा दर्ज हुआ था।

कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल का जमानतनामा मंजूर कर लिया था, आरोपों से मुक्त होने की अर्जी को खारिज कर दिया। आरोप के आधार पर साक्ष्यों पर सुनवाई अब तीन नवंबर को होगी। वहीं दोपहर तीन बजे करीब अरविंद केजरीवाल अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने हाईवे स्थित एक होटल में विश्राम किया। इसके बाद अरविंद केजरीवाल अयोध्या के लिए रवाना हुए। जहां देर शाम को उन्होंने सरयू तट पर पहुंचकर आरती की। जहां उन्होंने कहा कि भारत को अब तक दुनिया का सबसे अग्रणी देश हो जाना चाहिए था। उन्होंने भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने के लिए भी भगवान राम से प्रार्थना की। कहा, 130 करोड़ भारतवासी मिल कर इस सपने को पूरा कर सकते हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को होटल पंचशील में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी की।

उत्तर प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को बड़ा तोहफा, दीपावली से पहले मिलेगी सैलरी और बोनस के साथ बढ़ा डीए

लखनऊ । योगी आदित्यनाथ सरकार उत्तर प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को दीपावली पर बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। प्रदेश सरकार करीब 28 लाख कर्मचारियों व पेंशनरों को इस बार दीपावली से पहले सैलरी दे देगी। इतना ही नहीं इस बार सैलरी के साथ ही बोनस और बढ़ा हुआ डीए भी मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वित्त विभाग को निर्देश पर इस बार दीपावली से पहले सभी सरकारी कर्मियों तथा पेंशनरों को वेतन मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वित्त विभाग ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उसके तहत प्रदेश अराजपत्रित कर्मचारियों को एक माह का तदर्थ वेतन बोनस के तौर पर दिया जाएगा। पहले की ही तरह बोनस का 25 फीसदी हिस्सा वेतन के साथ मिलेगा जबकि 75 फीसदी जीपीएफ में जमा होगा। एक महीने का बोनस 6908 रुपए मिल सकता है। अगर 25 प्रतिशत ही नकद भुगतान हुआ तो कर्मचारियों के हाथ में 1727 रुपये ही आएंगे। इसका लाभ प्रदेश के करीब 12 लाख कर्मचारियों को मिलेगा। प्रदेश के कर्मचारियों को एक जुलाई से तीन प्रतिशत बढ़ा डीए और पेंशनरों को डीआर भुगतान करने की तैयारी है। इस वृद्धि के बाद डीए और डीआर बढ़कर 31 प्रतिशत हो जाएगा। जुलाई 2021 से सितंबर तक का डीए कर्मचारियों के जीपीएफ में भेजा जा सकता है। इससे संबंधित प्रस्ताव भी तैयार है।

वित्त विभाग ने बोनस का प्रस्ताव तैयार कर वित्त मंत्री के माध्यम से मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास भेजा है। इसके साथ महंगाई भत्ते व महंगाई राहत की मंजूरी का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि अक्टूबर के वेतन के साथ बोनस और बढ़ा डीए एक साथ नवंबर माह में दे दिया जाए। जो प्रस्ताव तैयार किया गया है, उसके तहत प्रदेश अराजपत्रित कर्मचारियों को एक माह का तदर्थ वेतन बोनस के तौर पर दिया जाएगा।

सपा के साथ राजभर की नजदीकी के बाद खतरे में भागीदारी संकल्प मोर्चा, ओवैसी व शिवपाल ने किया मऊ पंचायत से किनारा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भागीदारी संकल्प मोर्चा की लम्बी उड़ान की योजना खतरे में है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के मऊ में 27 अक्टूबर को ओम प्रकाश राजभर की पार्टी के सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के गठन के 19 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में होने वाली महापंचायत में शामिल होंगे। अखिलेश यादव के मऊ की महापंचायत में शामिल होने के कार्यक्रम के बाद से राजभर के भागीदारी संकल्प मोर्चा के दो मजबूत स्तंभ शिवपाल सिंह यादव और असदुद्दीन ओवैसी ने किनारा कर लिया है।

योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे ओम प्रकाश राजभर ने नाराजगी के बाद मंत्रिमंडल से बाहर होने के फैसला किया। अपने चार विधायकों के साथ बाहर आने के बाद ओम प्रकाश राजभर ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के खिलाफ मुहिम छेड़ी है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन असदउद्दीन ओवैसी, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर तथा प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव के साथ मिलकर भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया। इस मोर्चा को वह भाजपा का भी बड़ा विकल्प बताते रहे। इसी बीच उनकी समाजवादी पार्टी के साथ नजदीकी बढ़ी और उन्होंने लखनऊ में

अखिलेश यादव के साथ भेंट के बाद सपा को समर्थन देने की घोषणा की। इसके साथ ही 27 को मऊ में भागीदारी संकल्प मोर्चा की महापंचायत में अखिलेश यादव को आमंत्रित किया। अखिलेश यादव के उनका निमंत्रण स्वीकार करने के साथ ही मऊ आने की सहमति देने पर राजभर के दो मजबूत स्तंभ बिदक गए हैं।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के अध्यक्ष असदउद्दीन ओवैसी तथा प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव को ओम प्रकाश राजभर का अखिलेश के साथ आने का प्रयास भाया नहीं है। अखिलेश यादव से इनका छत्तीस 36 का आंकड़ा है। इसी कारण असदुद्दीन ओवैसी व शिवपाल यादव ने मऊ की महापंचायत से किनारा कर लिया है। ओवैसी ने 27 को अपना कार्यक्रम मुजफ्फरनगर में फाइनल कर लिया है तो शिवपाल सिंह यादव अपनी रथा यात्रा के साथ बरेली में रहेंगे। ओमप्रकाश राजभर ने भले ही उत्तर प्रदेश के विधानसभा यूपी चुनाव में उतरने के लिए दस दलों का भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया था, लेकिन अब यह खण्ड-खण्ड हो चुका है। शिवपाल यादव तथा असदुद्दीन ओवैसी तो अब लगभग किनारे हो गए हैं और भीम आर्मी के चन्द्रशेखर भी इनको लेकर गंभीर नही दिख रहे हैं। इन तीनों नेताओं का अखिलेश यादव के साथ आना फिलहाल तो संभव नहीं दिख रहा है।

ओमप्रकाश राजभर ने 27 अक्टूबर 2022 को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का गठन किया और 2017 का विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़े थे। योगी आदित्यनाथ सरकार बनने के बाद वह कैबिनेट मंत्री भी बने थे। वह अधिक दिन पद पर नहीं रह सके और भाजपा के साथ उनका साथ टूट गया। उन्होंने भाजपा विरोधी दलों का मोर्चा तो बना लिया था, लेकिन उन्हें अच्छे से पता था कि बिना किसी बड़े दल के साथ आये उन्हें सीटें नहीं मिल सकती हैं।

बदल जाएगी गोरखपुर की सूरत, एक हजार करोड़ की परियोजनाओं का सीएम योगी शीघ्र करेंगे लोकापर्ण-शिलान्यास

गोरखपुर । गोरखपुर शहर को एक बार फिर बड़ी विकास योजनाओं की सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नगर निगम ने 9.50 अरब से ज्यादा की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास की तैयारी शुरू कर दी है। इनमें तकरीबन 6.50 अरब रुपये सीवर लाइन पर खर्च होने जा रहे हैं। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय क्षेत्र में सीवर लाइनों का लोकार्पण होगा तो सूरजकुंड क्षेत्र में दो अरब 30 करोड़ रुपये से सीवर लाइन बिछाए जाने के कार्य का शिलान्यास होगा। सूरजकुंड क्षेत्र में 10 एमएलडी का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। इससे इस इलाके के सीवर का निस्तारण तो हो ही जाएगा राप्ती और रोहिन नदियों में गंदा पानी नहीं जा पाएगा।

तेजी से चल रहा है सीवर लाइन का काम- गोरखपुर शहर में लगातार विकास की योजनाओं पर काम चल रहा है। सड़क-नाली के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीवर लाइनों को बिछाने का काम तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए थे। अब नगर निगम ने सूरजकुंड क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाने के कार्य की शुरुआत का निर्णय लिया है। जल निगम के साथ इस कार्य को पूरा कराया जाएगा। पिछले दिनों शासन ने इसके लिए 2 अरब 30 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया था। अब रुपये मिलने वाले हैं।

195 करोड़ रुपये से विकसित होंगे 32 गांव- नगर निगम क्षेत्र में पिछले साल 32 गांवों को शामिल किया गया था। इन गांव में अभी नगर निगम की ओर से सिर्फ सफाई और सैनिटाइजेशन की व्यवस्था की जा रही है। गांव में विकास कार्यों के लिए नगर निगम ने 195 करोड रुपये का प्रस्ताव बनाया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रस्ताव को स्वीकृति देने के साथ ही धनराशि भी जारी करने के निर्देश दिए थे। अब धनराशि आने वाली है। इसके साथ ही इन इलाकों में सड़क-नाली, पथ प्रकाश और पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। सबसे ज्यादा तकरीबन 17 करोड़ रुपये भरवलिया क्षेत्र में खर्च होने हैं।

180 करोड़ की परियोजनाओं की दी है सौगात- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नगर निगम की ओर से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित जनसभा में 180 करोड़ 32 लाख की विकास योजनाओं की सौगात दी है। इनमें गोलघर के जलकल भवन परिसर में बना मल्टीलेवल पार्किंग भी है। इस पार्किंग के बनने से गोलघर क्षेत्र में जाम की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। पार्किंग में एक साथ 605 वाहन खड़े किए जा सकते हैं। इनमें 300 चार पहिया और 305 दुपहिया वाहन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने पार्किंग का शुभारंभ करने के साथ ही इसकी व्यवस्था का भी रविवार देर शाम निरीक्षण किया था। पांच नवंबर तक नागरिकों से पार्किंग के नाम पर रुपये नहीं जमा कराए जाएंगे।

किसान, नौजवान, बेरोजगार पटेल यात्रा के समापन की तैयारियों में जुटे सपाई

प्रयागराज। लगभग तीन माह से समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के नेतृत्व में निकाली गई किसान, नौजवान, बेरोजगार पटेल यात्रा निकाली गई थी। यह प्रदेश के 403 विधान सभा का भ्रमण करते हुए लौहपुरुष सरदार भल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को प्रयागराज के केपी कालेज मैदान में यात्रा का समापन होगा। यात्रा के समापन कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चौक महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष सै. इफ्तेखार हुसैन की अध्यक्षता व महानगर महासचिव रविंद्र यादव रवि के संचालन में बैठक कर कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिया गया।

भाजपा सरकार को लिया निशाने पर- इफ्तेखार हुसैन ने कहा कि 2022 का विधान सभा चुनाव करो या मरो की बुनियाद पर भाजपा ने पहुंचा दिया है। किसानों की आवाज़ को गाड़ियों के पहियों से रौंद दिया जा रहा है। बेरोज़गारों की फौज नौकरी की आस में पांच साल से टकटकी लगाकर खड़ी है। नौजवान हताश और निराश हैं। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल 29 अगस्त से सीतापुर महमूदाबाद से शुरु की गई किसान, नौजवान, बेरोज़गार पटेल यात्रा द्वारा लोगों का दर्द साझा कर आगामी विधानसभा चुनाव 2022 में अखिलेश सरकार के अस्तित्व में आने पर किसानों, नौजवानों, बेरोज़गारों को उचित समाधान और रोज़गार देने का वायदा कर सरकार बनाने को प्रेरित कर रहे हैं।

बड़ी संख्या में जुटेंगे कार्यकर्ता- महासचिव रविंद्र यादव ने बताया कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर यात्रा के समापन को यादगार बनाने को पार्टी पदाधिकारियों ने सपा नेताओं व युवाओं से भारी संख्या में पहुंचने की अपील की है। यह भी बताया कि नरेश उत्तम पटेल की यात्रा अपने आखरी पड़ाव मीरजापुर से 31 अक्टूबर को प्रयागराज में प्रवेश करेगी। स्थानीय केपी कालेज मैदान में दिन में सुबह 10 बजे यात्रा का समापन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वरिष्ठ सपा नेता विनोद चंद्र दुबे ने भी अपने सुझाव रखे।

तेजस्वी ने सीएम नीतीश पर कसा तंज, बोले- इतिहास को छोड़ वर्तमान में बात कीजिए, साहब

पटना । बिहार में दो विधानसभा कुशेश्वरस्थान और तारापुर में 30 अक्टूबर को उपचुनाव होने हैं। उपचुनाव से पहले कांग्रेस और आरजेडी का गठबंधन टूटने के बाद अब दोनों पार्टियां एक दूसरे पर हमलावर हैं। लालू यादव के बयान के बाद अब कांग्रेस ने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को कांग्रेस को जवाब भी दिया है। लेकिन इन सब की बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कांग्रेस को छोड़ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सियासी वार करने में जुटे हैं। मंगलवार को उन्होंने ट्वीट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि, सीएम बहुत शर्मीले हैं इसलिए बेरोजगारी, महंगाई और कानून व्यवस्था पर कभी नहीं बोलते।

दो सीटों पर हो रहे उपचुनाव में अपनी जीत पक्की करने के लिए बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। राजनीतिक पार्टियां लगातार एक दूसरे तरह तरह के आरोप लगा रही हैं। इसी सिलसिले में तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा है। उन्होंन लिखा है कि सीएम शर्मीले स्वभाव के हैं इस वजह से वो बेरोजगारी, महंगाई, शराब तस्करी, शिक्षा और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर कुछ नहीं बोलते। उन्होंने आगे लिखा है कि, बिहार की जनता का वर्तमान और भविष्य दोनों खराब किया जा रहा है और इतिहास के बारे में बातें की जा रही हैं।

गौरतलब है कि, तेजस्वी यादव ने मंगलवार मुख्यमंत्री को चैलेंज किया था। उन्होंने कहा था कि, सरकार की तरफ से बिहार में बेहतर सड़क का दावा किया जाता है, लेकिन अगर बिहार सरकार के दावे में दम है तो मुख्यमंत्री कुशेश्वरस्थान में सड़क मार्ग से दौरा करके दिखाएं। इसके साथ ही तेजस्वी ने उपचुनाव में दोनों सीटों पर जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि जनता कमरतोड़ मंहगाई से परेशान है और बदलाव चाहती है।

तेज प्रताप यादव बने कांग्रेस के दुलारे, पटना में पार्टी ने लगाए पोस्टर; लालू-तेजस्वी को ऐसे दिया जवाब

पटना। बिहार की सियासत में लालू परिवार का अंदरुनी झगड़ा नए-नए गुल खिला रहा है। राजद से गठबंधन तोड़ने का एलान करने वाली कांग्रेस को लालू यादव और तेजस्वी यादव अब पसंद नहीं हैं, लेकिन तेज प्रताप यादव की कद्र सोनिया और राहुल गांधी की पार्टी में पहले से भी अधिक बढ़ गई है। कांग्रेस ने बकायदा अपने पोस्टर पर तेज प्रताप यादव की तस्वीर लगाते हुए उनका आभार जताया है। कांग्रेस के इस पोस्टर में कांग्रेस के तमाम नेताओं के अलावा जाप प्रमुख पप्पू यादव और राजद विधायक तेज प्रताप की तस्वीर भी लगाई गई है। दावा किया गया है कि इन दोनों नेताओं ने कुशेश्वरस्थान सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन दिया है। कांग्रेस के पोस्टर में लालू यादव के उस बयान का

भी जिक्र किया गया है, जिसमें उन्होंने भक्त चरण दास को भकचोन्हर कह दिया था।

तेज प्रताप के रुख में आया बदलाव

लालू परिवार में फूट का कांग्रेस बिहार विधानसभा की दो सीटों के लिए हो रहे उप चुनाव में माइलेज लेना चाहती है। इस वजह से तेज प्रताप कांग्रेस के दुलारे हो गए हैं। तेज प्रताप ने कहा था कि राजद को कुशेश्वरस्थान सीट कांग्रेस के लिए छोड़ देनी चाहिए थी। विधानसभा के उप चुनाव में कई प्रत्याशी तेज प्रताप का समर्थन मिलने का दावा कर चुके हैं। हालांकि लालू यादव के पटना आगमन के बाद तेज प्रताप के बयान में बदलाव आ गया है।

पिता से मुलाकात के तुरंत बाद तेज प्रताप ने कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार के खिलाफ ट्वीट किया था। राजद ने उन्हें विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उप चुनाव में स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं किया है। तेज प्रताप के समर्थकों का दावा है कि वे उप चुनाव में प्रचार के लिए जाएंगे। हालांकि तेज प्रताप प्रचार के दौरान किसके लिए वोट मांगेंगे, यह उनकी ओर से आधिकारिक तौर पर अब तक नहीं बताया गया है।

पत्नी के प्रेमी ने की पति की हत्या, पहले स्कार्पियो में किया अगवा फिर गोली मारकर ली जान

मेरठ । प्रेम संबंध का विरोध करने पर बड़ौत के बिजरौल गांव निवासी एक युवक की अगवा कर पत्नी के प्रेमी ने गोली मारकर हत्या कर दी और शव को काजमाबाद गून के जंगल में फेंक दिया। पत्नी मोनिसा उर्फ मनी को हिरासत में लेकर बड़ौत पुलिस ने खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव खड़खड़ी निवासी आरोपित नागेंद्र और उसके एक साथी की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी। परतापुर थाना क्षेत्र के काजमाबाद गून गांव के

जंगल में सोमवार दोपहर स्कार्पियो सवार लोगों ने सतवीर की ट्यूबवेल के पास सड़क किनारे एक युवक का शव फेंक दिया। इसी दौरान स्कूल से लौट रहे छात्रों ने स्कार्पियो सवार लोगों को शव फेंकते देखकर शोर मचा दिया। आरोपित नमक फैक्ट्री से स्कार्पियो को मोड़कर भाग गए। छात्रों के शोर मचाने पर आसपास जंगल में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने गांव प्रधान और प्रधान ने परतापुर पुलिस को जानकारी दी। एएसपी विवेक यादव और इंस्पेक्टर शैलेंद्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे।

कुछ घंटे में पहचान

पुलिस के मुताबिक, युवक की गर्दन में गोली लगी हुई थी। आसपास के जनपदों में मृतक की फोटो भेजकर पुलिस ने पहचान करने का प्रयास किया। कुछ ही घंटे बाद युवक की पहचान बागपत जिले के बड़ौत थाने के बिजरौल गांव निवासी वरुण कुमार पुत्र ऋषिपाल तोमर के रूप में हुई। वरुण की बड़ौत से अगवा कर काजमाबाद गून में हत्या की गई। बड़ौत पुलिस की जांच में सामने आया कि वरुण की पत्नी मोनिसा के प्रेमी नागेंद्र ने सोमवार सुबह पांच बजे वरुण को घर से अगवा किया था।

न्यूटिमा अस्पताल के बाउंसर से हुआ था महिला को प्यार

मनी अपने पति वरुण को उपचार के लिए कुछ दिन पहले गढ़ रोड स्थित न्यूटिमा अस्पताल में लाई थी। वहीं मीनू की मुलाकात बाउंसर नागेंद्र से हो गई। इसके बाद दोनों की फोन पर बातचीत होने लगी और एक दूसरे से मिलने लगे। इसकी जानकारी मिलने पर वरुण ने पत्नी को रोकने का प्रयास किया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार पत्नी ने बाउंसर के साथ मिलकर वरुण की हत्या का प्लान बनाया था। प्लान के मुताबिक सुबह पांच बजे मनी के प्रेमी नागेंद्र ने स्कार्पियो से वरुण को अगवा किया था।

जो विकास करे उसे ही वोट दें: शिवराज सिंह

सीएम ने कहा, यह चुनाव जनता की जिंदगी बदलने का अभियान

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब भी उसने विकास नहीं किया, क्योंकि कांग्रेस का विकास से कोई लेना देना नहीं है। वह सिर्फ आरोप और प्रत्यारोप लगाने का काम करती है। इसलिए जो विकास करे उसे वोट दें। भाजपा ने लगातार 15 वर्षों तक प्रदेश का विकास किया और आगे भी विकास करती रहेगी। श्री चौहान रैगांव विधानसभा के छुलहनी में जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनाव जनता की जिंदगी बदलने का अभियान है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीबों के जीवन बदलने का अभियान पूरे प्रदेश में चला रही है। उन्होंने कहा कि रैगांव क्षेत्र का संपूर्ण विकास हो, सबको बुनियादी सुविधाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास मिले, कोई गरीब भूखा न रहे यही हमारा प्रयास है।

सीएम ने आदिवासी बहन बसंती कौल के घर किया भोजन

जनसभा के बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान भाजपा जनपद सदस्य बसंती कोल के घर रात्रि भोजन करने पहुंचे। बसंती कोल ने सीएम के लिए खुद तैयार किया भोजन। भोजन में भिंडी की सब्जी, लौकी की सब्जी, आलू बैगन का भर्ता, चना के साग की भाजी, मूंग दाल, चावल, बिर्रा और आटे की रोटी थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खाने के साथ-साथ बसंती के परिवार की महिला सदस्यों के साथ चूल्हे के पास बैठकर उनकी समस्याओं को जाना, पारिवारिक चर्चाएं की और खाने की प्रशंसा की।

गरीब की थाली को खाली नहीं रहने दिया जाएगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भाजपा ने हमेशा गरीबों की चिंता की लेकिन कांग्रेस ने हमेशा सिर्फ गरीबों के हक को मारा है। आज अगर गरीबों को एक रुपए किलो गेहूं, चावल, नमक देने का काम किसी ने किया तो भाजपा की सरकार ने किया। केंद्र की मोदी सरकार ने किया है जो नवंबर तक फ्री राशन गरीबों को उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि पहली चीज है रोटी, इसलिए सस्ता राशन मिल जाए, एक दिन कि मजदूरी में महीने भर का राशन आ जाए, ये हमारा प्रयास रहा है।

मां भर्जुना देवी के किए दर्शन

सभा के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह विंध्य क्षेत्र के प्रसिद्ध मां भर्जुना देवी मंदिर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मां भर्जुना देवी की आरती में शामिल होकर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की।

स्वामी विवेकानंद के सपने को साकार कर रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी : तोमर

भोपाल (एजेंसी)। स्वामी विवेकानंद जी ने लगभग एक शताब्दी पहले यह कहा था कि 21 वीं सदी भारत की होगी। स्वामी जी के इस स्वप्न को उनके ही अनुयायी और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं। यह बात केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर ने पुनासा के समीप ग्राम मोहना में पार्टी प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कही। सभा को पूर्व विधायक जसवंतसिंह हाडा, पूर्व मंडी व भूमि विकास बैंक अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता एवं प्रदेश प्रवक्ता राजपालसिंह सिसोदिया ने भी संबोधित किया।

श्री तोमर ने कहा, देश में अभी तक जो कांगेस सरकार रही लेकिन वे देशहित के लिए समर्पित नहीं रही। पोलियो की बीमारी पूरे विश्व में फैली थी। इसकी दवाई की खोज व निर्माण विदेशों में हुआ। भारत तक पोलियो की वेक्सीन के आने में 20 सालों का समय लग गया। लेकिन जब देश में कोरोना महामारी ने पैर पसारे, तो पीएम मोदी जी के आह्वान पर 9 महीनों के अंदर हमारे वैज्ञानिकों ने स्वदेशी वेक्सीन तैयार कर दी। यह हमारे प्रधानमंत्री के प्रेरक और दूरदर्शी

नेतृत्व का ही परिणाम है कि हम कोरोना के 100 करोड़ टीके लगाने में सफल हुए हैं। श्री तोमर ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों के समय में देश में कहीं भी आतंकी हमले हुआ करते थे, बम विस्फोट होते रहते थे। लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद अब हमारी सेनाएं इन आतंकियों को पाकिस्तान स्थित उनकी मांद में जाकर अंजाम तक पहुंचाने लगी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को संसाधन और अधिकार दिए, सक्षम बनाया। इसी का परिणाम है कि अब देश पहले से अधिक सुरक्षित है तथा आतंकी वारदातों में कमी आई है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम शिवराज सिंह और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा आज रैगांव और पृथ्वीपुर में करेंगे प्रचार

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा 27 अक्टूबर को रैगांव, पृथ्वीपुर विधानसभा में चुनाव प्रचार पर रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री 27 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे रैगांव विधानसभा के ग्राम कोठी में स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर दो बजे पृथ्वीपुर विधानसभा में संयुक्त आमसभा को संबोधित करेंगे। शाम 4.45 बजे नेताद्वय पृथ्वीपुर से भोपाल प्रस्थान करेंगे।

कमलनाथ और पायलट की सनावद में आमसभा आज

भोपाल । खंडवा लोकसभा उपचुनाव कांग्रेस प्रत्याशी राजनारायण सिंह पुरनी के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 27 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11.45 बजे भोपाल से रवाना होकर दोपहर 12.30 बजे बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के सनावद पहुंचेंगे,जहां कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात के साथ जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसी जनसभा में राजस्थान सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री, सचिन पायलट भी कमलनाथ के साथ सभा को साझा करेंगे।

कांग्रेस का सदस्यता महा अभियान एक नवंबर से

भोपाल । कांग्रेस की सदस्यता का महा अभियान एक नवंबर से प्रारंभ किया जा रहा है। इस महाअभियान की शुरुआत मध्यप्रदेश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा एक नवंबर, को पूर्वान्ह 11 बजे की जाएगी। यह अभियान एक नवंबर से 31 मार्च तक व्यापक रूप से चलाया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया कि अभा कांग्रेस द्वारा संगठनात्मक चुनाव कराए जाएंगे। इस संदर्भ में एक नवम्बर से 31 मार्च तक कांग्रेस पार्टी का सदस्यता महा अभियान चलाया जाए। श्री शेखर ने कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष, जिला के प्रभारी, विधायक, कार्यकारी अध्यक्षगण, मोर्चा संगठनों, विभागों और प्रकोष्ठ के अध्यक्षों से कहा है कि आप अपने क्षेत्र में उसी दिन दोपहर 12 बजे कांग्रेस के इस सदस्यता महाअभियान की व्यापक रूप से शुरूआत करें। उन्होंने कहा कि जिला, ब्लाक, मतदान केंद स्तर पर नौजवानों, महिलाओं, आदिवासी, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक व अन्य प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारी वर्ग, इंजीनियर, डाक्टस, प्रोफेशनर्स सहित आम नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेस के इस सदस्यता महाअभियान में जोड़ते हुए उन्हें कांग्रेस की सदस्यता दिलाएं।

कृषि मंत्री पटेल ने की किसानों से अपील, कानून अपने हाथ में नहीं लें

प्रदेश में तीन लाख 18 हजार मीट्रिक टन से अधिक यूरिया उपलब्ध

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के कई जिलों में यूरिया संकट के बीच कृषि मंत्री कमल पटेल ने दावा किया है कि वर्तमान में 3 लाख 18 हजार 263 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि एक लाख 31 हजार 454 मीट्रिक टन डीएपी और एक लाख 4 हजार 590 मीट्रिक टन एनपीके भी उपलब्ध है। पटेल ने बताया कि विगत 3-4 दिन में ही यूरिया, एनपीके और डीएपी के 26 रैक लग चुके हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 2-3 दिनों में 21 रैक यूरिया, एनपीके और डीएपी पहुंचने वाला है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि किसान भाई कानून अपने हाथ में नहीं लें, उर्वरकों की आपूर्ति सतत जारी है।

यहां बता दें कि यूरिया सहित अन्य खाद की कमी के कारण कई जिलों में किसानों के उग्र प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। कुछ स्थानों पर मारपीट की भी घटनाएं सामने आईं हैं। इस बीच कृषि मंत्री पटेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उर्वरकों की काला-बाजारी करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही कर एफ आईआर भी दर्ज करावें। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि खाद की आपूर्ति निचले स्तर तक करेंए जिससे सभी को पर्याप्त

26 रैक लगे, दो-तीन दिन में पहुंच जाएंगे 21 रैक यूरिया, डीएपी, एनपीके

मात्रा में खाद मिल सके। मंत्री पटेल ने बताया है कि विगत 3-4 दिन में यूरिया के 9 रैक आ चुके हैं और आगामी दो-तीन दिनों में 6.5 रैक यूरिया आने वाला है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार डीएपी के 9 रैक आ चुके हैं, जबकि आगामी दो-तीन दिनों में 5 रैक और पहुंचने वाले हैं। एनपीके के भी 8 रैक आ चुके हैं, जबकि 10 रैक और आने वाले हैं। उपलब्धता के अनुसार नियमित रूप से जिलों को यूरिया, डीएपी और एनपीके पहुंचाया जा रहा है, जो कि सहकारी संस्थाओं के साथ ही निजी संस्थानों के माध्यम से वितरित किया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने बताया कि वर्तमान में कुल 3 लाख 18 हजार 263 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। इसमें रिटेलर के पास एक लाख 56 हजार 117 मीट्रिक टन, होल सेलर के पास एक लाख 13 हजार 106 मीट्रिक टन, कम्पनी, वेयरहाउस एवं कम्पनी जीआईटी के पास 30 हजार 580 मीट्रिक टन और होल सेलर जीआईटी के पास 18 हजार 460 मीट्रिक टन यूरिया है। इसी प्रकार डीएपी भी एक लाख 31 हजार 454 मीट्रिक टन उपलब्ध है, जिसमें रिटेलर के पास 53 हजार 249 मीट्रिक टन, होल सेलर के पास 42 हजार 644 मीट्रिक टन, कम्पनी, वेयरहाउस एवं कम्पनी जीआईटी के पास 24 हजार 700 मीट्रिक टन और होल सेलर जीआईटी के पास 10 हजार 860 मीट्रिक टन डीएपी है। पटेल ने बताया कि वर्तमान में एनपीके खाद भी एक लाख 4 हजार 590 मीट्रिक टन उपलब्ध है। इसमें रिटेलर के पास 35 हजार 875 मीट्रिक टन, होल सेलर के पास 30 हजार 345 मीट्रिक टन, कम्पनी, वेयरहाउस एवं कम्पनी जीआईटी के पास 32 हजार 610 मीट्रिक टन और होल सेलर जीआईटी के पास 5 हजार 760 मीट्रिक टन एनपीके है। कृषि मंत्री ने बताया कि अक्टूबर माह में अब तक 2 लाख 79 हजार मीट्रिक टन यूरियाए 2 लाख 3 हजार मीट्रिक टन डीएपी और 86 हजार मीट्रिक टन एनपीके वितरित किया जा चुका है।

वैमनस्यता और भ्रम फैलाने की राजनीति करती है कांग्रेस

डॉ. मिश्रा ने रैगांव विधानसभा के करही व रानेही में लीं जनसभाएं

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस देश में सिर्फ वैमनस्यता और भ्रम फैलाने का काम करती हैं। जब सीएए आया तो कांग्रेसी बोले नागरिकता खत्म हो जाएगी। किसान बिल आया तो बोले जमीनें छिन जाएंगी। कोरोना की वेक्सीन बनाई, तो बोले बांझपन आ जाएगा। उज्जैन में सांप्रदायिक तनाव फैलाने जब लोगों ने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया, तो दिग्विजय सिंह बोले वो काजी साहब जिंदाबाद का नारा लगा रहे हैं। ऐसा नेतृत्व आपने नहीं देखा होगा। यह बात प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने रैगांव विधानसभा के करही और रानेही में सभाओं को संबोधित करते हुए कही।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि मैं भाजपा प्रत्याशी प्रतिमा बागरी का समर्थन करने आया हूं। उनके लिए मतदान की अपील करने आया हूं। उनकी गारंटी लेने आया हूं, उनकी जमानत लेने आया हूं। उन्होंने कहा कि ये सरकार बनाने या गिराने का चुनाव नहीं है, ये विकास का चुनाव है। रैगांव का भला भाजपा ही कर सकती है। विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन वाली गाड़ी जरूरी है।

27 माह में 27 विधायकों ने छोड़ी कांग्रेस

डॉ. मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय और कमलनाथ दोनों झूठे आरोप लगाकर वोट मांग रहे हैं। कमलनाथ कहीं भी जाते हैं तो अपनी 15 माह की उपलब्धि नहीं बताते हैं, हम से 15 साल का हिसाब जरूर मांगते हैं। हमारे 15 सालों का हिसाब बताने के लिए यही पर्याप्त है कि हम लगातार 15 सालों से सरकार में हैं। जनता जनार्दन से बड़ा कुछ नहीं होता और जनता हम पर मुहर लगा रही है। यही हमारा हिसाब है, कमलनाथ जी का प्रमाणपत्र नहीं चाहिए। डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमसे हिसाब मांगने वाले कमलनाथ अपने विधायकों का तो हिसाब रख लें, 27 महीनों में 27 एमएलए कांग्रेस छोड़कर जा चुके हैं।

कांग्रेस ने कभी नहीं की बुंदेलखंड के लोगों की चिंता : भूपेंद्र सिंह

भोपाल (एजेंसी)। आजादी के बाद से कांग्रेस ने 60 वर्षों तक राज किया। कांग्रेस की सरकारों में कभी भी बुंदेलखंड की चिंता नहीं की गई, लेकिन अब बुंदेलखंड की तस्वीर बदलती हुई नजर आ रही है। यहां के लिए सिंचाई योजनाएं बनाई गई है, गरीबों को पक्के मकान दिए गए हैं। ये बातें प्रदेश के कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह ने पृथ्वीपुर विधानसभा के नंदनवारा में भाजपा प्रत्याशी डॉ. शिशुपाल यादव के पक्ष में आयोजित सभा में कही।

भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में एक गांव में वर्षभर में एक कुटी आती थी। उसके लिए भी 20 से 30 हजार रुपए आते थे। लेकिन अब डेढ़ लाख रूपए गरीबों को मकान बनाने के लिए दिए जा रहे हैं। यह पैसा भी सीधे उनके खातों में पहुंचता है। इसमें न तो भ्रष्टाचार की गुंजाईश होती है न ही पैसों के लिए सरपंच.सचिव के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा भाजपा के शासनकाल में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। महिलाएं जहां खेती में नए-नए आयाम रच रही हैं तो वहीं वे स्व सहायता समूहों के माध्यम से भी कई सामानों का निर्माण कर रही हैं। अब तो प्रदेश की सरकार ने इन महिलाओं के माध्यम से मध्यान्ह भोजन का कार्य भी शुरू किया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं डेयरी उद्योग में भी आगे आ रही हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि चुनाव तो विकास के लिए होते हैं और चुनाव में ऐसे प्रत्याशी को ही चुनना है, जो अपने क्षेत्र का विकास करे, अपनी जनता की सुध ले।

मुख्यमंत्री ने लगातार 250 दिन पौधरोपण का बनाया रिकॉर्ड

भोपाल (एजेंसी)। पर्यावरण-संरक्षण के लिए आज से ठीक 250 दिन पहले नर्मदा जयंती पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक संकल्प लिया था कि वे, प्रतिदिन एक पौधा लगाएंगे। मुख्यमंत्री चौहान का यह संकल्प न केवल प्रदेशवासियों के लिए पर्यावरण-सरंक्षण का संदेश था, अपितु पर्यावरण के लिए जन-भागीदारी जुटाने का सफल प्रयास भी था, जो आज फलीभूत भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री चौहान आज भी अपने संकल्प की पूर्ति के लिए पूर्णता प्रतिबद्ध हैं। उनकी हर सुबह पौध-रोपण के साथ होती है। वे चाहे भोपाल में हो या दिल्ली में, या किसी संभाग, जिला, तहसील या गांव में, जहां भी उनकी सुबह होती है वे पौधा रोपने से नहीं चूकते। यह सिलसिला लगातार 250 दिन से चला आ रहा है। मुख्यमंत्री चौहान ने गत 19 फरवरी को नर्मदा जयंती के अवसर पर अमरकंटक के शंभुधारा क्षेत्र में रूद्राक्ष और साल का पौधा लगाकर प्रतिदिन एक पौधा लगाने की शुरूआत की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि पौध-रोपण पवित्र कार्य है, सभी नागरिकों को प्राथमिकता के साथ पर्यावरण-संरक्षण के लिए पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा भी करना चाहिए।

अपना घर संभल नहीं रहा, भाजपा से सवाल कर रही है कांग्रेस

पंधाना में मीडिया से रूबरू हुए वीडी शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस से अपना घर नहीं संभाल पा रहा और वह भाजपा से सवाल कर रही है। श्री शर्मा ने खंडवा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत पंधाना में पत्रकारों से चर्चा में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता ही कांग्रेस की रीति-नीति पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस के एक विधायक मंच से रोकर कह रहे हैं कि कांग्रेस को क्या हो गया है। पार्टी में कोई सुनने को तैयार नहीं है। ऐसी कांग्रेस पार्टी भाजपा से सवाल कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का बंगाल से सफाया हो गया, असम से सफाया हो गया। इनका देश-प्रदेश की राजनीति में भी अस्तित्व समाप्त हो गया। इनके पास अब आरोप-प्रत्यारोप करने के अलावा कुछ काम नहीं बचा है। कांग्रेस बिखर गई है, अप्रसांगिक हो गई है। प्रदेश में कांग्रेस की लीडरशिप समाप्त हो गईहै। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जिसको वोट ज्यादा मिलते हैं, वह जीतता है, लेकिन तकनीकी रूप से कांग्रेस की चार सीटें ज्यादा आ गई थीं और उनकी सरकार बन गई थी। लेकिन असत्य की यह सरकार ज्यादा दिन नहीं चली। वीडी शर्मा ने जोबट में कहा कि पहले तो प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को नकार दिया, अब उसके नेता, जनप्रतिनिधि भी कांग्रेस को नकार रहे हैं। वे भी समझ गए हैं कि कांग्रेस के साथ रहकर वे जनता की सेवा और अपने क्षेत्रों का विकास नहीं कर सकते। कांग्रेस के नेताओं, जनप्रतिनिधियों को लग रहा है कि वे भाजपा में आकर सेवाभाव से काम कर सकते हैं, क्योंकि भाजपा ने हमेशा से सेवाभाव की राजनीति की है। श्री शर्मा ग्राम भाबरा में चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली भी पहुंचे और उनकी प्रतिमा के श्रीचरणों में पुष्पांजलि अर्पित की।

दिग्विजय सिंह ने लोकायुक्त से की अवैध रेत खनन की शिकायत

भोपाल (एजेंसी)। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को पन्ना जिले में चल रहे अवैध रेत खनन की शिकायत लोकायुक्त जस्टिस एनके गुप्ता की है। श्री सिंह ने लोकायुक्त एनके गुप्ता से मिलकर शिकायत पत्र के साथ सक्ष्य के तौर पर कई दस्तावेज सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है।

लोकायुक्त से की गई शिकायत में सांसद श्री सिंह ने बताया है कि पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील के कई गावों में रेत माफियाओं द्वारा अवैध रेत का खनन किया जा रहा है। इस इलाके में रेत माफिया बिना किसी डर के अवैध खनन का कारोबार कर रहे हैं। इनको स्थानीय जिम्मेदार अधिकारियों और राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसकी वजह से बेखौफ अवैध खनन करते है। श्री सिंह ने कहा कि जिस इलाके में रेत का अवैध कारोबार किया जा रहा है, वह क्षेत्र सांसद विष्णुदत्त शर्मा का संसदीय और खनिज संसाधन मंत्री बृजेंद्रप्रताप सिंह का विधानसभा में आता है। शिकायत में आरोप लगाए गए है कि अजयगढ़ तहसील के कुछ गांवों उत्तरप्रदेश के कुछ जिलों से सटे हुए है, जिसकी वजह से यहां के रेत माफिया उप्र में रेत का अवैध परिवहन करते है। पूर्व में कुछ माफिया पर उत्तरप्रदेश के फतेहपुर जिले के कलेक्टर की ओर से 17 करोड़ रुपए की वसूली का आदेश जारी किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने जनसंपर्क साइकिल यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों में लोगों से किया संवाद

जनता के आशीर्वाद से मुझे कार्य करने की मिलती है ऊर्जा : गौतम

भोपाल (एजेंसी)। मप्र विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम कहा है कि जनता के आशीर्वाद से उन्हें कार्य करने की ऊर्जा मिलती है। श्री गौतम ने सात दिवसीय जनसंपर्क यात्रा के तीसरे दिन मंगलवार को जिले के विभिन्न गांवों के लोगों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं से अवगत हुए। श्री गौतम सुबह फरहदा से चलकर तिलया/दौलतनगर, सीतापुर, रामनगर (कुलबहेरिया) मोड, कन्हैया, बनपाड़र, अटरिया, नगई, पथरहा होते हुए ढ़ेरा पहुंचे जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया।

जनसंपर्क साइकिल यात्रा के दौरान लोगों से रूबरू होते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उनका यह प्रयास है कि देवतालाब क्षेत्र में सबसे ज्यादा रकवे में सिंचाई की सुविधा मिले, विद्युत आपूर्ति के लिये सब स्टेशनों की अधिक से अधिक स्थापना हो। अधिक संख्या में स्कूल खुलें और विद्यालयों का उन्नयन हो। सड़कों का जाल बिछे, घर-घर में पानी की आपूर्ति हो तथा सभी को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले इन्हीं सब कार्यों के लिये वे साइकिल यात्रा कर रहें हैं, इन सभी सुविधाओं की पूर्ति कराकर ही देवतालाब को प्रदेश और देश का सर्वोत्तम विधानसभा क्षेत्र बनाना है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देवतालाब विधानसभा क्षेत्र के लोगों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान निधि से 7400 लोगों को सहायता मुहैया करवाई गई जो प्रदेश में किसी भी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को मिलने वाली स्वेच्छानुदान राशि में सबसे प्रथम है। श्री गौतम ने आश्वस्त किया कि जनकल्याणकारी

और विकासोन्मुखी कार्यों को प्राथमिकता से कराया जायेगा तथा यह प्रयास होगा कि साइकिल यात्रा के दौरान लोगों से जीवंत संपर्क स्थापित करते हुए जो समस्याएं मिलीं हैं, उनका तत्काल निराकरण हो। उन्होंने कहा कि सीतापुर अंचल में वृहद गौ अभ्यारण्य बनाने की मांग मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से की जायेगी ताकि निराश्रित गौवंश को आश्रय मिल सके। यात्रा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष से विद्युत सब स्टेशन की स्थापना, स्कूल उन्नयन, नईगढ़ी माइक्रो से सिंचाई की सुविधा का लाभ मिलने की मांग की गई जिन्हें उन्होंने पूर्ण किये जाने के लिए आश्वस्त किया। साइकिल यात्रा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम ने पाडर निवासी प्रभुनाथ आदिवासी के घर दोपहर का भोजन किया। उन्होंने आदिवासी महिलाओं द्वारा बनाये गये भोजन का स्वाद लिया। भोजन के उपरांत श्री गौतम ने आदिवासी बस्ती की समस्याओं के बारे में पूछताछ की तब महिलाओं ने उनसे पानी की उपलब्धता के लिए हैण्डपंप स्थापना की बात कही जिसे श्री गौतम ने स्वीकार कर अधिकारियों को निर्देश दिये कि तत्काल हैण्डपंप स्थापित किया जाये।

उन्होंने विद्युत केबिल सुधार के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।साइकिल यात्रा के दौरान मार्ग में पड़ने वाले गांव के रहवासियों ने विधानसभा अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया तथा अपनी समस्याएं भी बताई, जिनका उन्होंने निराकरण कराने के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान डॉ एस एन मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राहुल गौतम, सुरेन्द्र सिंह चंदेल, शिवपूजन शुक्ला, रामनरेश निष्ठुर, मन्नू गुप्ता, किरण सिंह, भगीरथी द्विवेदी, सावित्री जायसवाल, अवधेश तिवारी, प्रसून द्विवेदी, रामफल लोनिया, पुष्पेन्द्र गौतम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और साइकिल यात्री उपस्थित रहे।

कांग्रेस सरकार के समय भरी थाली आज महंगाई के कारण खाली : कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। जनता महंगाई की मार,महंगे पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस को भी भूलने वाली नहीं है। कांग्रेस सरकार के समय किस प्रकार हमारी थाली भरी रहती थी और आज महंगाई के कारण हमारी थाली खाली पड़ी है। यह बात प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मंगलवार को अपने चुनाव प्रचार के दौरान खंडवा लोकसभा क्षेत्र के बुरहानपुर और झिरनिया में विशाल जनसभाओं को संबोधित करतें हुए कही।

कमलनाथ ने अपने 15 माह के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि हम किसान, युवा, महिला, गरीब हर वर्ग के उत्थान के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर की पहचान पावर लूम एटेक्सटाइल और केले से है लेकिन यहां की असली पहचान यहां की भाईचारे व जोड़ने की संस्कृति से भी है। इनसे पूछो खंडवा के पावर लूम का क्या हाल है यह नहीं बताएंगे। जब मैं कपड़ा मंत्री था तो मैंने यहां के पावरलूम की शुरुआत की थी।कमलनाथ ने कहा कि हमें महंगाई को ध्यान रखना है, किसानों की परेशानी को ध्यान रखना है, नौजवानों की बेरोजगारी को ध्यान रखना है और हमें मोदी और शिवराज जी के कानों में घंटी बजाना है। उन्होंने कहा कि आप लोगों को 30 तारीख को प्रदेश के, क्षेत्र के भविष्य को देखते हुए मतदान करना है। हम सब मिलकर विकास का नया इतिहास,नया अध्याय लिखेंगे।

वेडिंग एनीवर्सरी पर रोमांटिक हुए रोहनप्रीत सिंह

नेहा कक्कड़

के लिए ऐसे जाहिर किया प्यार

सिंगर नेहा कक्कड़ (Neha Kakkar) और रोहनप्रीत सिंह (Rohanpreet Singh) ने बीते साल आज ही के दिन (24 अक्टूबर) एक दूजे को हमेशा के लिए अपना बना लिया था। रविवार को नेहा और रोहनप्रीत ने अपनी फर्स्ट वेडिंग एनीवर्सरी सेलिब्रेट की। इस खास मौके पर रोहनप्रीत ने नेहा के लिए सोशल मीडिया पर प्यार जाहिर किया है।

रोहन का नेहा के लिए पोस्ट

दरअसल रोहनप्रीत ने नेहा कक्कड़ संग अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में नेहा और रोहन के बीच प्यार साफतौर पर देखा जा सकता है। तस्वीरों के साथ कैप्शन में रोहनप्रीत ने लिखा, पिछले एक साल में मेरा जीवन... हमें सालगिरह मुबारक, शुक्र है। कुछ सबसे खूबसूरत और स्थायी यादें जो मुझे अपने जीवन के सबसे कीमती व्यक्ति और प्यार के साथ जीने को मिली हैं।

तुम मेरे सब कुछ हो.....

रोहन ने आगे लिखा, नेहा कक्कड़ तुम मेरे सब कुछ हो। सच्ची, नेहू का शुक्रिया अदा नहीं कर सकता। पिछला एक साल मेरे लिए बहुत खास रहा है। ये साल मेरे लिए पलक झपकते ही बीत गया। मुझे सच में विश्वास नहीं हो रहा है एक साल हो भी गया। मैं मां-पापा, टोनी भाई, सोनू दीदी, जीजू भाभी और परिवार के हर एक सदस्य का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे अपनाया। मैं सभी फैन्स का भी शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने हमें प्यार दिया।%

हिट है नेहा- रोहन की जोड़ी

रोहनप्रीत के इस पोस्ट पर नेहा कक्कड़ ने भी आई लव यू कमेंट किया है। गौरतलब है कि नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत की जोड़ी फैन्स को खूब पसंद हैं। ये दोनों अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। दोनों कुछ म्यूजिक वीडियोज में भी साथ नजर आ चुके हैं। नेहा और रोहन के फोटोज भी कई बार सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं।

मल्लिका शेरावत ने बिकिनी में फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर, फैन ने कहा- 'पहले से ज्यादा खूबसूरत हो गई'

मर्डर' फेम अभिनेत्री मल्लिका शेरावत आज अपना 45वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। मल्लिका पिछले कुछ समय से फिल्मों से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर वह फैन्स के साथ जुड़ी रहती हैं। अपने जन्मदिन के मौके पर उन्होंने एक तस्वीर शेयर की जिसमें वह बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। उन्हें देखकर ऐसा लग रहा है जैसे उनके लिए उम्र थम सी गई हो। मल्लिका की इन तस्वीरों पर फैन्स खूब कमेंट्स कर रहे हैं।

मल्लिका की ये तस्वीरें फोटोशूट की हैं। वो एक छोटे से पूल के पास पोज दे रही हैं। उन्होंने पीली रंग की बिकिनी पहनी हुई है। तस्वीर में मल्लिका बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'बर्थडे गर्ल, फिट और फैबुलस।' इसके साथ उन्होंने केक का इमोटिकॉन बनाया।

एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- 'मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मल्लिका तुम वाइन की बोतल की तरह हो। उम्र के साथ और खूबसूरत होती जा रही हो। हैप्पी बर्थडे।' एक अन्य ने लिखा- 'हॉटनेस का तड़का।' एक फैन कहते हैं, 'आप अभी भी सेक्सी और हॉट हैं।' तो एक ने उनसे उनके कमबैक के बारे में पूछा।

मल्लिका आखिरी बार 2019 में एक वेब सीरीज Booo Sabki Phategi में दिखी थीं। अभी वह एक वेब शो की शूटिंग कर रही हैं।

कैटरीना कैफ ने खोली अक्षय कुमार की पोल... वीडियो बनते देख दौड़े और बुरी तरह गिर पड़े

इन दिनों बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों को लेकर जबरदस्त चर्चाएं हैं। वहीं, इन सबके बीच अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ स्टारर सूर्यवंशी जबरदस्त सुर्खियों में आ गई है। इस फिल्म की रिलीज को लेकर तैयारियां चल रही हैं, सभी लोग प्रमोशन में जुटे हुए हैं। वहीं, इस बीच कैटरीना कैफ ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया है जिसमें वो अक्षय कुमार की पोल खोलती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में अक्षय कुमार भागते-भागते जमीन पर गिरते दिखाई दे रहे हैं।

कैटरीना कैफ ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कैटरीना बता रही हैं कि सेट पर किस तरह अक्षय कुमार हैरान कर देने वाले एक्साइटमेंट से भरे हुए हैं। वहीं, इसके तुरंत बाद कैटरीना जो नजारा दिखाती हैं, वो वाकई चौंकाने वाला है। इस वीडियो में दिखता है कि अक्षय कुमार, रोहित शेट्टी की गोद में सिर रखकर लेटे हुए हैं। कैटरीना कहती हैं कि %सुबह 5 बजे उठे हो इसीलिए ऐसी हालत है%। वहीं, कैटरीना को पोल खोलते देख अक्षय उठकर भागने लगते हैं लेकिन अचानक बुरी तरह गिर पड़ते हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए कैटरीना ने कैप्शन में लिखा- %जरा देखिए लड़कों की एक्साइटमेंट साथ में प्रमोशन के पहले दिन पर%। अक्षय कुमार का ये मजेदार वीडियो इंटरनेट पर खूब चर्चा में आ गया है। बता दें कि अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्म %सूर्यवंशी% 5 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में रणवीर सिंह और अजय देवगन भी कैमियो करते दिखाई देंगे।

Bigg Boss 15 में एंट्री लेंगे

शमिता शेट्टी

के भाई राजीव, बोले- मैं उसे देख रो पड़ूंगा

रिएलिटी शो बिग बॉस 15 (Bigg Boss 15) में आए दिन जबरदस्त झगड़े देखने को मिल जाते हैं। जहां एक तरफ घरवाले आपस में ही किसी न किसी बात पर झगड़ते नजर आ जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ बिग बॉस के मेकर्स भी कंटेस्टेंट्स की मुश्किलें बढ़ाते दिखाई दे जाते हैं। हाल ही में घर में कॉम्पिटीशन बढ़ाने के लिए बीबी हाउस में एक नए कंटेस्टेंट की एंट्री होने वाली हैं। ये कंटेस्टेंट और कोई नहीं बल्कि शमिता शेट्टी के भाई राजीव अदातिया हैं। उन्होंने बताया है कि वो शो पर एंट्री सिर्फ शमिता की वजह से ले रहे हैं।राजीव अदातिया, शमिता के राखी ब्रदर हैं और दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है। राजीव ने हाल ही में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बिग बॉस 15 के घर में वाइल्डकार्ड एंट्री को लेकर बात की है। उन्होंने कहा- %मैं उन्हें (शमिता शेट्टी और शिल्पा शेट्टी) को 10-12 साल से जानता हूं। मैं शिल्पा, शमिता और आंटी से मिला था, हम आध्यात्मिक तौर पर जुड़े थे। मुझे नहीं पता आपने नोटिस किया या नहीं लेकिन शमिता एक आध्यात्मिक इंसान हैं। मेरा उनके साथ कनेक्शन आध्यात्मिक लेवल पर शुरू हुआ था। मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं।राजीव का मानना है कि बिग बॉस में उन्हें देखकर शमिता बहुत एक्साइटेड हो जाएंगी। उन्होंने कहा- %उसे समझ नहीं आएगा क्या करूं। वो मुझसे काफी समय से कह रही है कि मैं इस शो पर आई और मैंने कहा था कि कोविड-19 की वजह से मैं नहीं आऊंगा। लेकिन तुम जाओ और इंजॉय करो। अब वो चौंक जाएगी। मैं रो सकता हूं, मैंने उसे 2 सालों से नहीं देखा है। शायद बात में मैं इसके साथ पूरे घर में कूदता नजर आऊं।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

दुबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्व कप में मंगलवार को खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। टूर्नामेंट में यह वेस्टइंडीज की लगातार दूसरी हार है। टॉस हारकर वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 143 रन बनाए। इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 18.2 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 144 रनों का लक्ष्य पूरा कर लिया। दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की है। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने एक विकेट लिया। इसके अलावा अन्य कोई भी गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के किसी भी बल्लेबाजों को आउट करने में असफल रहे। वेस्टइंडीज के सभी गेंदबाज बेहद ही महंगे साबित हुए।

लक्ष्यों का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका टीम की शुरुआत खराब रही और पहले ही ओवर में कप्तान टेम्बा बावुमा रन आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आए रीजा हेंड्रिक्स ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए चार चौके और एक छक्के की मदद से 30 गेंदों में 39 रन बनाए। फिर अकील हुसैन की एक शानदार गेंद पर वह आउट होकर पवेलियन लौट गए। इस दौरान, रस्सी वैन डेर डूसन और एडेन मार्करम ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। मार्करम ने सबसे ज्यादा 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। वहीं डूसन ने तीन चौके की मदद से 43 रन बनाए।

इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरूआत बेहद शानदार रही। उन्होंने पावर प्ले में बिना विकेट गंवाए 43 रन बनाए। इस दौरान लुईस ने धुआंधार बल्लेबाजी करके तीन चौके और छह छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। इसके बाद लुईस को महाराज ने आउट कर दिया। लुईस के आउट होने के बाद वेस्टइंडीज की रनों की रफ्तार रुक गई और एक के बाद एक बल्लेबाज आउट होते चले गए। इसके बाद निकोलस पूरन (12), क्रिस गेल (12) और कीरोन पोलार्ड (26) रन बनाए।

बोर्ड की सलाह के बाद डी कॉक ने मैच खेलने से किया इंकार

दुबई। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद के खिलाफ मैदान पर खिलाड़ियों के घुटने टेकने के निर्देश के बाद दक्षिण अफ्रीकाई टीम में तनाव पैदा हो गया है। दरअसल इस फैसले को टीम के स्टार एवं इंफॉर्म विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंडन डी कॉक के आज यहां वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी-20 विश्व कप का अहम मुकाबला न खेलने से जोड़ कर देखा जा रहा है। समझा जाता है कि ड्रॉ कॉक ना तो चोटिल हैं और ना ही आउट ऑफ फॉर्म हैं, बावजूद इसके वह अपनी मर्जी से प्लेइंग इलेवन (एकादश) में शामिल नहीं हुए हैं। कप्तान तेम्बा बावुमा ने बेशक इसके पीछे निजी कारण का हवाला दिया हो, लेकिन समझा जाता है कि सीएसए के रंगभेद के खिलाफ सभी खिलाड़ियों के मैदान पर घुटने टेकने के निर्देश के बाद डी कॉक ने मैच न खेलने का फैसला लिया है, हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। सीएसए ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा, हम सर्वसम्मति से एक निर्देश जारी करने पर सहमत हुए हैं जो मैच शुरू होने से पहले मैदान पर रंगभेद के खिलाफ सभी खिलाड़ियों के घुटने टेकने से संबंधित है। समझा जाता है कि बोर्ड ने सोमवार की रात को यह निर्णय लिया था और मंगलवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए इसकी घोषणा की। उल्लेखनीय है कि डी कॉक ने इस वर्ष सेंट लूसिया में वेस्ट इंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान 12 जून को एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में घुटने न टेकने के पीछे की वजह बताने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था, यह मेरा निजी मसला है। मैं इसे अपने तक सीमित रखूंगा। यह मेरी व्यक्तिगत राय है। हर किसी का अपना-अपना निर्णय है, किसी को कुछ भी करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मैं चीजों को इसी तरह देखता हूं।

बोली लगाने से पहले ही गणित कर लिया था : संजीव गोयनका

दुबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरपीएसजी समूह के मालिक संजीव गोयनका ने आईपीएल 2022 संस्करण के लिए लखनऊ टीम का स्वामित्व हासिल करने के बाद कहा है कि उन्होंने बोली लगाने से पहले ही अपना गणित कर लिया था।

संजीव ने बोली जीतने के बाद एक साक्षात्कार में लखनऊ और अहमदाबाद दोनों की बोली जीतने के बाद लखनऊ को ही चुने जाने के सवाल के जवाब में कहा, उत्तर प्रदेश में हमारा संचालन है। हम यहां बिजली वितरण करते हैं। उत्तरी राज्यों में हमारी बहुत बड़ी उपस्थिति है। इसके अलावा चंडीगढ़ के करीब हमारे पास बिजली वितरण अधिकार हैं, इसलिए उत्तर भारत हमारे लिए एक पृष्ठभूमि की तरह हो जाता है।

उन्होंने बिजनेस मॉडल के बारे में सोचे जाने को लेकर कहा, यह बहुत सरल है। हमें बीसीसीआई से मिलने वाले और उसे चुकाने वाली राशि के बीच के अंतर का भुगतान करना है। हम 10 वर्षों में बीसीसीआई को सात हजार करोड़

रुपए में से केवल 3500 करोड़ रुपए का भुगतान करेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि हमें बीसीसीआई से प्रसारण अधिकारों के लिए 3500 करोड़ रुपए मिलेंगे, जबकि अगले पांच वर्षों में और अधिक राशि मिलेगी, जिसकी वर्तमान नेट वेल्यू 2100 करोड़ है। इसका मतलब है कि हमें आईपीएल टीम 2100 करोड़ रुपए में मिली तो बताएं कि यह अच्छा है या नहीं।

संजीव ने विशेषज्ञों द्वारा उनके नंबरों पर संदेह को लेकर कहा, मैंने आपको अपना गणित पहले ही बता दिया है। मुझे नहीं पता लोग क्या कहते हैं। हमारा भुगतान केवल 3500 करोड़ रुपए है। वर्तमान नेट वेल्यू केवल 2100 करोड़ रुपए है। हमने लंबे समय से इसकी गणना की है। सबसे ऊंची बोली लगाने में दूसरे स्थान पर रहे सीवीसी कैपिटल से करीब 1450 करोड़ रुपए से आगे होने को लेकर उन्होंने कहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मैं जैसा सोच सकता हूं मैंने वैसा ही सोचा, मैं वैसा नहीं सोच सकता जैसा दूसरे सोचते हैं।

उन्होंने 2017 में आईपीएल फाइनल में उनकी टीम के एक रन से हारने के बारे में कहा, भविष्य में अच्छा करने की कामना करता हूं। मैं फिलहाल इस बारे में नहीं सोच रहा हूं कि मैं आज टीम को कैसे चलाने जा रहा हूं। हम कल से योजना बनाना शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई की तरफ से उन्हें फोन आया और उन्हें बधाई दी गई।

नीलामी के बाहर से खरीदे जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या को लेकर अभी तक बीसीसीआई की ओर से कोई जानकारी नहीं मिली है। अभी टीम का नाम के बारे में भी नहीं सोचा गया है। जल्द इसकी घोषणा की जाएगी।

दो नई टीमों से अब नए रंग-ढंग और कलेवर में दिखेगा आईपीएल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल में दो नई टीमों के जुड़ने के बाद उसके फ़ॉर्मेट में कुछ बदलाव होंगे। यह पहली बार नहीं है कि आईपीएल में 10 टीमें खेलेंगी। एक दशक पहले भी ऐसा हो चुका है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा है कि इस बार 60 की जगह 74 मैच होंगे और सभी टीमें सात घरेलू और सात बाहर की मैच खेलेंगी। 2011 में 10 टीमों के टूर्नामेंट के दौरान जो फ़ॉर्मेट तय हुआ था, वही इस बार भी होने की संभावना है। तब 10 टीमों को पांच-पांच के दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया था। प्रत्येक टीम को अपने ग्रुप की चार टीमों से एक घरेलू और एक बाहरी मैच खेलने थे, वहीं दूसरे ग्रुप के चार टीमों से भी एक-एक मैच होता था। एक रैंडम ड्रॉ के द्वारा ग्रुप की टीमों का निर्णय होता था। 2013 में जब आख़िरी बार आईपीएल में आठ से अधिक टीमें खेली थीं, तब नौ टीमों के उस टूर्नामेंट में कुल 76 मैच हुए थे। यह भी तय हुआ है कि इस साल की बड़ी नीलामी से पहले पुरानी आठ आईपीएल टीमें सिर्फ़ चार-चार खिलाड़ियों को ही रिटेन कर सकती हैं। हालांकि इसमें भी घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों की संख्या क्या होगी, यह तय नहीं हो पाया है। तब इन दोनों टीमों को भी नीलामी से पहले ही कुछ खिलाड़ियों को टीम में रखने का अधिकार होगा।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को दुबई में हुई बोली प्रक्रिया के दौरान यह निर्णय हुआ है कि आईपीएल 2022 में लखनऊ और अहमदाबाद शहर से दो नई टीमें खेलेंगी। आरपी संजीव गोयनका ग्रुप (आरपीएसजी) और सीवीसी ग्रुप ने लखनऊ और अहमदाबाद की टीमों को क्रमश: 7000 करोड़ और 5200 करोड़ रूपये में खरीदा है।

पहली बार सुपर 12 चरण का मुकाबला खेलेगा नामीबिया

अबू धाबी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिणी अफ्रीकाई क्रिकेट टीम नामीबिया बुधवार को यहां शेख जायद स्टेडियम में पहली बार आईसीसी टी-20 विश्व कप टूर्नामेंट के सुपर 12 चरण का मुकाबला खेलेगी, जिसमें वह स्कॉटलैंड से भिड़ेगी। मौजूदा संस्करण का भी उसका यह पहला मुकाबला होगा। शेख जायद स्टेडियम में कल डबल हेडर के शाम को होने वाले इस दूसरे मुकाबले में दोनों टीमों पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। स्कॉटलैंड जहां अफगानिस्तान के खिलाफ 130 रनों से बड़ी हार के बाद वापसी के साथ नामीबिया के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हार के सिलसिले को रोकना चाहेगा, वहीं नामीबिया 2-0 के जीत के

रिकॉर्ड में सुधार करने की सोचेगा।

दरअसल दोनों टीमें टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक केवल दो बार आमने-सामने आई हैं और दोनों मैचों में नामीबिया ने स्कॉटलैंड को पछाड़ा है। पहला मुकाबला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर का था, जिसमें नामीबिया ने स्कॉटलैंड पर 24 रन से जीत दर्ज की थी, जबकि दूसरे मैच में नामीबिया को पांच विकेट से जीत मिली थी।

उल्लेखनीय है कि क्वालीफिकेशन राउंड में दोनों टीमों का प्रदर्शन बेहतर रहा था। स्कॉटलैंड ने जहां अपने तीनों मैच जीत कर छह अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर 12 चरण के लिए क्वालीफाई किया था, वहीं नामीबिया ने आयरलैंड और नीदरलैंड जैसी अच्छी टीमों को हरा कर सुपर 12 चरण में जगह सुनिश्चित की थी। बहरहाल दोनों टीमों का मकसद यह मुकाबला जीत कर दो अंक प्राप्त करना होगा, क्योंकि उनके अगले सभी मुकाबले मजबूत टीमों के साथ होंगे, जिसमें भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड शामिल है। नामीबिया अफगानिस्तान के साथ भी भिड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

विराट एक शानदार खिलाड़ी हैं : गावस्कर

दुबई। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय कप्तान विराट कोहली की तारीफ की है। पाकिस्तान के खिलाफ कोहली ने बेहतरीन पारी खेली, जिसके बाद गावस्कर ने उन्हें शानदार खिलाड़ी बताया। गावस्कर ने मंगलवार को स्टार स्पोर्टस से कहा, पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने दो विकेट जल्दी गवां दिए, जिसके बाद कोहली ने न सिर्फ पारी को संभाला बल्की टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने कहा, जिस तरह कोहली ने पारी को संभाला और लगातार रन बनाते रहे खास तौर पर शाहीन अफरीदी के खिलाफ जो छक्का लगाया वह काफी शानदार रहा। गावस्कर ने शाहीन की भी तारीफ की और कहा, शाहीन ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। जिस तरह से उन्होंने अपनी गेंदबाजी में मिश्रण किया वह काबिल ए तारीफ था। उन्होंने कहा, कोहली के लिए यह महत्वपूर्ण था कि वह क्रीज से आगे आकर शाहीन के खिलाफ रन बनाएं। शाहीन की गेंद जिस तरह से स्वींग कर रही थी उसके लिए विराट ने सही रणनीति अपनाई।

टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की जीत पर तालिबान ने दी बधाई

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की पहली जीत पर तालिबान ने बधाई दी है। बता दें कि अफगानिस्तान ने सोमवार को स्कॉटलैंड को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में बुरी तरह से हराया। तालिबान के कब्जे के बाद यह अफगानिस्तान की पहली सबसे बड़ी जीत है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने ट्विटर पर लिखा, अफगानिस्तान की जीत पर टीम को बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद संदेह था कि टीम टी20 विश्व कप में भाग लेगी या नहीं। इसके बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अध्यक्ष अजीजुल्लाह फाजली ने स्पष्ट किया था कि टीम टूर्नामेंट में भाग लेगी। टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की टीम बड़ी जीत के बाद सुपर 12 के ग्रुप 2 के शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि दूसरे स्थान पर पाकिस्तान है।

अर्णव और मुकुल चमके

नई दिल्ली। मैन ऑफ द मैच अर्नव एस बग्गा (123 रन) और गेंदबाज मुकुल वैद (3/4) ने शिवाजी क्रिकेट अकादमी को उदय भान जूनियर्स के खिलाफ पहले केके तिवारी मेमोरीयल टूर्नामेंट में 280 रन से जीत दिलाई। बग्गा ने 95 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए। **स्कोर :** शिवाजी क्रिकेट अकादमी (अंडर-14)= 45 ओवर में 327/3, अर्नव एस बग्गा 123 रन , यथार्थ सिंह 71 रन , विभु वेदांत गोयल 66 रन भविष्य परासर (55/1), उदय भान जूनियर्स= 47/10 22.1 ओवर में= नमन 17 , मुकुल वैद (3/4), भाविन (8/2)।

पुरुष विश्व मुक्केबाजी में रोहित व आकाश का विजयी आगाज

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रोहित मोर और आकाश सांगवान ने सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में चल रही 2021 एआईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पहले दिन सोमवार को अपने-अपने मुकाबलों में जीत हासिल करते हुए भारत के लिए विजयी आगाज सुनिश्चित किया। इस प्रतिष्ठित इवेंट में पदार्पण करते हुए, रोहित ने सोमवार को 57 किग्रा भार वर्ग के शुरुआती दौर के मैच में ओलंपियन जीन कैसेडो को 5-0 से हराकर भारत के लिए माहौल तैयार किया। कैसेडो टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा ले चुके हैं। 20 वर्षीय भारतीय ने अपनी ऊंचाई का अच्छा उपयोग किया और 2021 टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले इक्वाडोर के

इस मुक्केबाज के खिलाफ महत्वपूर्ण अंक हासिल करने के लिए समय-समय पर प्रभावशाली प्रहार किए। बाद में सोमवार को ही रात में, आकाश ने भारत के लिए जीत की गति को बढ़ाया और 67 किग्रा भार वर्ग बाउट में तुर्की के अदेम फुकरान के खिलाफ समान रूप से दबदबा दिखाया और 5-0 के अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। 21 वर्षीय आकाश ने मुक्केबाजी के अच्छे आक्रमण के साथ-साथ रक्षात्मक कौशल का प्रदर्शन किया और एकतरफा मैच में जीत हासिल करने से पहले तुर्की के मुक्केबाज को अंक हासिल करने का शायद ही कोई मौका दिया। अब राउंड ऑफ-32 में रोहित का सामना बोस्निया और हर्जेगोविना के एलेन रहीमिक से होगा जबकि आकाश का सामना गुरुवार को जर्मनी के मुक्केबाज डेनियल क्रोटर से होगा। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को चार भारतीय अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। विश्व चैम्पियनशिप के 2015 के संस्करण के कांस्य पदक विजेता, शिव थापा (63.5 किग्रा) केन्या के विक्टर न्याडेरा से भिड़ेंगे जबकि नरेंद्र (+92 किग्रा) पोलैंड के ऑस्कर सफरन के खिलाफ लड़ेंगे।

झारखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ व महाराष्ट्र सेमी फाइनल

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के सिमडेगा में चल रही 11वीं राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और महाराष्ट्र की टीमों ने सेमी फाइनल में जगह बना ली है। दोनों सेमी फाइनल मैच 29 अक्टूबर को खेले जायेंगे। सेमीफाइनल का पहला मुकाबला झारखंड और महाराष्ट्र के बीच होगा, जबकि दूसरे मुकाबले में हरियाणा और चंडीगढ़ की टीमें आमने-सामने होंगी। चैंपियनशिप के सातवें दिन पहला क्वार्टर फाइनल मैच मेजबान झारखंड और हॉकी पंजाब के बीच खेला गया। इसमें झारखंड ने 6-2 से जीत दर्ज की। दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में

जूनियर महिला हॉकी

हॉकी हरियाणा ने हॉकी ओडिशा को 05-03 से, तीसरे मैच में चंडीगढ़ ने आंध्र प्रदेश को 04-01 से तथा चौथे क्वार्टर फाइनल में हॉकी महाराष्ट्र ने उत्तर प्रदेश को 05-02 से हराया। प्रतियोगिता का फाइनल 29 अक्टूबर को खेला जायेगा।

बता दें कि 11वीं राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप झारखंड के सिमडेगा में विगत 20 अक्टूबर को शुरू हुई थी। इसका उद्घाटन झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था। इस प्रतियोगिता में कुल 26 राज्यों की टीमों ने भाग लिया है। इसी टूर्नामेंट के आधार पर राष्ट्रीय महिला जूनियर हॉकी टीम की खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा। टीमों को आठ पूल में बांटा गया था। पूल ए में झारखंड के साथ केरल, तमिलनाडु, पूल-बी में हरियाणा, असम, राजस्थान, पूल-सी में मिजोरम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को रखा गया था।

मलेशिया राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की कर सकता है मेजबानी

कुआलालंपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मलेशिया ओलंपिक परिषद (ओसीएम) के उपाध्यक्ष दातो शाहरूल जमान याहया ने कहा, मलेशिया अगले 10-15 वर्षों में एशियाई खेलों या राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने के बारे में सोच रहा है, जिसे लेकर बातचीत चल रही है। बता दें कि पिछली बार 1998 में मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया गया था। वहीं, 2022 मेंएशियाई खेलों का आयोजन चीन तो राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन बर्मिंघम शहर में होने वाला हैं। उन्होंने कहा, खेलों की मेजबानी करना कोई छोटी बात नहीं है। इसके लिए हमें पूरी योजना के साथ तैयारी करनी पड़ेगी। हमें इसके लिए बोली लगाने के लिए तैयार रहना होगा।

एशियाई खेलों की मेजबानी के लिए 2030 तक सभी स्लॉट भर दिए गए हैं। एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने कतर और सऊदी अरब को 2030 और 2034 की जिम्मेदारी दी गई है। इसलिए मलेशिया 2038 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए स्लॉट भर सकता है। याहया ने कहा, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों का विस्तार होते देखा है। वहीं, इन खेलों में एथलीटों की संख्या हमेशा से बढ़ती रही हैं। यही कारण है कि मलेशिया 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन कर सकता है।

बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल का दावा मजबूत करना चाहेगा इंग्लैंड

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसी)। 2019 में वन डे विश्व कप जीतने के बाद अब इंग्लैंड की निगाहें टी-20 विश्व कप भी जीत क्रिकेट के इन दोनों छोटे फॉर्मेट में खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने पर लगी हैं। पिछली उपविजेता इंग्लैंड ने अपने अनुभवी लेग स्पिनर आदिल रशीद और मोइन अली के बुने स्पिन के जाल के बदौलत मौजूदा चैंपियन वेस्ट इंडीज को टी-20 विश्व कप में ग्रुप एक में सुपर 12 में छह विकेट से हरा कर विश्वास से अपने अभियान का आगाज किया है। इंग्लैंड ने यह दमदार आगाज अपने तुरुप के ऑलराउंडर जोफ्रा आर्चर, स्टोक्स, सैम करेन जैसे धुरंधरों की जेहनी और शारीरिक फिटनेस को लेकर दिक्कतों के चलते उपलब्ध न होने के बावजूद किया है। इंग्लैंड की निगाहें अब बुधवार को बांग्लादेश पर अबू धाबी में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने पर लगी है। इंग्लैंड का तीसरा मैच अपने चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया से है और इसमें जीत क्रिकेट कौशल के साथ ज्यादा मानसिक मजबूती दिखाने वाली टीम के हिस्से आती है और इससे पहले वह बांग्लादेश के खिलाफ अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहेगा।

बांग्लादेश की टीम श्रीलंका से बड़े स्कोर वाला अपने पहले सुपर 12 मैच सात गेंद के बाकी रहते पांच विकेट भले ही हार गई थी लेकिन उसके पास मुशफिकुर रहीम, मोहम्मद नईम और शकिब उल हसन और मेहदी हसन के रूप में स्पिन को खेलने में माहिर बल्लेबाज हैं। ऐसे में इंग्लैंड की वेस्ट इंडीज पर जीत के नायक रहे लेग स्पिनर आदिल रशीद (4/2) और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर मोइन अली (2/17) का बांग्लादेश के खिलाफ असल इम्तिहान होगा। अबू धाबी की गर्मी इंग्लैड के लिए परेशानी का सबब बन सकती है जबकि बांग्लादेश इसमें खेलने का अभ्यस्त हैं। बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम अबू धाबी में अब तक ज्यादा जीती है और ऐसे में टॉस जीतने का इस मैच के नतीजे में अहम रोल रहने वाला है। इंग्लैंड के लिए बांग्लादेश के खिलाफ विकेट चटकाने के लिए स्पिनरों से ज्यादा अपने तेज गेंदबाज-टाइमल मिल्स, मार्क वुड और क्रिस वॉक्स की त्रिमूर्ति पर भरोसा करना ज्यादा बेहतर होगा।

वहीं कप्तान महमूदउल्लाह, शाकिब अल हसन ,अफीफ और मेहदी हसन के रूप में बतौर स्पिनर बांग्लादेश के पास पर्याप्त विकल्प हैं। वेस्ट इंडीज के नौजवान लेफ्ट आर्म स्पिनर अकील हुसैन ने जिस तरह नई गेंद से आगाज कर इंग्लैंड के जेसन रॉय और जॉनी बेरिस्टो के लिए दिक्कतें पेश की थी उसी तरह बांग्लादेश के स्पिनर भी उसके शीर्ष क्रम के लिए दिक्कतें पेश कर सकते हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान और तस्कीन(यदि फिट हुए) तो सैफुद्दीन के साथ मिल कर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम का अच्छा इम्तिहान ले सकते हैं।

इंग्लैंड को मौजूदा टी-20 विश्व कप में अब तक चार मैचों में सबसे ज्यादा 11 विकेट चटकाने वाले बांग्लादेश के लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन से चौकस रहना होगा। शाकिब रंग में रहे तो वह गेंद के साथ बल्ले से अपने बूते ही बांग्लादेश की नैया किनारे लगा सकते हैं। शाकिब अल हसन खासतौर पर मिडलओवरों में बल्ले से तेजी से रन बनाने वाले और गेंद से निकालने के कारण इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं। इंग्लैंड की बल्लेबाज बहुत हद तक जेसन रॉय, उपकप्तान जोस बटलर, बैरिस्टो , डेविड मलान और फिलहाल रनों के लिए जूझ रहे इयॉन मॉर्गन पर निर्भर करेगी। बांग्लादेश के खिलाफ इंग्लैंड के शीर्ष क्रम में बटलर और बैरिस्टो बुधवार के यदि सस्ते में आउट हो गए तो फिर उसके लिए चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करना बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। बांग्लादेश के गेंदबाजों के लिए खासतौर पर बैरिस्टो और बटलर को सस्ते में आउट करने की चुनौती रहेगी। इंग्लैड अपने स्पिन ऑलराउंडर मोइन अली से बल्ले और गेंद से वैसे ही शानदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगा जैसी बांग्लादेश खासतौर पर शाकिब अल हसन से करता है।

- इंग्लैंड को बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब से चौकस रहना होगा
- इंग्लैंड के स्पिनर आदिल-मोइन का बांग्लादेश के खिलाफ असल इम्तिहान
- टॉस जीतने का इस मैच के नतीजे में अहम रोल रहने वाला है
- इंग्लैंड के लिए तेज गेंदबाज मिल्स, वॉक्स, वुड पर भरोसा बेहतर होगा

मैच का समय : दोपहर साढ़े तीन बजे से